

---

## दिल्ली सल्तनत

- महत्वपूर्ण तथ्य
  - गुलाम वंश या मामलुक वंश
  - खिलजी वंश
  - तुगलक वंश
  - सैयद वंश
  - लोदी वंश ( प्रथम अफगान शासन )
  - सल्तनत कालीन शासन एवं प्रशासन
-

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### दिल्ली सल्तनत ( 1206 ई. – 1526 ई. )

गुलाम वंश 1206 – 1290 ई.	खिलजी वंश 1290 - 1320 ई.	तुगलक वंश 1320 – 1414 ई.	सैयद वंश 1414 – 1451 ई.	लोदी वंश 1451 – 1526 ई.
<b>कुतुबी वंश</b> कुतुबुद्दीन ऐबक 1206 – 1210 ई. आरामशाह 8 माह	जलातुद्दीन खिलजी 1290 – 1296 ई. अलाउद्दीन खिलजी 1296 – 1316 ई. शिहाबुद्दीन उमर 1316 ( 35 दिन )	गयासुद्दीन तुगलक 1320 – 1325 ई. मोहम्मद बिन तुगलक 1325 – 1351 ई. फिरोजशाह तुगलक 1351 – 1388 ई.	खिज़्र खां सैयद 1414 ई. मुबारक शाह 1421 ई. अलाउद्दीन आलमशाह 1398 ई.	बहलोल लोदी 1451 – 1489 ई. सिकंदर लोदी 1489 – 1517 ई. इब्राहीम लोदी 1517 – 1526 ई.
<b>शमशी वंश</b> इल्तुतमिश 1210 – 1236 ई. रुकनुद्दीन फिरोजशाह 1236 ई. रजिया सुल्तान 1236 – 1240 ई. मुइजुद्दीन बहरामशाह 1240 – 1242 ई. अलाउद्दीन महसूदशाह 1242 – 1246 ई. नासिरुद्दीन महमूद 1246 – 1266 ई.	कुतुबुद्दीन मुबारक 1316 – 1320 ई. नासिरुद्दीन खुसरो खां 1320 ई.	नसीरुद्दीन महमूद तुगलक 1398 ई.		
<b>बलबनी वंश</b> गयासुद्दीन बलबन 1266 – 1287 ई. कैकुबाद 1287 – 1290 ई. वयुमर्स 1290 ई.				

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---

### सल्तनत कालीन प्रमुख शासक

#### भारत में मुस्लिम आक्रमण



मुहम्मद बिन कासिम



महमूद गजनवी



तैमूर लंग

#### कुतुबी वंश



कुतुबुद्दीन ऐबक



आरामशाह

#### शमशी वंश



शमशुद्दीन इल्तुतमिश



रुकुनुद्दीन फिरोजशाह



रजिया सुल्तान

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---



मुइजुद्दीन बहरामशाह



अलाउद्दीन मसूदशाह



नासिरुद्दीन महमूद

### बलबनी वंश



गियासुद्दीन बलबन



कैकुबाद



क्युमर्स

### खिलज़ी वंश



जलालुद्दीन खिलज़ी



अलाउद्दीन खिलज़ी



नासिरुद्दीन खुसरौ खां

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### तुगलक वंश



गियासुद्दीन तुगलक



मुहम्मद बिन तुगलक



फिरोजशाह तुगलक



नासिरुद्दीन महमूद तुगलक

### सैयद वंश



खिज़्र खां सैयद



मुबारकशाह



मुहम्मदशाह



अलाउद्दीन आलमशाह

### लोदी वंश



बहलोल लोदी



सिकंदर लोदी



इब्राहिम लोदी

भारत में मुस्लिम साम्राज्य की स्थापना

- भारत में मुस्लिम का उद्गम : 1192 ई. - तराइन का द्वितीय युद्ध ( पृथ्वी राज चौहान Vs मोहम्मद गौरी )
- भारत में मुस्लिम शासको का साम्राज्य फैल गया : 1194 ई. - चंदावर युद्ध के पश्चात्
- मुस्लिम प्रभुत्व की वास्तविक शुरुवात : इल्तुतमिश से
- दिल्ली सल्तनत में सबसे कम समय तक शासन करने वाला वंश : खिलजी वंश (1290 – 1320 ई.) – 30 वर्ष
- दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक समय तक शासन करने वाला वंश : तुगलक वंश (1320–1414 ई.) – 94 वर्ष

वंश के संस्थापक

वंश	संस्थापक	राजधानी	देश	विशेष
गुलाम वंश	कुतुबुद्दीन ऐबक	लाहौर	तुर्क	दिल्ली सल्तनत का संस्थापक
कुतुबी वंश				
शमशी वंश	इल्तुतमिश	दिल्ली	तुर्क	दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक वालीसा का जनक
बलबनी वंश	गयासुद्दीन बलबन	दिल्ली	तुर्क	वालीसा का दमन
खिलजी वंश	जलालुद्दीन खिलजी	दिल्ली	तुर्क	सबसे कम शासनकाल वाला वंश
तुगलक वंश	गयासुद्दीन तुगलक ( गाजी मलिक )	दिल्ली	तुर्क	सबसे अधिक शासनकाल वाला वंश
सैयद वंश	खिज़्र खां सैयद	दिल्ली	तुर्क	
लोदी वंश	बहलोल लोदी	दिल्ली	अफगान	भारत का प्रथम अफगान वंश

मत्वपूर्ण तथ्य

- दिल्ली सल्तनत के संस्थापक : कुतुबुद्दीन ऐबक
- दिल्ली सल्तनत के वास्तविक संस्थापक : इल्तुतमिश
- दिल्ली को सल्तनत की राजधानी के रूप में स्थापित किया : इल्तुतमिश  
कुतुबुद्दीन ऐबक ने लाहौर से ही शासन किया था |
- दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक : इल्तुतमिश
- मुस्लिम प्रभुत्व की वास्तविक शुरुवात : इल्तुतमिश से
- मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका : रजिया सुलतान
- दिल्ली सल्तनत का सबसे वृद्ध शासक : जलालुद्दीन खिलजी ( 70 वर्ष )
- तुर्क शासक में सबसे अधिक शासन : फ़िरोज़ शाह तुगलक

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

- दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान एवं शिक्षित शासक जो खगोल शास्त्र , गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विधायो में माहिर था : मुहम्मद बिन तुगलक
- सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन करने वाला दिल्ली का सुलतान : मुहम्मद बिन तुगलक
- होली जैसे धार्मिक त्यौहारों में भाग लेने वाला प्रथम दिल्ली सुलतान : मुहम्मद बिन तुगलक

दिल्ली सल्तनत में मुहम्मद बिन तुगलक पहला सुलतान था जो हिन्दुओ के त्योहारों मुख्यतः होली में भाग लेता था | जिसके कारण बरनी ने उसकी कटु आलोचना की |

- इतिहासकार बदायूनी ने मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु पर कहा  
“सुलतान को अपनी प्रजा से और प्रजा को अपने राजा से मुक्ति मिली”
- सबसे अधिक गुलाम रखने वाला सुलतान : फिरोज शाह तुगलक
- टोपरा तथा मेरठ के दो अशोक स्तंभ को दिल्ली कौन लाया : फिरोज शाह तुगलक

## इब्नबतूता ( 1333 – 1346 ई. )

- इब्नबतूता मोरक्को मूल का अफ्रीकी यात्री था |
- रचना - किताब-उल-रेहला ( इब्नबतूता की यात्रा का वर्णन )
- इब्नबतूता मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल ( 1325 – 1351 ई. ) में भारत आया |
- मुहम्मद बिन तुगलक ने इब्नबतूता को दिल्ली का काजी नियुक्त किया |
- 1342 ई. - सुलतान का दूत बनाकर चीन भेजा |

## प्रमुख युद्ध

वर्ष	युद्ध	किनके बीच	युद्ध जीता	विशेष
1178	माउन्ट आबू का युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs मूलराज II ( भीम II )	मूलराज II ( भीम II )	
1191	तराइन का प्रथम युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs पृथ्वी राज चौहान	पृथ्वी राज चौहान	
1192	तराइन का द्वितीय युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs पृथ्वी राज चौहान	मुहम्मद गौरी	
1194	चंदाबर का युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs जयचंद	मुहम्मद गौरी	
1215	तराइन का तृतीय युद्ध	इल्तुतमिश Vs याल्दौज	इल्तुतमिश	
1518	खातोली का युद्ध	महाराणा सांगा Vs इब्राहीम लोदी	महाराणा सांगा	
1526	पानीपत का प्रथम युद्ध	बाबर Vs इब्राहीम लोदी	बाबर	<ul style="list-style-type: none"><li>दिल्ली सल्तनत व लोदी वंश समाप्त</li><li>मुगल वंश की स्थापना</li></ul>

## महत्वपूर्ण तथ्य

## मंगोल आक्रमण

- प्रथम मंगोल आक्रमण : 1221 ई. – चंगेज खां ( इल्तुतमिश के शासनकाल में )  
1221 ई. – मंगोल शासक चंगेज खां फारस के शासक जलालुद्दीन मांगबरनी का पीछा करते हुए भारत के सिंध ( सिन्धु घाटी ) तक पहुँच गया |  
मंगोल शासक चंगेज खां के भय से इल्तुतमिश ने जलालुद्दीन मांगबरनी की कोई सहायता नहीं की |

चंगेज खां ने अपने दूत इल्तुतमिश के पास भेजे कि वह मांगबरनी की सहायता न करे, अतः इल्तुतमिश ने मांगबरनी की कोई सहायता नहीं की |

1224 ई. – मांगबरनी भारत से चला गया तो इस समस्या का समाधान हो गया |

- सर्वाधिक मंगोल आक्रमण : अलाउद्दीन खिलजी
- 29 बार मंगोलों के आक्रमण को विफल किया : गयासुद्दीन तुगलक शाह गाजी  
गयासुद्दीन तुगलक अलाउद्दीन खिलजी का सेना पति था | गयासुद्दीन तुगलक ने 29 बार मंगोल आक्रमण को विफल किया, इसलिए वह गाजी मलिक के नाम से प्रसिद्ध हुआ |
- 1 बार मंगोलों के आक्रमण : मोहम्मद बिन तुगलक

## चालीसा ( चहलगानी )

- 40 गुलामों ( अमीरों ) का एक दल ( चालीसा ) बनाया : इल्तुतमिश  
जिसमें इल्तुतमिश के गुलाम  
1. नासिरुद्दीन महमूद  
2. गयासुद्दीन बलबन
- चालीसा का दमन किया : गयासुद्दीन बलबन

## नहर

- सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण करने वाला प्रथम सुल्तान : गयासुद्दीन तुगलक शाह गाजी
- दिल्ली का वह सुल्तान जो भारत में नहरों के बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है :  
फिरोज शाह तुगलक

## त्यौहार / प्रथा

निर्माता	प्रथा	विशेष
गयासुद्दीन बलबन	नवरोज	फ़ारसी त्यौहार नवरोज को आरम्भ करवाया
	सिजदा	भूमि पर लेटकर अभिवादन करना
	पाबोस	सुल्तान के चरणों को चूमना






# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## तुर्क जाति

निर्माता	किस जनजाति का तुर्क
कुतुबुद्दीन ऐबक	ऐबक
इल्तुतमिश	इल्बरी
गयासुद्दीन बलबन	इल्बरी

## सिवका

शासक	सिवका	विशेष
इल्तुतमिश	<p>चांदी का टका</p>  <p>ताम्र का जीतल</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रथम तुर्क सुलतान, जिसने शुद्ध अरबी सिक्के चलवाए : इल्तुतमिश</li> <li>• सिक्के के एक ओर बगदाद के खलीफा का नाम लिखा रहता था  </li> <li>• सिक्के पर टकसाल का नाम लिखवाने की परम्परा शुरू की  </li> </ul>
मुहम्मद बिन तुगलक	<p>सांकेतिक मुद्रा योजना ( प्रतीक मुद्रा )</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सम्पूर्ण विश्व में चांदी की कमी हो गयी संभवतः इसलिए सांकेतिक मुद्रा चलाई गयी   <ul style="list-style-type: none"> <li>- लोगो ने अपने घरो में तांबे के सिक्के बनाने शुरू कर दिए</li> <li>- तांबे के सिक्के की अधिकता</li> <li>- चांदी के सिक्के को तांबे से Exchange करने को कहा</li> <li>- लोगो ने रातभर और सिक्के बनाया</li> </ul> </li> </ul>

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## नीति / व्यवस्था

निर्माता	व्यवस्था	विशेष
कुतुबुद्दीन ऐबक	पारिवारिक सम्बन्ध की नीति	<ul style="list-style-type: none"><li>कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत में शासन करने में सफलता मिली क्योंकि उसने समकालीन शासकों के साथ <b>पारिवारिक सम्बन्ध</b> स्थापित किया।</li><li><b>ताजुद्दीन याल्दौज ( गजनी शासक )</b> कुतुबुद्दीन ऐबक ने ताजुद्दीन याल्दौज की पुत्री से विवाह किया।</li><li><b>नासिरुद्दीन कुबाचा ( मुल्तान शासक )</b> कुतुबुद्दीन ऐबक की बहन का विवाह</li><li><b>इल्तुतमीश ( गुलाम व दामाद )</b> कुतुबुद्दीन ऐबक की पुत्री का विवाह</li></ul>
इल्तुतमीश	इक्तेदारी प्रथा ( जमींदारी प्रथा )	
	इस्लाम शासन प्रणाली	
	चालीसा	40 गुलामों ( अमीरों ) का एक दल बनाया
गयासुद्दीन बलबन	लौह व रक्त की नीति	<ul style="list-style-type: none"><li>बलबन ने अपने विरोधियों की समाप्ति के लिए लौह व रक्त की नीति ( खून का बदला खून ) का अनुपालन किया।</li><li>बलबन गद्दी पर बैठते ही चालीसा को नष्ट कर दिया।</li><li>उसने इल्तुतमीश परिवार के सभी सदस्यों को मरवा दिया।</li></ul>
	राजत्व का दैवीय सिद्धांत	<ul style="list-style-type: none"><li>सुल्तान का पद ईश्वर द्वारा प्रदत्त है।</li><li>सुल्तान का निरंकुश होना अनिवार्य है।</li><li>उपाधि – <b>जिल्ले इलाही</b> ( ईश्वर का प्रतिबिम्ब )</li></ul>
	नियामत-ए-खुदाई ( ईश्वर का प्रतिनिधि )	<ul style="list-style-type: none"><li>सुल्तान पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि है।</li></ul>
	जिल्ले इलाही ( ईश्वर की छाया )	
	सैन्य विभाग ( दीवान ए अर्ज )	<ul style="list-style-type: none"><li>बलबन को ही <b>सैन्य विभाग के संगठन</b> का श्रेय जाता है।</li></ul>

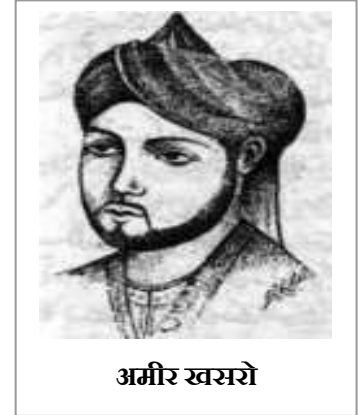
## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी	नया धर्म	<ul style="list-style-type: none"> <li>अलाउद्दीन खिलजी नया धर्म चलाना चाहता था लेकिन उलेमा लोगो ने विरोध किया  </li> </ul>
	खालिसा भूमि	<ul style="list-style-type: none"> <li>अलाउद्दीन खिलजी ने शक्तिशाली व निरंकुश राज्य की स्थापना करने के लिए उसने उन सभी लोगो से जमीन छीन ली जो उन्हें राज्य द्वारा प्राप्त हुई थी  </li> </ul>
	मूल्य नियंत्रण की नीति / बाज़ार नियंत्रण की नीति / सार्वजनिक वितरण प्राणाली	<ul style="list-style-type: none"> <li>इसका उद्देश्य मंगोलों के विरुद्ध एक विशाल सेना तैयार करना था  </li> <li>अलाउद्दीन ने एक बड़ी और स्थाई सेना रखा तथा उन्हें नगद वेतन दिया   ऐसा करने वाला वह दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था  </li> <li>सेना का का खर्च कम करने के लिए अलाउद्दीन ने सेना के वेतन में कमी की परन्तु उसके सैनिक सुविधापूर्वक रह सके इसलिए उसने वस्तुओ की कीमत कम किये  </li> </ul>
मुहम्मद बिन तुगलक	दीवान-ए-अमीर-ए-कोही	<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि विभाग</li> </ul>
	राजधानी परिवर्तन	<ul style="list-style-type: none"> <li>राजधानी दिल्ली से देवगिरी ( दौलताबाद / तुगलकाबाद / औरंगाबाद ) ले गया</li> </ul>
फिरोज शाह तुगलक	दीवान-ए-खैरात ( बेरोजगार कार्यालय )	<ul style="list-style-type: none"> <li>मुस्लिम बेरोजगारों को रोजगार दिलवाया</li> <li>दान शाला</li> </ul>
	दार-उल-शफा ( खैराती अस्पताल )	
	दीवान-ए-बंदगान	<ul style="list-style-type: none"> <li>दासो की देखरेख के लिए</li> <li>सल्तनत में सबसे अधिक गुलामो वाला शासक</li> </ul>
	लोक निर्माण विभाग	<ul style="list-style-type: none"> <li>5 नये शहरो का निर्माण फतेहाबाद , हिसार , फिरोजपुर , जौनपुर , फिरोजाबाद</li> <li>1200 फल के बाग , 40 मस्जिदे , 30 विधालय , 20 महल , 100 सराए , 200 नगर , 100 अस्पताल</li> <li>पुलों व नहरों का जाल बिछाया</li> <li>फल के बाग : फलो की गुणवत्ता को सुधरने के लिए</li> <li>अशोक के स्तम्भ को दिल्ली लाकर पुनः स्थापित किया  </li> </ul>
	अनुवाद विभाग	<ul style="list-style-type: none"> <li>हिन्दू-मुस्लिम सम्प्रदायों के लोगो में एक-दुसरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके</li> </ul>
	हज की व्यवस्था	<ul style="list-style-type: none"> <li>राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था</li> </ul>
सिकंदर लोदी	गज-ए-सिकंदरी	<ul style="list-style-type: none"> <li>भूमि के मापन के लिए</li> </ul>

## अमीर ख़ुसरो

### सामान्य परिचय

- जन्म - 1253 , एटा ( उत्तर प्रदेश )
- मृत्यु - 1325 , दिल्ली  
निजामुद्दीन औलिया की मृत्यु के अगले दिन इनकी भी मृत्यु हो गयी।
- गुरु - निजामुद्दीन औलिया



### महत्वपूर्ण तथ्य

- दिल्ली सल्तनत के सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ व कवि
- नियासुद्दीन बलबन से नियासुद्दीन तुगलक के दरबार की शोभा बढ़ाया।
- प्रथम मुस्लिम कवि जिसने अपनी रचनाओं में **हिंदी शब्दों** का प्रयोग किया।
- कव्वाली के जनक
- सितार व तबले के आविष्कारक

### प्रमुख रचनाएं

क्र.	रचना	विशेष
1	नूह – सिपेहर	<ul style="list-style-type: none"><li>भारत की जलवायु एवं पुष्पों का वर्णन</li><li>भारत को स्वर्ग का उद्यान कहा है।</li></ul>
2	तारीख – ए – अलाई	<ul style="list-style-type: none"><li>अलाउद्दीन खिलजी विजय</li><li>अलाउद्दीन खिलजी का चित्तौड़ अभियान में शामिल थे।</li></ul>
3	तुगलक नामा	

### उपाधियाँ

क्र.	उपाधि	उपाधि दाता
1	तुर्कल्लाह	निजामुद्दीन औलिया
2	तूती – ए – हिन्द ( भारत का तोता )	

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### सल्तनत कालीन साहित्य

क्र.	साहित्य	साहित्यकार
1	सियासतनामा	निजमुल्मुल्क तुसी
2	वचनामा	अली अहमद
3	सिकंदरनामा	हसन निजामी
4	शरफनामा	नुरसत शाह
5	किताब - उल - रेहला	इब्नबतूता
6	सफरनामा	
7	तहकीक - ए - हिन्द	अलबरूनी
8	किताब - उल - हिन्द	
9	कानून - ए - मसूदी	
10	तबकात - ए - नासिरी	मिन्हाज-उल-सिराज
11	फ़तवा - ए - फ़ियोजशाही	फ़ियोजशाह तुगलक
12	तारीख - ए - फ़ियोजशाही	जियाउद्दीन बरनी
13	फ़तवा - ए - जहांदरी	
14	तारीख - ए - मुबारकशाही	याहिया बिन अहमद सरहिंदी
15	नूह - सिपेहर	अमीर खुसरो
16	तारीख - ए - अलाई	
17	तुगलक नामा	
18	फुतुह - उस - सलातीन	अब्दुल मलिक इसामी
19	गुलरुखी	सिकंदर लोदी

### दरबारी कवि

क्र.	शासक	दरबारी कवि	रचना
1	कुतुबुद्दीन ऐबक	हसन निजामी	ताज - उल - मासिर
		फर्रुखमुदीर	
2	नासिरुद्दीन कुबाचा	अली अहमद	वचनामा
3	इल्तुतमिश	मलिक ताजुद्दीन	
		मिन्हाज-उल-सिराज	
4	नासिरुद्दीन महमूद	मिन्हाज-उल-सिराज	तबकात - ए - नासिरी
5	गयासुद्दीन बलबन	अमीर खुसरो	नूह - सिपेहर तारीख - ए - अलाई तुगलक नामा
		अमीर हसन	
6	मुहम्मद बिन तुगलक	जियाउद्दीन बरनी	तारीख - ए - फ़ियोजशाही फ़तवा - ए - जहांदरी
7	मुबारकशाह	याहियाबिन अहमद सरहिंदी	तारीख - ए - मुबारकशाही

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### उपाधि

क्र.	शासक	उपाधि	विशेष
1	महमूद गजनी	गाज़ी	<ul style="list-style-type: none"> <li>गाज़ी की उपाधि धारण करने वाले प्रथम शासक</li> </ul>
2	कुतुबुद्दीन ऐबक	लाख बख्श	<ul style="list-style-type: none"> <li>दानशीलता के कारण ( लाखों लोगों को देने वाला )</li> </ul>
		हातिम द्वितीय	<ul style="list-style-type: none"> <li>दयाशीलता के कारण ( <b>मिन्हाज-उल-सिराज</b> ने )</li> </ul>
		कुरान खां	<ul style="list-style-type: none"> <li>कुरान का बहुत कुशल पाठक</li> </ul>
		चंद्रमुखी ( ऐबक )	<ul style="list-style-type: none"> <li><b>मुहम्मद गौरी</b> ने</li> </ul>
		मलिक	
3	इल्तुतमिश	नासिर-उल-मिमोनिन	<ul style="list-style-type: none"> <li>1229 में <b>बगदाद के खलीफा</b> ( <b>अल मुंत सिर बिल्लाह</b> ) से शासन कार्यों के लिए <b>खिलअत</b> प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ  </li> <li><b>खिलअत</b> प्राप्त करने के बाद <b>नासिर-उल-मिमोनिन</b> की उपाधि धारण की  </li> <li><b>खिलअत</b> प्राप्त करने के बाद <b>इल्तुतमिश</b> <b>वैध सुलतान</b> तथा <b>दिल्ली सल्तनत का स्वतंत्र सुलतान</b> बना  </li> </ul>
		सुलतान-ए-आजम	<ul style="list-style-type: none"> <li><b>बगदाद के खलीफा</b> ( <b>अल मुंत सिर बिल्लाह</b> ) ने</li> </ul>
4	नासिरुद्दीन महमूद	उलुग खां	<ul style="list-style-type: none"> <li><b>गयासुद्दीन बलबन</b> ने</li> <li>1249 - गयासुद्दीन बलबन से अपनी पुत्री का विवाह <b>नासिरुद्दीन महमूद</b> से कर उसे <b>उलुग खां</b> की उपाधि दिया  </li> </ul>
5	गयासुद्दीन बलबन	जिल्ले इलाही	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्वम्</li> </ul>
6	जलालुद्दीन खिलजी	शाइस्ता खां	
7	अलाउद्दीन खिलजी	सिकंदर ए शाही / द्वितीय सिकंदर / सिकंदर सानी	<ul style="list-style-type: none"> <li>विश्व जीतने का स्वप्न देखा</li> </ul>
		नासिर-अमीर-मुमनिन	
		यामीन-उल-खिलाफ़त	
8	कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी	अल - इमाम	
		उल - इमाम	
7	गयासुद्दीन तुगलक	गाज़ी / मलिक गाज़ी / शाह गाज़ी	गाज़ी उपाधि धारण करने वाला <ul style="list-style-type: none"> <li>विश्व में प्रथम - <b>महमूद गजनी</b></li> <li>दिल्ली सल्तनत में प्रथम - <b>गयासुद्दीन तुगलक</b></li> </ul>
9	मोहम्मद बिन तुगलक	पागल सुल्तान / आभागा सुल्तान	<ul style="list-style-type: none"> <li><b>बरनी</b> ने</li> </ul>
		सृष्टि का आश्चर्य / अपने युग का आश्चर्य	
10	फिरोज शाह तुगलक	सल्तनत युग का अकबर	
		सल्तनत युग का औरंगजेब	
11	खिज़्र खां सैयद	रैयत - ए - आला	

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### मकबरा

स्थान	मकबरा	निर्माता	विशेष
दिल्ली	सुलतानगढ़ी का मकबरा	इल्तुतमिश	<ul style="list-style-type: none"><li>निर्माण - 1231</li><li>भारत का पहला मकबरा</li></ul>
	इल्तुतमिश का मकबरा	इल्तुतमिश	
	कबीरुद्दीन औलिया का मकबरा	नासिरुद्दीन महमूद	
	गियासुद्दीन बलबन का मकबरा	गियासुद्दीन बलबन	<ul style="list-style-type: none"><li>शुद्ध इस्लामी शैली ( मेहराब ) से निर्मित भारत का पहला मकबरा</li></ul>
	शेख निजामुद्दीन औलिया का मकबरा	मोहम्मद बिन तुगलक	<ul style="list-style-type: none"><li>भारत का पहला गुम्बद वाला मकबरा</li></ul>
	गियासुद्दीन तुगलक का मकबरा	गियासुद्दीन तुगलक	<ul style="list-style-type: none"><li>झील के भीतर बना भारत का पहला मकबरा</li></ul>
	फिरोजशाह तुगलक का मकबरा	फिरोजशाह तुगलक	
	हुमायूँ का मकबरा	हाजी बेगम	<ul style="list-style-type: none"><li>दीन - ए - पनाह महल के भीतर</li></ul>
	सफ़दरजंग का मकबरा	शुजाउद्दौला	
	मुबारकशाह	मुहम्मदशाह	
	मुहम्मदशाह	अलाउद्दीन आलमशाह	
	बहलोल लोदी का मकबरा	सिकंदर लोदी	
	सिकंदर लोदी का मकबरा	इब्राहीम लोदी	
	खान - ए - जहां का मकबरा	जौनाशाह ( खान - ए - जहां II )	
लाहौर	कुतुबुद्दीन ऐबक का मकबरा		
अजमेर	मुईनुद्दीन चिश्ती का मकबरा	इल्तुतमिश	<ul style="list-style-type: none"><li>मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में अकबर जाते थे  </li></ul>
काबुल	बाबर का मकबरा		
सिकंदरा ( उत्तर प्रदेश )	अकबर का मकबरा	जहाँगीर	

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

शाहदरा ( पाकिस्तान )	जहाँगीर का मकबरा		
आगरा	एतमाउद्दौला का मकबरा	नूरजहाँ + जहाँगीर	<ul style="list-style-type: none"> <li>भारत का प्रथम संगमरमर का मकबरा</li> <li>ताजमहल का पूर्वगामी</li> </ul>
	मुमताज का मकबरा	शाहजहाँ	<ul style="list-style-type: none"> <li>ताजमहल के भीतर</li> </ul>
	शाहजहाँ का मकबरा	औरंगजेब	<ul style="list-style-type: none"> <li>ताजमहल के भीतर</li> </ul>
औरंगाबाद	बीबी का मकबरा ( राबिया तुरानी )	औरंगजेब	<ul style="list-style-type: none"> <li>पत्नी राबिया दुरानी की स्मृति में</li> </ul>
	औरंगजेब का मकबरा	औरंगजेब	
फतेहपुर सिकरी	शेख सलीम विश्नी का मकबरा	अकबर	
सासाराम	हसन खां का मकबरा	शेरशाह सूरी	
	शेरशाह सूरी का मकबरा	शेरशाह सूरी	<ul style="list-style-type: none"> <li>झील के भीतर</li> </ul>
	इस्लाम शाह का मकबरा	इस्लाम शाह	
ग्वालियर	मोहम्मद गौस का मकबरा		
	तानसेन का मकबरा		

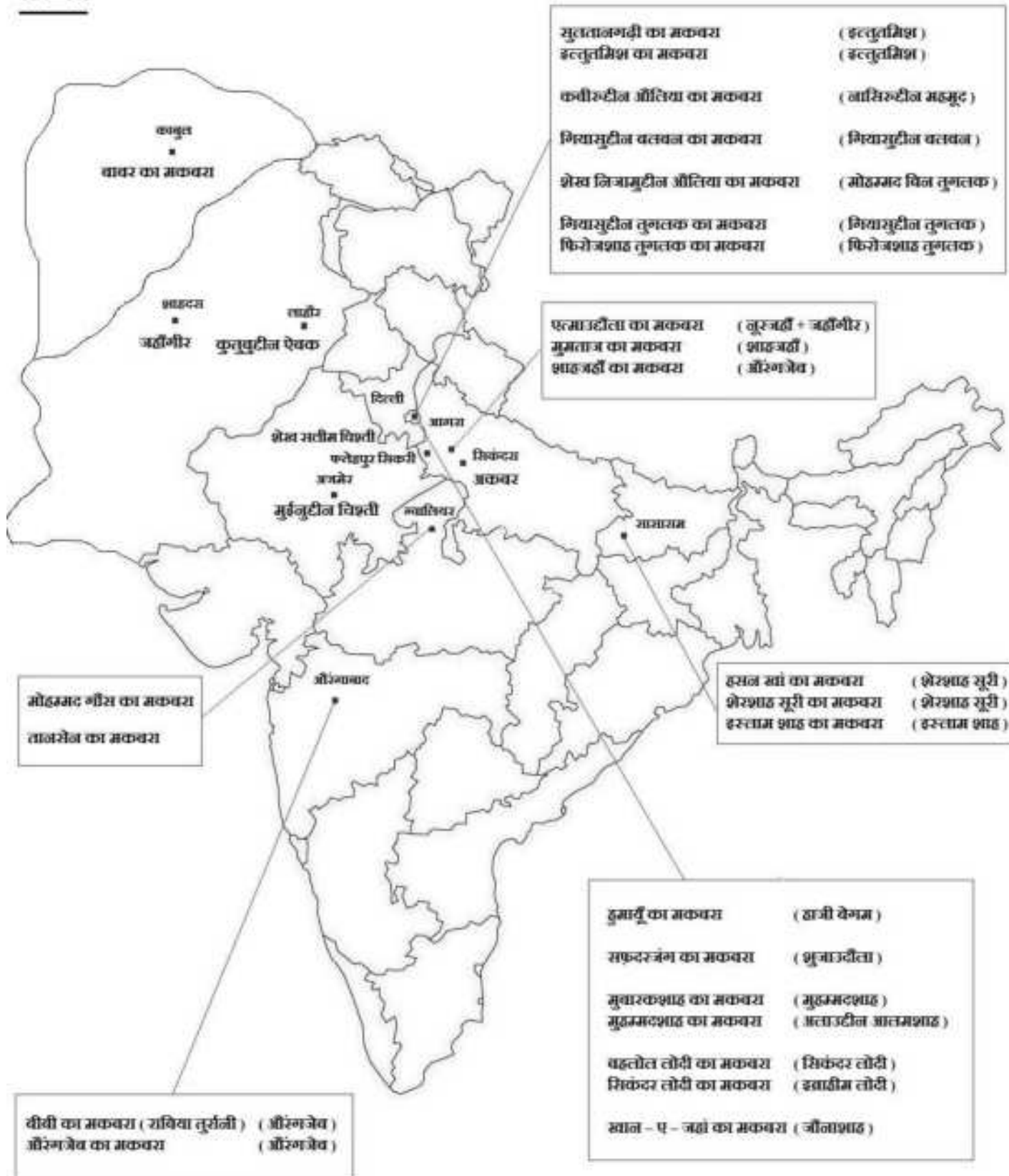
### स्वयं का मकबरा

क्र.	स्थान	मकबरा	निर्माता
1	दिल्ली	इल्तुतमिश का मकबरा	इल्तुतमिश
2		बलबन का मकबरा	गियासुद्दीन बलबन
3		गियासुद्दीन तुगलक का मकबरा	गियासुद्दीन तुगलक
4	औरंगाबाद	औरंगजेब का मकबरा	औरंगाबाद
5	सासाराम	शेरशाह सूरी का मकबरा	शेरशाह सूरी



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## मकबरा



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## सल्तनत कालीन स्थापत्य

शासक	स्थापत्य	स्थान	विशेष
कुतुबुद्दीन ऐबक	कुतुबमीनार	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"> <li>शेख रूवाज़ा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में नीव डाली</li> <li>5 मंजिमा भवन ( ऊंचाई - 72 मी. )</li> <li>कुतुबुद्दीन ऐबक - पहले मंजिला का निर्माण</li> <li>इल्तुतमिश - 4 मंजिल पूरा किया</li> <li>फ़ियोजशाह तुगलक - चौथी मंजिल को हानि पहुंची थी जिसपर फ़ियोजशाह तुगलक ने चौथी मंजिल के स्थान पर 2 और मंजिल बनवाया  </li> </ul>
	कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"> <li>निर्माण - 1197</li> <li>भारत का पहला मस्जिद</li> <li>जैन मंदिर को तोड़कर</li> </ul>
	अढ़ाई दिन का झोपड़ा	अजमेर	<ul style="list-style-type: none"> <li>निर्माण - 1200</li> <li>विग्रहराज विसलदेव – IV द्वारा निर्मित संस्कृत महाविद्यालय को तोड़कर</li> <li>यह एक मस्जिद है  </li> </ul>
इल्तुतमिश	मुइनुद्दीन विश्ती की दरगाह	अजमेर	
	सुलतानगढ़ी का मकबरा	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"> <li>भारत का पहला मकबरा</li> <li>अपने पुत्र नासिरुद्दीन महमूद की स्मृति में</li> </ul>
	कुतुबमीनार	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"> <li>कुतुबमीनार का काम पूरा करवाया  </li> </ul>
	मदरसा – ए – मुइज्जी	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"> <li>मुहम्मद गोरी की स्मृति में</li> </ul>
	हौज – ए – शम्सी	बदायूं	
	शम्सी ईदगाह	बदायूं	
	अक़रिन किन का दरवाजा	नागौर	
गयासुद्दीन बलबन	लाल महल	दिल्ली	
कैकुबाद	किलाखरी का दुर्ग ( हरा महल )		
जलालुद्दीन खिलजी	किलाखरी का महल		
अलाउद्दीन खिलजी	अलाई दरवाजा	दिल्ली	
	जमातखाना मस्जिद	दिल्ली	
	हजार सितून	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"> <li>हजार खम्भों का महल</li> </ul>
	हौज – ए – अलाई	दिल्ली	
	सिरी का किला	दिल्ली	

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

	सीढ़ी का महल	अजमेर	
कुतुबुद्दीन मुबारक	ऊखा मस्जिद	भरतपुर ( राजस्थान )	
गयासुद्दीन तुगलक	तुगलकाबाद महल	औरंगाबाद	
मुहम्मद बिन तुगलक	दौलताबाद किला	औरंगाबाद	
	आदिलाबाद किला	तेलंगाना	
	जहाँपनाह	दिल्ली	
	बारहसम्बा महल	दिल्ली	
फिरोज शाह तुगलक	फिरोजशाह कोटला किला	दिल्ली	
	हौजखाना	दिल्ली	
	बेगमपुरी मस्जिद	दिल्ली	
	खिरकी मस्जिद	दिल्ली	

## शहर की स्थापना

क्र.	शहर	शासक
1	दिल्ली	तोमर वंश
2	देवगिरी	रामचंद्रदेव
3	तुगलकाबाद	गयासुद्दीन तुगलक
4	दौलताबाद आलियाबाद	मोहम्मद बिन तुगलक
5	औरंगाबाद	औरंगजेब
6	आगरा (1504 )	सिकंदर लोदी
7	फतेहाबाद फिरोजाबाद फिरोजपुर जौनपुर हिसार	फिरोजशाह तुगलक

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---

### सल्तनत कालीन प्रमुख शब्द

क्र.	शब्द	अर्थ
1	इतलाकी	सुल्तान की भूमि
2	खालसा भूमि	राजकीय भूमि
3	इक्ता ( अक्ता )	सैनिक अधिकारियों को दी जाने वाली मुक्त भूमि
4	मिल्क	विद्वानों को दी जाने वाली मुक्त भूमि
5	वफक	धार्मिक कार्यों के लिए दी जाने वाली मुक्त भूमि
6	मसाहत	भूमि की पैमाइश

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### गुलाम वंश / मामलुक वंश ( 1206 ई. – 1290 ई. )

- कुतुबी , शमशी तथा बलबनी वंश को मिलाकर गुलाम वंश कहा जाता है।
- संस्थापक - कुतुबुद्दीन ऐबक
- अंतिम शासक - क्युमर्स

#### कुतुबी वंश ( 1206 ई. – 1210 ई. )

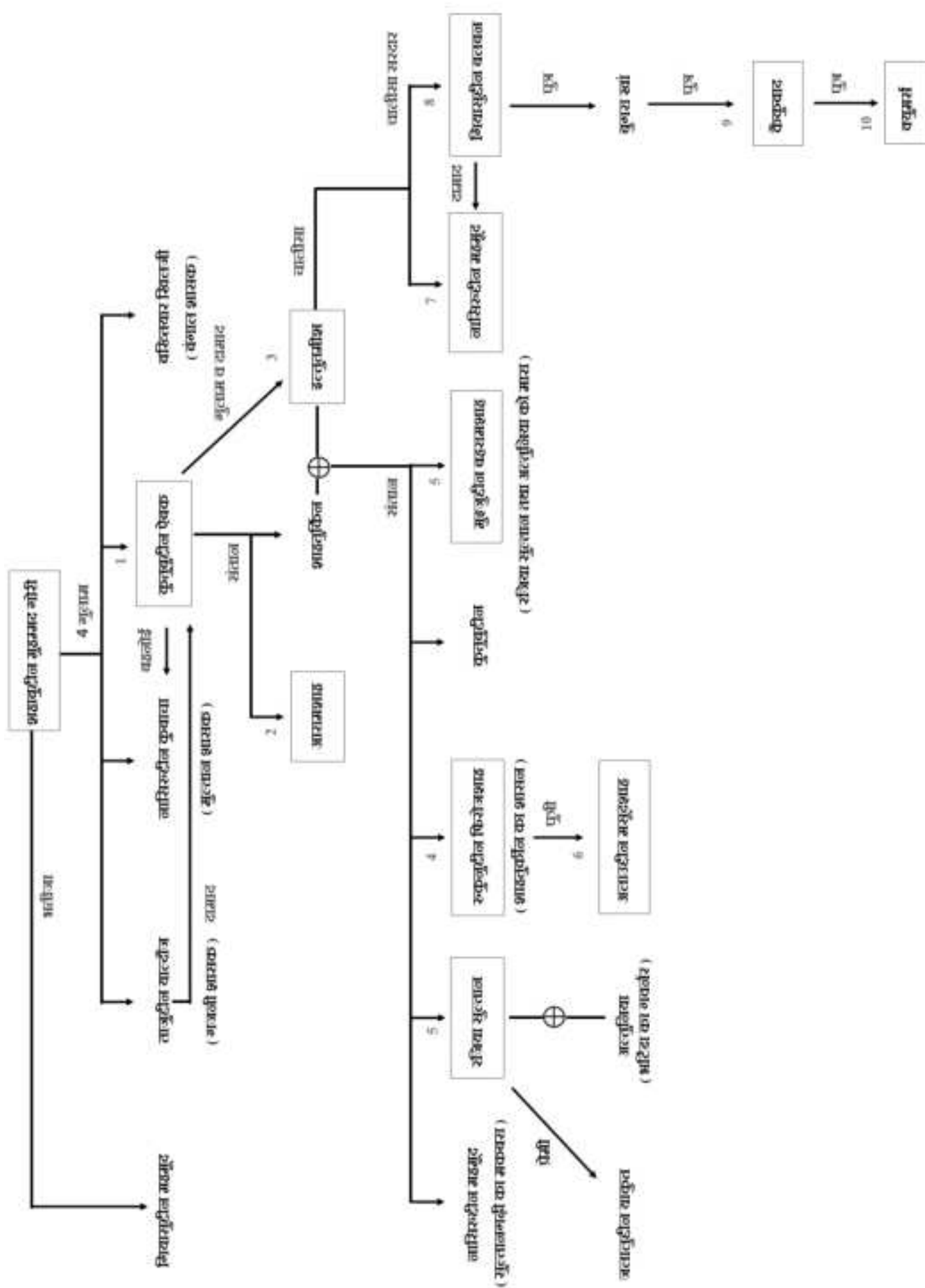
क्र.	शासक	शासनकाल	विशेष
1	कुतुबुद्दीन ऐबक	1206 ई. – 1210 ई.	▪ दिल्ली सल्तनत का संस्थापक
2	आरामशाह	1210 ई. ( 8 माह )	

#### शमशी वंश ( 1210 ई. – 1266 ई. )

क्र.	शासक	शासनकाल	विशेष
1	शम्सुद्दीन इल्तुतमिश	1210 ई. – 1236 ई.	▪ दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक ▪ चालीसा के जनक
2	रुकुनुद्दीन फिरोजशाह	1236 ई.	▪ शाहजहाँ का शासन
3	रजिया सुल्तान	1236 ई. – 1240 ई.	▪ भारत की पहली महिला शासिका
4	मुइजुद्दीन बहरामशाह	1240 ई. – 1242 ई.	▪ रजिया सुल्तान तथा अल्तुनिया को मारा ▪ नाममात्र का सुल्तान
5	अलाउद्दीन मसूदशाह	1242 ई. – 1246 ई.	▪ नाममात्र का सुल्तान
6	नासिरुद्दीन महमूद	1246 ई. – 1266 ई.	▪ चालीसा का गुलाम ▪ गियासुद्दीन बलबन का दामाद ▪ नाममात्र का सुल्तान

#### बलबनी वंश ( 1206 ई. – 1210 ई. )

क्र.	शासक	शासनकाल	विशेष
1	गियासुद्दीन बलबन / बहाउद्दीन	1266 ई. – 1287 ई.	▪ चालीसा सरदार ▪ चालीसा का समापन
2	कैकुबाद	1287 ई. – 1290 ई.	▪ अंगरक्षक जलालुद्दीन खिलजी द्वारा हत्या
3	क्युमर्स	1290 ई.	▪ अंगरक्षक जलालुद्दीन खिलजी ने क्युमर्स की हत्या कर खिलजी वंश की स्थापना



## कुतुबी वंश ( 1206 ई. – 1210 ई. )

- संस्थापक - कुतुबुद्दीन ऐबक
- अंतिम शासक - आरामशाह
- राजधानी - लाहौर

### कुतुबुद्दीन ऐबक ( 1206 – 1210 ई. )

#### पारिवारिक परिचय

- पुत्र - आरामशाह
- पुत्री - शाहतुर्किन
- गुलाम व दामाद - इल्तुतमीश

#### घटनाक्रम



कुतुबुद्दीन ऐबक

वर्ष	स्थान	घटना
1206	लाहौर	<b>लाहौर का शासक</b> <ul style="list-style-type: none"><li>15 मार्च 1206 - मुहम्मद गोरी की मृत्यु के बाद लाहौर का शासन संभाला</li><li>25 जून 1206 - मुहम्मद गोरी की मृत्यु के 3 महीने बाद राज्याभिषेक करवाया</li></ul>
1206 - 08	लाहौर	<b>सिपहसलार व मलिक</b> <ul style="list-style-type: none"><li>सिपहसलार व मलिक के रूप में शासन किया।</li><li>कुतुबुद्दीन ऐबक ने कभी भी सुलतान की उपाधि धारण नहीं की।</li></ul>
1208	लाहौर	<b>स्वतंत्र शासक बना</b> <ul style="list-style-type: none"><li>मुहम्मद गोरी के भतीजे ( उत्तराधिकारी ) गियासुद्दीन महमूद से दास मुक्ति पत्र पाकर 1208 में स्वतंत्र शासक बना।</li></ul>
1210	लाहौर	<b>कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु</b> <ul style="list-style-type: none"><li>लाहौर में पोलो ( चौगान ) खेलते वक्त घोड़े से गिरने के कारण इसकी मृत्यु हो गयी।</li><li>कुतुबुद्दीन ऐबक का मकबरा - लाहौर</li></ul>

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## पारिवारिक सम्बन्ध की नीति

क्र.	शासक	सम्बन्ध
1	ताजुद्दीन याल्दौज ( गजनी शासक )	कुतुबुद्दीन ऐबक ने ताजुद्दीन याल्दौज की पुत्री से विवाह किया ।
2	नासिरुद्दीन कुबाचा ( मुल्तान शासक )	कुतुबुद्दीन ऐबक की बहन का विवाह
3	इल्तुतमीश ( गुलाम व दामाद )	कुतुबुद्दीन ऐबक की पुत्री का विवाह

## कुतुबुद्दीन ऐबक के स्थापत्य

### कुतुबमीनार ( दिल्ली )



कुतुबमीनार ( दिल्ली )

- शेख रूवाज़ा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में नीव डाली
- 5 मंजिमा भवन ( ऊंचाई - 72 मी. )
- कुतुबुद्दीन ऐबक - पहले मंजिला का निर्माण
- इल्तुतमिश - 4 मंजिल पूरा किया
- फ़िरोजशाह तुग़लक़ - चौथी मंजिल को हानि पहुंची थी जिसपर फ़िरोजशाह तुग़लक़ ने चौथी मंजिल के स्थान पर 2 और मंजिल बनवाया ।

### कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद ( दिल्ली )



कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद ( दिल्ली )



## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---

- **भारत का पहला मस्जिद**
- जैन मंदिर को तोड़कर
- 1192 - पृथ्वीराज चौहान से युद्ध विजय के बाद इसका निर्माण प्रारंभ हुआ।
- यह मस्जिद कुतुबमीनार के निकट ही स्थित है।

### अठ्ठाई दिन का झोपड़ा ( अजमेर )

- **विग्रहराज विसलदेव – IV** द्वारा निर्मित **संस्कृत महाविद्यालय** को तोड़कर
- यह एक मस्जिद है।



### आरामशाह ( 1210 ई. – 8 माह )

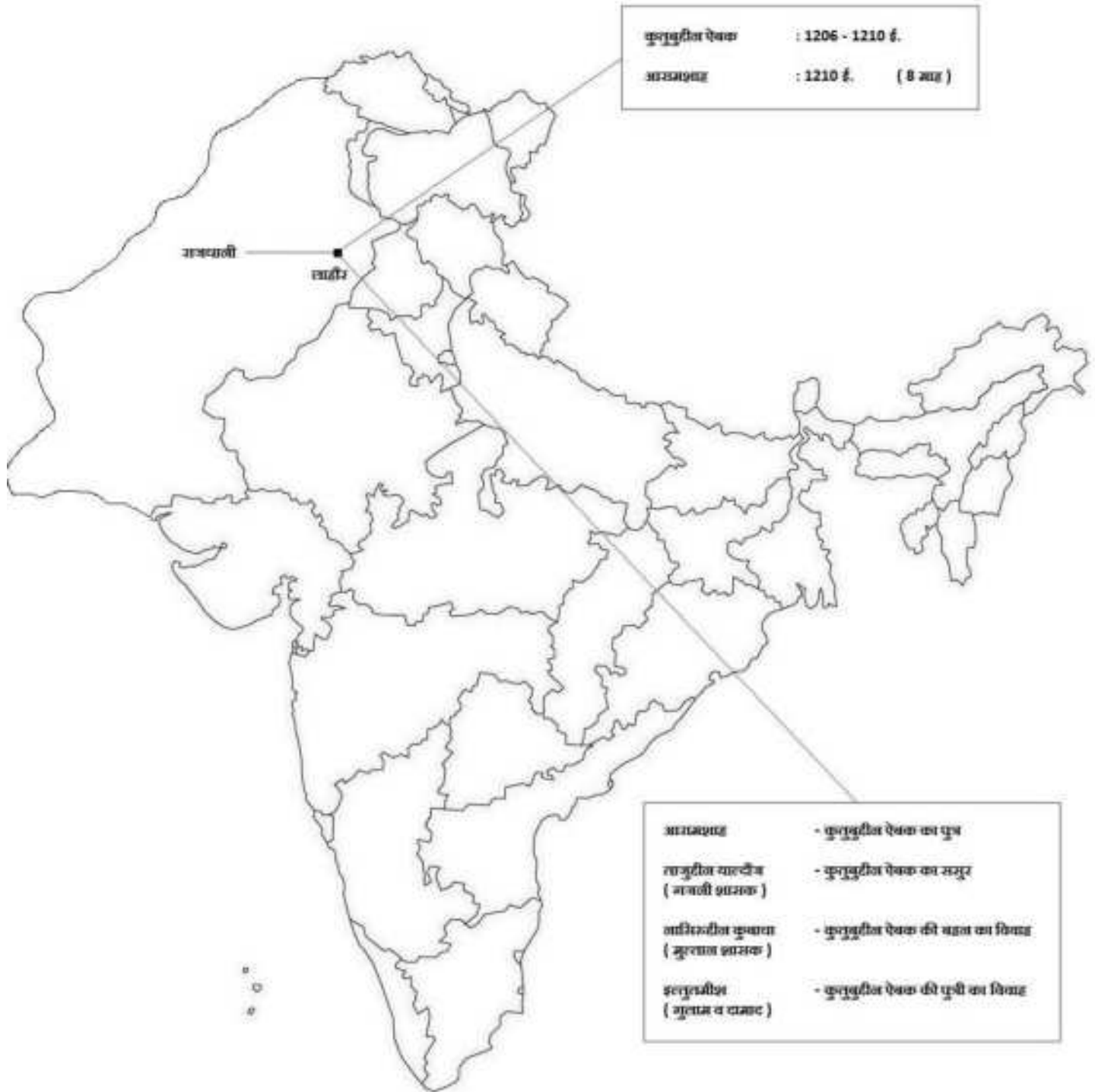
- कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद उनका पुत्र **आरामशाह लाहौर** का शासक बना।
- **इल्तुतमिश ( कुतुबुद्दीन ऐबक का दामाद )** ने आरामशाह को मारकर दिल्ली में एक नये वंश ( **शमशी वंश** ) की स्थापना की।



**आरामशाह**

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## कुतुबी वंश / मामलूक वंश ( 1206 - 1210 ई. )



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## कुतुबुद्दीन ऐबक ( 1206 - 1210 ई. )

कुतुबी वंश की राजधानी

1210 - कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु : चौकल ( पोलो )

कुतुबुद्दीन ऐबक का उत्तराधिकारी

आरामशाह

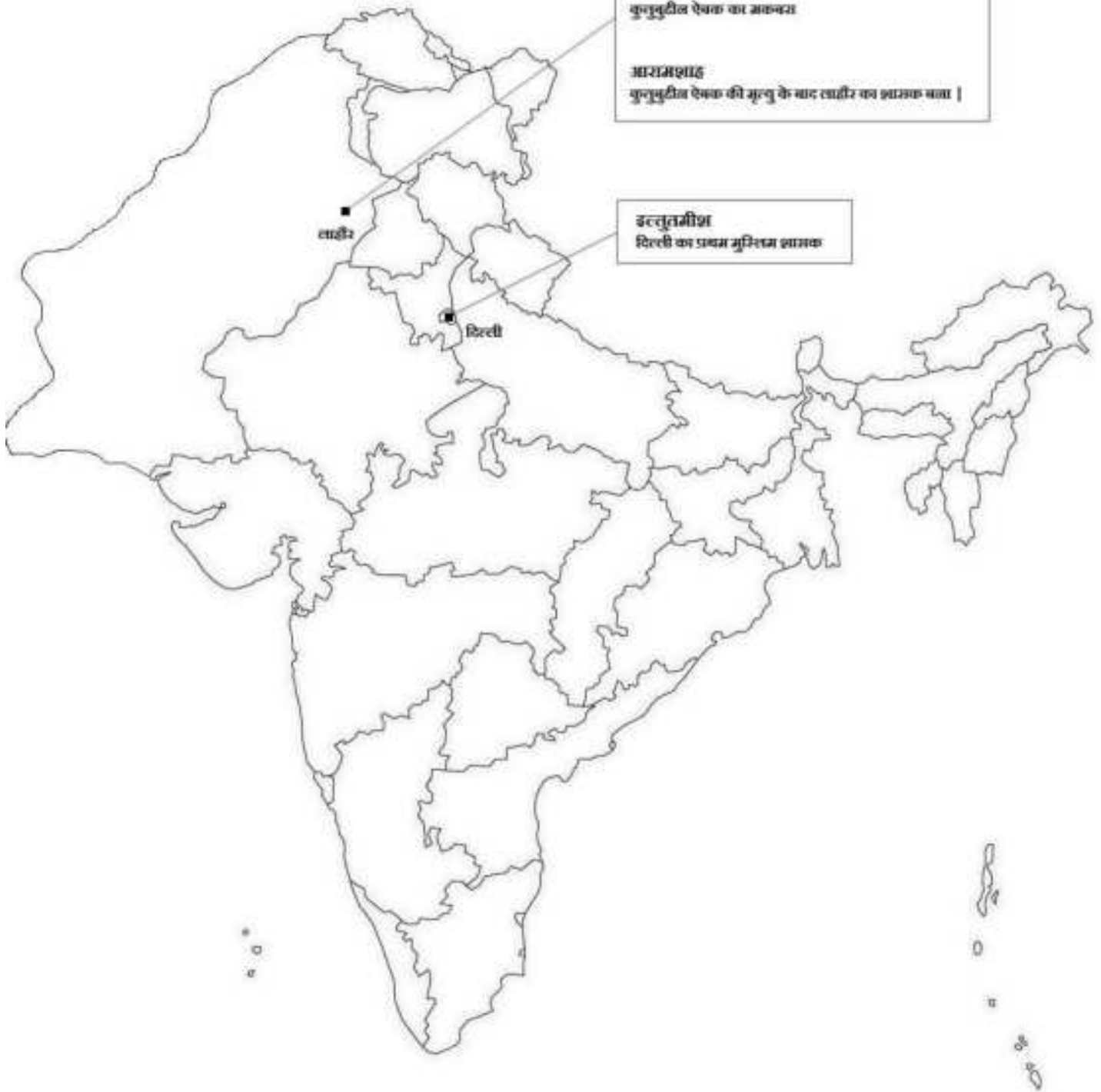
कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद लाहौर का शासक बना ।

इल्तुतमीश

दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक

लाहौर

दिल्ली



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## कुतुबुद्दीन ऐबक के स्थापत्य



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## कुतुबुद्दीन ऐबक के स्थापत्य



कुतुबमीनार

- शेरशह सूबा का कुतुबुद्दीन बकिरापुर का की स्मृति में खींचा
- 5 मंजिला भवन ( ऊँचाई - 72 मी. )
- कुतुबुद्दीन ऐबक - पहले मंजिला का निर्माण
- इल्तुतमिश - 4 मंजिल पूरा किया
- फिरोजशाह तुगलक - चौथी मंजिल को हर्षित पड़ोसी भी बिरापुर फिरोजशाह तुगलक ने चौथी मंजिल के स्थान पर 2 और मंजिल बनाया।



कुव्वात-उल-इस्लाम मस्जिद

- भारत का पहला मस्जिद
- गैल मंदिर को तोड़कर
- 1192 - फूलीराज चौहान ने बुट विजय के बाद इसका निर्माण प्रारंभ हुआ।
- यह मस्जिद कुतुबमीनार के विपक्ष में स्थित है।

अजमेर

दिल्ली

खई टिल का छोपड़ा



- विष्णुदेव विक्रमदेव - IV द्वारा निर्मित संस्कृत महाविद्यालय को तोड़कर
- यह एक मस्जिद है।

## शमशी वंश ( 1210 ई. – 1266 ई. )

- संस्थापक - इल्तुतमिश ( कुतुबुद्दीन ऐबक का दामाद )
- अंतिम शासक - नासिरुद्दीन महमूद
- राजधानी - दिल्ली ( दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक )

## शमसुद्दीन इल्तुतमिश ( 1210 – 1236 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- इल्तुतमीश का पिता - ईलाम खां ( इल्बरी जनजाति का सरदार )
- इल्तुतमीश का ससुर - कुतुबुद्दीन ऐबक
- इल्तुतमीश की पत्नी - शाहतुर्कान
- इल्तुतमीश के संतान
  1. नासिरुद्दीन महमूद : सुल्तानगढ़ी का मकबरा ( भारत का पहला मकबरा )
  2. रजिया सुल्तान : भारत की पहली महिला शासिका
  3. रुकुनुद्दीन फिरोजशाह : शाहतुर्कान का शासन
  4. कुतुबुद्दीन : शाहतुर्कान ने अंधा करके मरवा दिया
  5. मुइजुद्दीन बहरामशाह : रजिया सुल्तान तथा अल्तुनिया को मार दिया ।



शमसुद्दीन इल्तुतमिश

### महत्वपूर्ण तथ्य

- इल्तुतमीश का अर्थ - साम्राज्य का स्वामी
- तुर्क जनजाति - इल्बरी

### कुतुबुद्दीन ऐबक का गुलाम व दामाद

- कुतुबुद्दीन ऐबक ने इल्तुतमीश को खरीदने की इच्छा प्रकट की तो सुल्तान ने दासों के व्यापारी को आज्ञा दी कि वह इल्तुतमीश को दिल्ली लाये ।
- दिल्ली में ही कुतुबुद्दीन ऐबक ने इल्तुतमीश को अपने गुलाम के रूप में खरीदा ।

### घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1205	बदायूं	बदायूं का गवर्नर
12 फरवरी 1229	दिल्ली	सुल्तान ( स्वतंत्र सल्तनत ) इल्तुतमीश दिल्ली का प्रथम शासक था जिसने सुल्तान की उपाधि धारण कर स्वतंत्र सल्तनत स्थापित किया ।

## चालीसा ( चहलगांनी )

- 40 गुलामों ( अमीरों ) का एक दल ( चालीसा ) बनाया : इल्तुतमिश
- जिसमें इल्तुतमिश के गुलाम
  1. नासिरुद्दीन महमूद
  2. गियासुद्दीन बलबन
- चालीसा का दमन किया : गियासुद्दीन बलबन

## न्यायप्रिय शासक : इल्तुतमीश

- संगमरमर की 2 शेरों की मूर्तियाँ  
इल्तुतमीश एक न्याय प्रिय शासक था | इब्नबतूता के अनुसार उसने अपने महल मके सामने संगमरमर की 2 शेरों की मूर्तियाँ स्थापित कराया था जिनके गले में घंटियाँ लटकी हुई थी जिसको बजाकर कोई भी व्यक्ति न्याय मांग सकता था |
- लाल वस्त्र - इल्तुतमीश के शासनकाल में न्याय चाहने वाला व्यक्ति लाल वस्त्र धारण करता था |

## शम्सुद्दीन इल्तुतमीश के स्थापत्य

### सुल्तानगढ़ी का मकबरा ( दिल्ली )



सुल्तानगढ़ी का मकबरा ( दिल्ली )

- भारत का पहला मकबरा
- 1229 - इल्तुतमिश के पुत्र नासिरुद्दीन महमूद का मकबरा

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---

### मोईनुद्दीन चिश्ती दरगाह ( अजमेर शरीफ )



मोईनुद्दीन चिश्ती दरगाह ( अजमेर शरीफ )

- स्थान - अजमेर
- सूफी संत मोईनुद्दीन चिश्ती का मकबरा

### मदरसा - ए - मुइज्जी ( दिल्ली )

- स्मृति - मुहम्मद गोरी की स्मृति में



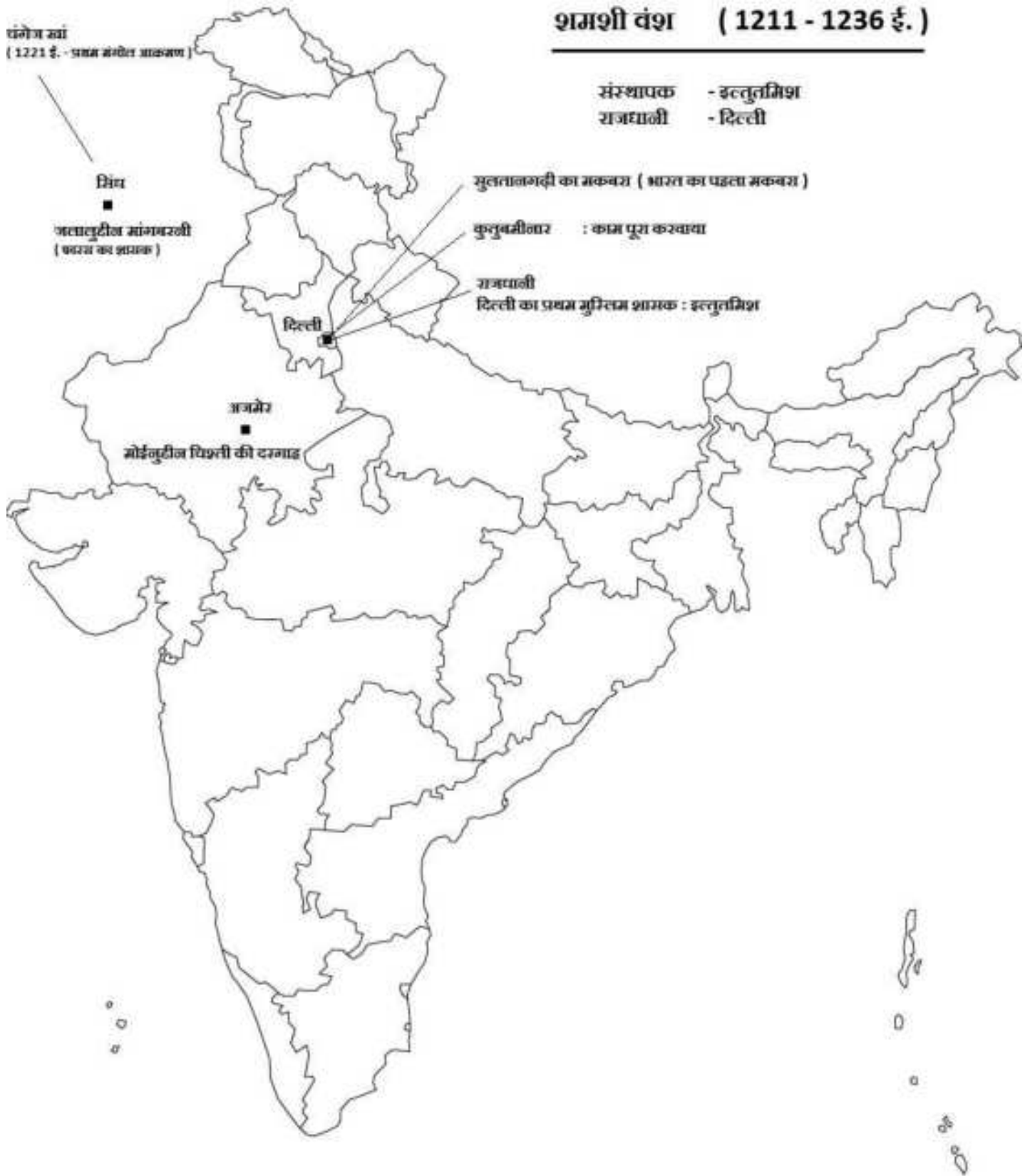
मदरसा - ए - मुइज्जी ( दिल्ली )



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## शमशी वंश ( 1211 - 1236 ई. )

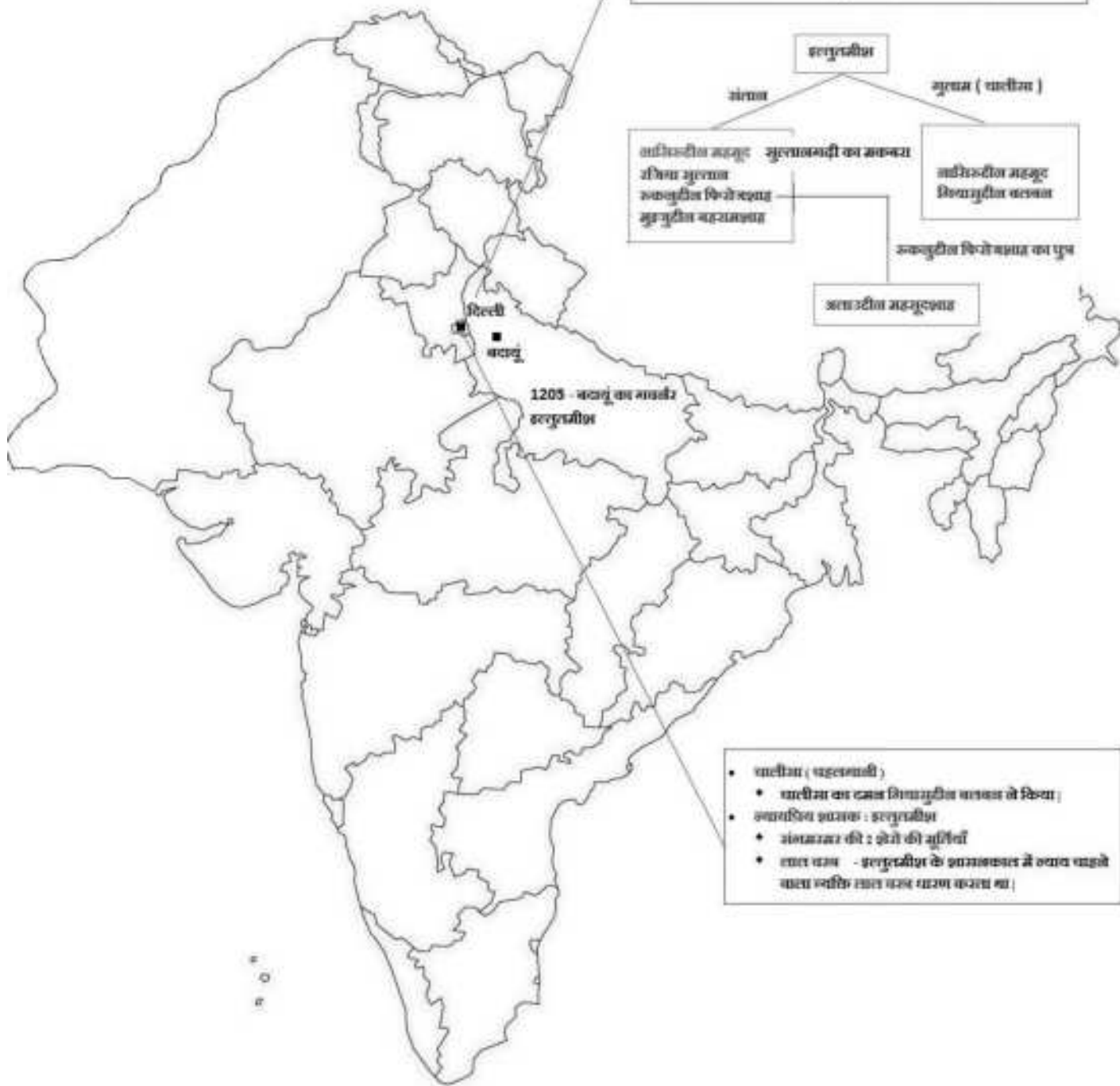
संस्थापक - इल्तुतमिश  
राजधानी - दिल्ली



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## शमसुद्दीन इल्तुतमिश ( 1211 - 1236 ई. )

- इल्तुतमीश का जन्म - सातगढ़ का उचासी
- तुर्क जलजति - इल्बरी
- पिता - ईलाज गंग ( इल्बरी जलजति का संस्थापक )
- कुल्लुबुटीन पैषक का मुलाजम व दासता
- 1205 - बदायूँ का सफलता
- 11 फरवरी 1219 - मुल्ताज ( स्वतंत्र सल्तनत )



- चालीस ( चालीसवाली )
- चालीस का टकल शिवामुटीन काजल ले किया
- लालीबुटीन शासक : इल्तुतमीश
- संताजमहदी की 2 पुत्री की सुविधा
- लाल चाल - इल्तुतमीश के शासनकाल में लाल चाल ले लिया जलजति लाल चाल काजल करता था

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## शमसुद्दीन इल्तुतमीश में स्थापत्य



मुल्तानगढ़ी का मकबरा

- भारत का पहला मकबरा
- 1229 - इल्तुतमीश के पुत्र अलमिश्वरीय जलमृत का कब्र



मदरग - ए - मुल्तानी

- उम्मीद - मुल्तान नदी की उम्मीद में

जयपुर



मोईलुटील विप्ली दग्गाह ( जयपुर शरीफ )

मुर्क़ी गंग मोईलुटील विप्ली का मकबरा

## रुकुनुदीन फिरोजशाह ( 1236 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - इल्तुतमीश
- माता - शाहतुर्किन

### महत्वपूर्ण तथ्य

- अप्रैल 1229 - इल्तुतमीश का बड़ा पुत्र नासिरुद्दीन महमूद ( लखनौती के शासक ) की अकाल मृत्यु हो गयी ।
- इल्तुतमीश ने अपनी मृत्यु के पूर्व अपना राज्य अपनी पुत्री रजिया सुल्तान को सौंपने की इच्छा व्यक्त की थी ।



### शाहतुर्किन का षड्यंत्र

- शाहतुर्किन ने तुर्क अमीरों के साथ मिलकर **रुकुनुदीन फिरोजशाह** को शासक बनाया ।
- रुकुनुदीन फिरोजशाह एक दुर्बल और अयोग्य शासक था ।
- वास्तविक शासन **शाहतुर्किन** के हाथों में चला गया । वह एक क्रूर महिला थी ।
- इल्तुतमीश के छोटे पुत्र **कुतुबुद्दीन** को अंधा करवाकर उसकी हत्या करवा दी ।
- प्रशासन पर नियंत्रण ढीला पड़ गया । जनता पर अत्याचार होने लगे । रुकुनुदीन फिरोजशाह भोग – विलास में डूबा था ।

### रजिया सुल्तान का न्याय की मांग

- रजिया सुल्तान **ताल वस्त्र** ( न्याय की मांग का प्रतीक ) धारण कर नमाज के अवसर पर जनता के सम्मुख उपस्थित हुई ।
- उसने शाहतुर्किन के अत्याचारों का वर्णन किया तथा आश्वासन दिया कि शासक बनकर वह शांति व सुव्यवस्था स्थापित करेगी ।
- रजिया से तुर्क अमीर और अन्य व्यक्ति प्रभावित हो उठे ।
- क्रुद्ध जनता ने राजमहल पर आक्रमण कर शाहतुर्किन और रुकुनुदीन फिरोजशाह को गिरफ्तार कर उन्हें मार दिया । और रजिया को सुल्तान घोषित कर दिया ।

## रजिया सुल्तान ( 1236 – 1240 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - इल्तुतमीश
- माता - शाहतुर्किन
- प्रेमी - जलालुद्दीन याकुत ( अबीसिनिया निवासी एक गुलाम )
- पति - अल्तुनिया ( भटिंडा का गवर्नर )

### महत्वपूर्ण तथ्य

- नवम्बर 1236 - सुल्तान के पद पर प्रतिष्ठित हुई |
- भारत की पहली महिला शासिका
- रजिया सुल्तान प्रथम व अंतिम मुस्लिम महिला शासक थी |



रजिया सुल्तान

### वेशभूषा

- रजिया सुल्तान ने सैनिक वेशभूषा धारण किया |
- पुरुष वेशभूषा कुबा ( कोट ) तथा कुलाहा ( टोपी ) पहनकर दरबार में बैठती थी |

### रजिया बेगम को पद से हटाया

- तुर्क सरदारों ने भटिंडा के गवर्नर अल्तुनिया के नेतृत्व में जलालुद्दीन याकुत को मार दिया और रजिया सुल्तान को पद से हटाया |
- गियासुद्दीन बलबन ( चालीसा ) ने भी तुर्क सरदारों का साथ दिया |
- रजिया ने कूटनीतिक दृष्टिकोण से अल्तुनिया से विवाह कर लिया |

### रजिया सुल्तान की हत्या ( 13 अक्टूबर 1240 )

- हत्या की तिथि - 13 अक्टूबर 1240
- हत्या का स्थान - कैथल
- हत्या हुई - रजिया सुल्तान तथा अल्तुनिया
- हत्यारा - मुइजुद्दीन बहरामशाह ( रजिया सुल्तान के भाई )
- कारण - सत्ता को हथियाना

रजिया सुल्तान के भाई मुइजुद्दीन बहरामशाह ने रजिया सुल्तान तथा अल्तुनिया की भटिंडा से दिल्ली आते समय कैथल नामक स्थान पर हत्या कर दी और सत्ता हथिया लिया |

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## रजिया सुल्तान ( 1236 – 1240 ई. )

- जनम 1236 - सुल्तान के पद पर प्रतिष्ठित हुई।
- भारत की पहली महिला शासिका
- रजिया सुल्तान प्रथम व अंतिम मुस्लिम महिला शासक थी।



रजिया सुल्तान ( 1236 – 1240 ई. )

### संबंध

- रजिया सुल्तान - इल्तुतमिश की बेटी
- रजिया सुल्तान का पति - जलालुद्दीन याकुब ( अफीगनिया सिक्खी एक मुल्क )
- रजिया सुल्तान का पति - अल्तुनिया ( अरिफ का मन्त्री )

### रजिया सुल्तान का वैश्वभूष

- रजिया सुल्तान ने गैलिक वैश्वभूष धारण किया।
- पुरुष वैश्वभूष कुन्दा ( कौट ) तथा कुत्ता ( टोपी ) पहनकर दरबार में बैठती थी।

### रजिया वैश्वभूष को पद से हटाया

- तुर्क सरदारों ने अरिफ के मन्त्री अल्तुनिया के लेख में जलालुद्दीन याकुब को मार दिया और रजिया सुल्तान को पद से हटाया।
- जलालुद्दीन नलम ( पालीया ) ने भी तुर्क सरदारों का मार दिया।
- रजिया ने कूटनीतिक दृष्टिकोण से अल्तुनिया से विवाह कर लिया।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## रजिया सुल्तान ( 1236 - 1240 ई. )

### रजिया सुल्तान की हत्या ( 13 अक्टूबर 1240 )

- हत्या हुई - रजिया सुल्तान तथा अलतुजिया
- हत्यास - मुहम्मदीन बहगजामाह ( रजिया सुल्तान के भाई )
- कारण - सत्ता को हथियाला

रजिया सुल्तान के भाई मुहम्मदीन बहगजामाह ने रजिया सुल्तान तथा अलतुजिया की मदद से दिल्ली आये सऊय कैलाश लज्जक 2 साल पर हत्या कर दी और सत्ता हथिया लिया।



### मुइजुद्दीन बहरामशाह ( 1240 – 1242 ई. )

#### पारिवारिक परिचय

- पिता - इल्तुतमीश ( इल्तुतमिश का छोटा बेटा )
- माता - शाहतुर्किन
- बहन - रजिया सुल्तान

#### महत्वपूर्ण तथ्य

- नाममात्र का सुल्तान  
राज्य के वास्तविक शक्ति का संचालन चालीसा ( चालीस गुलामों का दल )  
ही करता था |
- 1241 - लाहौर पर मंगोल आक्रमण
- 13 मई 1242 - मंगोलों ने मुइजुद्दीन बहरामशाह की हत्या कर दिया |



मुइजुद्दीन बहरामशाह



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## मुहजुदीन बहसमशाह ( 1240 – 1242 ई. )

ताजमशाह का सुल्तान

राज्य के सामरिक शक्ति का संघटन घालीला ( घालील मुलानों का दल ) डी करला बा।



मुहजुदीन बहसमशाह ( 1240 – 1242 ई. )

संघटन

- इलतुतमिश का लोटा केला
- रजिवा मुलान का भाई

13 मई 1242 - संघटनों ले मुहजुदीन बहसमशाह की हल्ला कर रिया।

लखनौ

1241 - संघटन आक्रमण

दिल्ली

## अलाउद्दीन मसूदशाह ( 1242 – 1246 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - रुकुनुद्दीन फिरोजशाह
- इल्तुतमिश का पोता

### महत्वपूर्ण तथ्य

- नाममात्र का सुल्तान  
राज्य के वास्तविक शक्ति का संचालन चालीसा का प्रमुख ग्यासिद्दीन बलबन ही करता था |
- 1245 - उच्छ पर मंगोल आक्रमण  
ग्यासिद्दीन बलबन ने मंगोलों को हराया |



अलाउद्दीन मसूदशाह

### ग्यासिद्दीन बलबन का षड़यंत्र ( 10 जून 1246 )

- 10 जून 1246 - ग्यासिद्दीन बलबन ने अलाउद्दीन मसूदशाह को कैद कर लिया | कैदखाने में ही उसकी मृत्यु हो गयी |

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## अलाउद्दीन मसूदशाह ( 1242 – 1246 ई. )

लाजपत का मुल्तान  
राज्य के वास्तविक शासक का संघातन चारों ओर प्रमुख स्वायत्त बलबल ही करता था।



अलाउद्दीन मसूदशाह ( 1242 – 1246 ई. )

### संघर्ष

- अफगुनीय फिरोजशाह का वेदा
- इल्तुतमिश का पोरा

स्वायत्त बलबल का पदचर ( 10 जून 1246 )  
मसूदशाह ने अलाउद्दीन मसूदशाह को कैद कर लिया।  
कैदशाले में ही उसकी मृत्यु हो गयी।

उपरा

1245 - जंगल लाजपत  
स्वायत्त बलबल ने जंगलों को हराया।

दिल्ली

## नासिरुद्दीन महमूद ( 1246 – 1266 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- इल्तुतमिश का गुलाम ( चालीसा )
- गियासुद्दीन बलबन का दामाद

### महत्वपूर्ण तथ्य

- 10 जून 1246 - तुर्क अमीरों ( गुलामों ) द्वारा सुल्तान का पद धारण किया |
- नाममात्र का सुल्तान  
नासिरुद्दीन महमूद ने सारी सत्ता चालीसा के सरगना गियासुद्दीन बलबन के हाथों में सौंप दिया | वह नाममात्र का ही शासक बनकर संतुष्ट हो गया |  
नासिरुद्दीन महमूद ने गियासुद्दीन बलबन के ही षड़यंत्र और सहयोग से सत्ता प्राप्त किया था |
- 1249 - गियासुद्दीन बलबन से अपनी पुत्री का विवाह नासिरुद्दीन महमूद से कर उसे उलुग खां की उपाधि दिया |
- 1266 - नासिरुद्दीन महमूद की अचानक मृत्यु के बाद गियासुद्दीन बलबन ने बलबनी वंश की स्थापना कर सुल्तान बना |



नासिरुद्दीन महमूद

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## नासिरुद्दीन महमूद ( 1246 – 1266 ई. )

### लालमजरा का मुल्तवाल

लालमजरी का मुल्तवाल ने लाली मला चालीस के समान गयामुली बलबल के हारों में जीव दिया। वह लालमजरा का ही शरावक बनकर संतुष्ट हो गया। लालमजरी का मुल्तवाल ने गयामुली बलबल के ही चढ़ाव और गढ़वोन से मला प्रका किया था।



लालमजरी का मुल्तवाल ( 1246 – 1266 ई. )

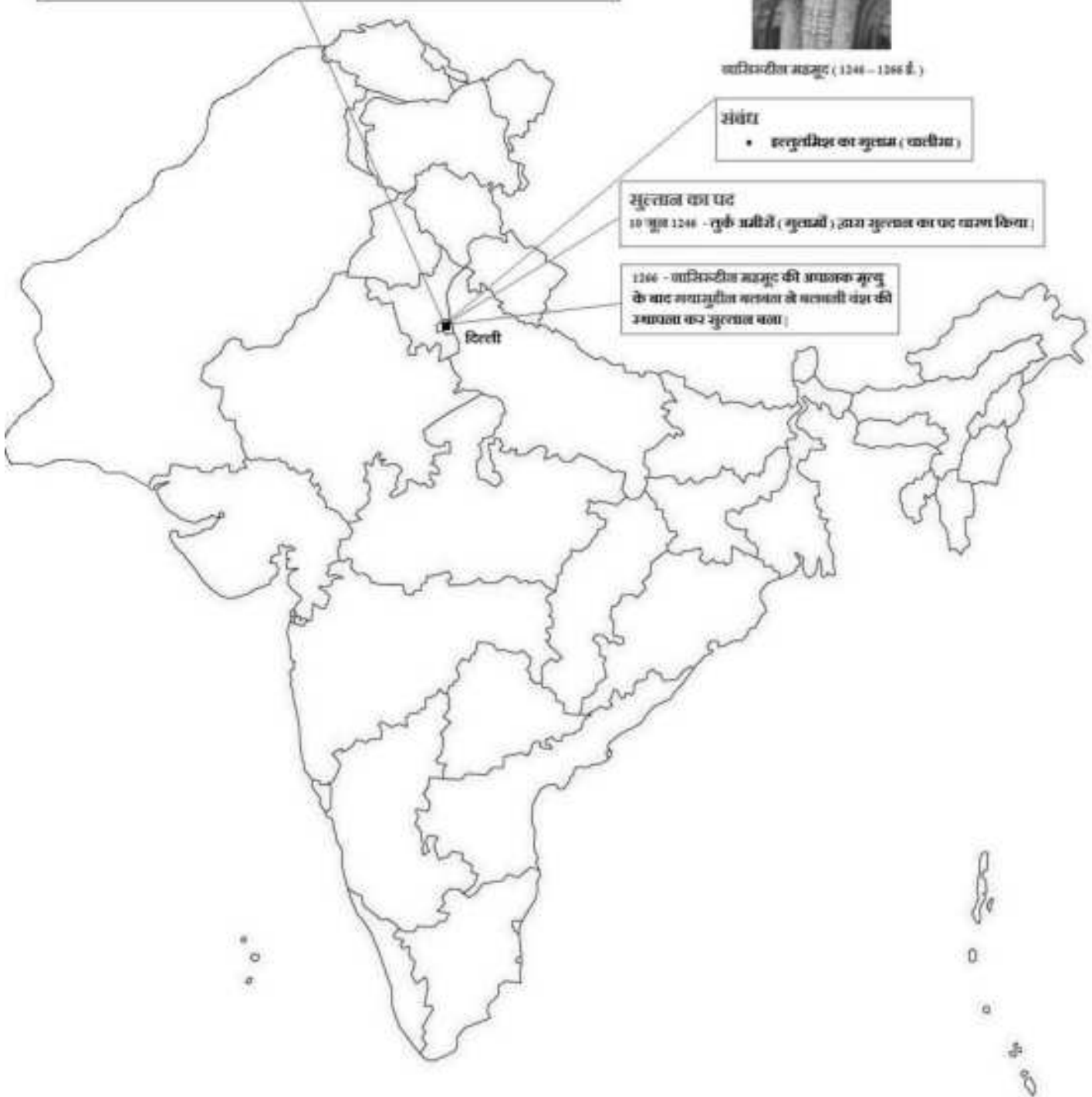
### संस्था

- इल्तुतमिश का मुल्तवाल ( चालीस )

### मुल्तवाल का पद

10 मूल 1246 - लुई अमीर ( मुल्तवाल ) का मुल्तवाल का पद चालीस किया।

1266 - लालमजरी का मुल्तवाल की अचलक मूल्य के बाद गयामुली बलबल से लालमजरी वंश की उभापला कर मुल्तवाल बना।



## बलबनी वंश ( 1206 ई. – 1210 ई. )

- संस्थापक - गियासुद्दीन बलबन ( इल्तुतमीश का गुलाम )
- अंतिम शासक - क्युमर्स
- राजधानी - दिल्ली

## गियासुद्दीन बलबन / बहाउद्दीन ( 1266 – 1287 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- इल्तुतमीश का गुलाम ( चालीसा )
- नासिरुद्दीन का ससुर
- गियासुद्दीन बलबन के पुत्र
  1. मुहम्मद : मुहम्मद का पुत्र - कैकुबाद
  2. बुगरा खां : बुगरा खां का पुत्र - कैकुबाद : कैकुबाद का पुत्र - क्युमर्स

### चालीसा

- 1233 - गियासुद्दीन बलबन से प्रभावित होकर इल्तुतमीश ने उसे ख्वाजा जलालुद्दीन से खरीदा और अपने गुलामों के दल ( चालीसा ) में शामिल कर लिया।



गियासुद्दीन बलबन

### महत्वपूर्ण तथ्य

- मूल नाम - बहाउद्दीन
- तुर्क जनजाति - इल्बरी
- फिरदौसी - शाहनामा : अफराशियाब वंश  
फिरदौसी के शाहनामा में अफराशियाब वंश का बताया गया है।
- 1285 - जरताल : मंगोल आक्रमण - मुहम्मद की मंगोल आक्रमण में मृत्यु
- 1287 - अपने बड़े बेटे मुहम्मद की मंगोल आक्रमण में मृत्यु के बाद शोक में मृत्यु हो गयी।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---

बलबनी वंश ( 1266 – 1290 ई. )



मयासुदीन बलबान ( इल्तुतमीश का मुल्ताज )



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## मयासुदीन बलबन / बहाउद्दीन ( 1266 – 1287 ई. )

### चालीसा

- 1193 - मयासुदीन बलबन ने प्रभावित होकर इल्तुतमिश से उसे खाना अलाउद्दीन से खरीदा और अपने गुलामों के साथ ( चालीसा ) में शामिल कर दिया।

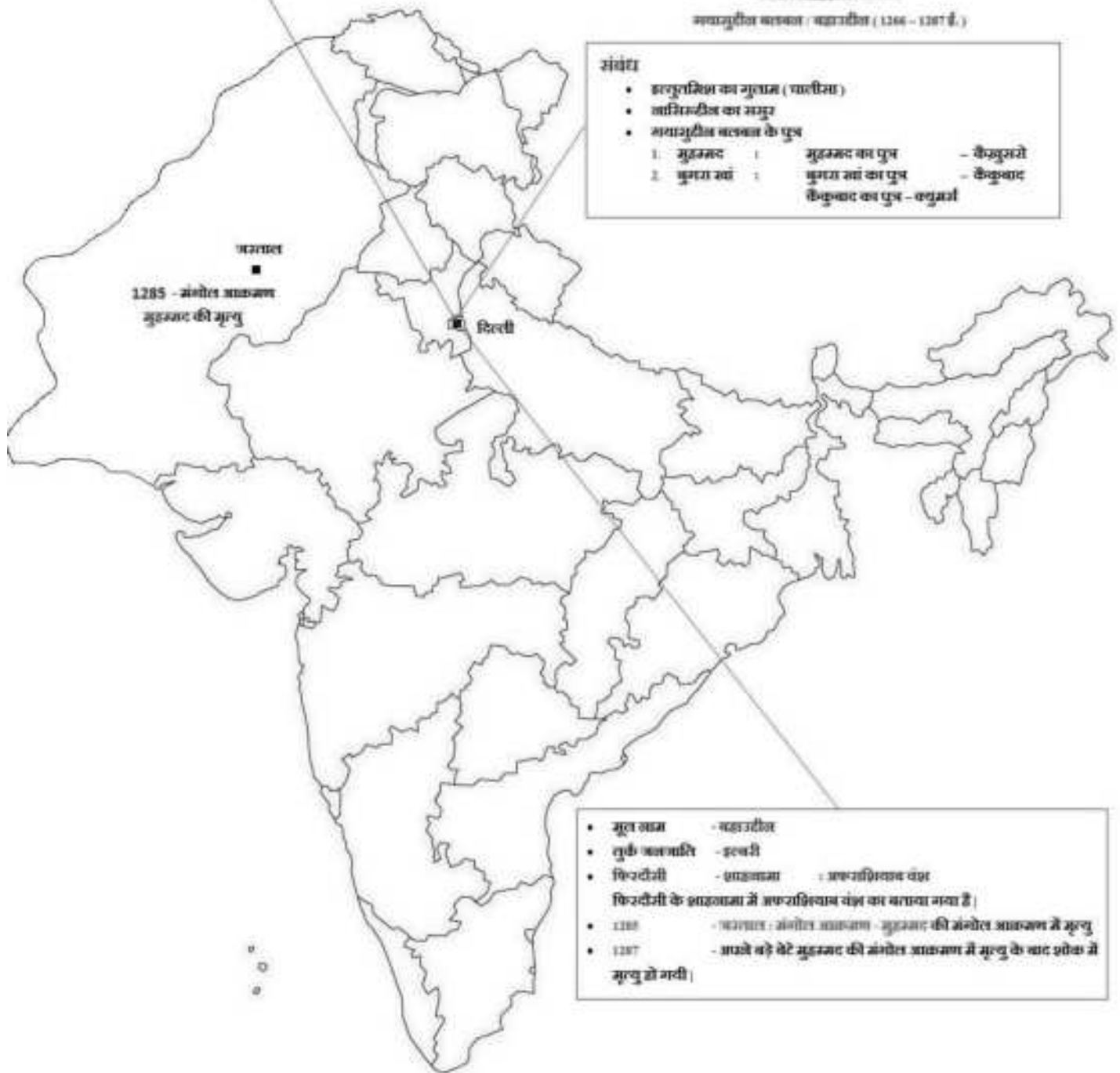


मयासुदीन बलबन / बहाउद्दीन ( 1266 – 1287 ई. )

### संघर्ष

- इल्तुतमिश का गुलाम ( चालीसा )
- लाहिमदीन का समुद्र
- मयासुदीन बलबन के पुत्र
 

1. मुहम्मद :	मुहम्मद का पुत्र	- कैकूबाद
2. कुतुब खां :	कुतुब खां का पुत्र	- कैकूबाद
	कैकूबाद का पुत्र	- कुतुब



जयपाल  
1285 - जंगल आक्रमण  
मुहम्मद की मृत्यु

दिल्ली

- मूल नाम - बहाउद्दीन
- तुर्क आक्रमण - इल्तुमी
- फिरदीनी - इल्तुमी : अफगानिस्तान वंश  
फिरदीनी के इल्तुमी में अफगानिस्तान वंश का बताया गया है।
- 1288 - जयपाल : जंगल आक्रमण - मुहम्मद की जंगल आक्रमण में मृत्यु
- 1287 - अपने बड़े बेटे मुहम्मद की जंगल आक्रमण में मृत्यु के बाद शोक में मृत्यु हो गयी।



### कैकुबाद ( 1287 – 1290 ई. )

#### पारिवारिक परिचय

- गियासुद्दीन बलबन का पुत्र - बुगरा खां
- बुगरा खां का पुत्र - कैकुबाद
- कैकुबाद का पुत्र - वयुमर्स
- कैकुबाद का अंगरक्षक - जलालुद्दीन खिलजी

#### महत्वपूर्ण तथ्य

- गियासुद्दीन बलबन की मृत्यु के बाद उसका पोता कैकुबाद को दिल्ली के कोतवाल **मालिक फखरुद्दीन** ने उसे सुल्तान बनाया।
- **जलालुद्दीन खिलजी** ने कैकुबाद की हत्या कर उसे यमुना नदी में फेंक दिया।



कैकुबाद

### वयुमर्स ( 1290 ई. )

- जन-प्रतिरोध के कारण जलालुद्दीन खिलजी ने वयुमर्स को सुल्तान बना दिया।
- 3 माह पश्चात जलालुद्दीन खिलजी ने वयुमर्स की हत्या कर खिलजी वंश की स्थापना किया।



वयुमर्स

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## कैकुबाद ( 1287 - 1290 ई. )

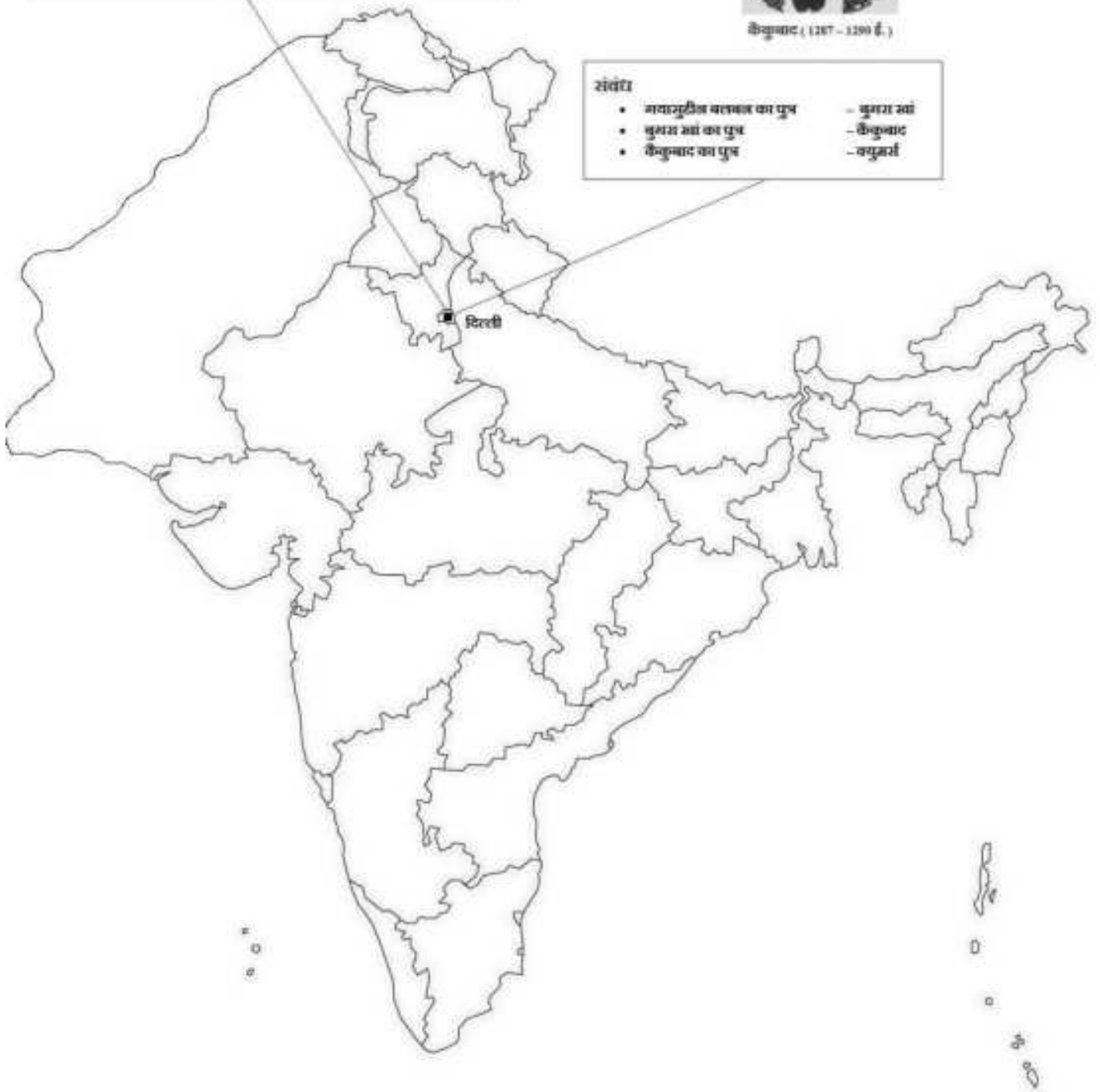
- गयागुटील बलबल की मृत्यु के बाद उसका पौता कैकुबाद को दिल्ली के कोतवाल मलिक फजलगुटील ने उसे मूलभूत बताया।
- अंगरक्षक - अलाउद्दीन खिलजी
- अलाउद्दीन खिलजी ने कैकुबाद की हत्या कर उसे यमुना नदी में फेंक दिया।



कैकुबाद ( 1287 - 1290 ई. )

### संबंध

- गयागुटील बलबल का पुत्र - कुमाय खां
- कुमाय खां का पुत्र - कैकुबाद
- कैकुबाद का पुत्र - खयसूर



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

चयुजर्ग ( 1290 ई. )



चयुजर्ग ( 1290 ई. )

- अल-उस्मिनीय के कारण जलालुद्दीन खिलजी से चयुजर्ग को मुल्तान बना दिया।
- 3 माह पश्चात जलालुद्दीन खिलजी से चयुजर्ग की हत्या कर खिलजी वंश की समाप्ति किये।



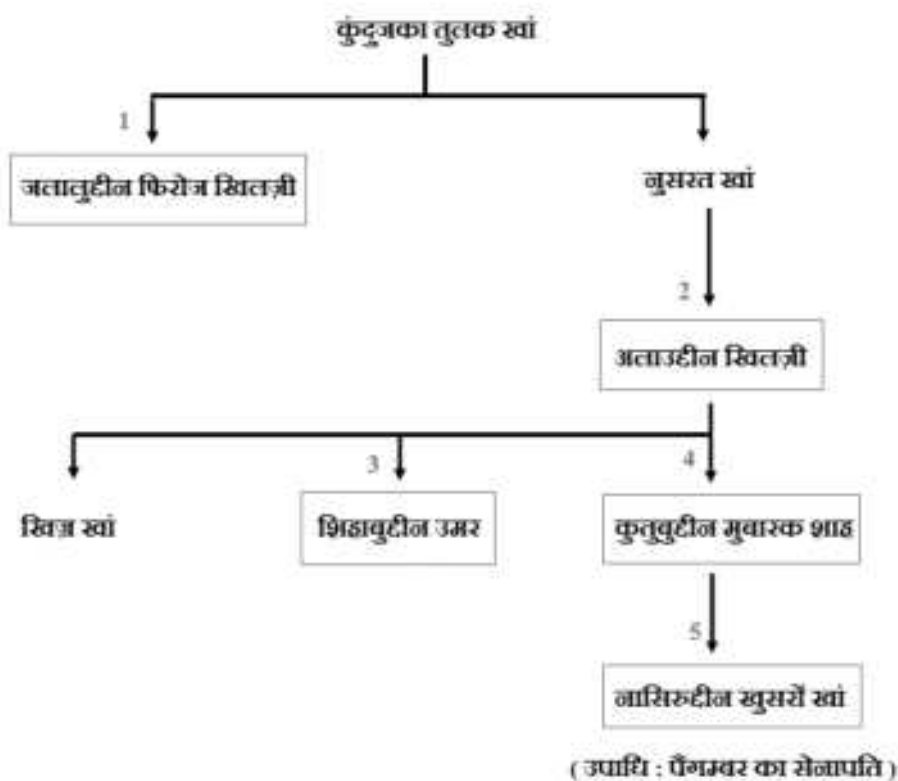
## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### खिलजी वंश ( 1290 ई. – 1320 ई. )

- दिल्ली सल्तनत में सबसे कम समय तक शासन करने वाला वंश ( 30 वर्ष )
- दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक विशाल साम्राज्य वाला वंश ( दक्षिण भारत तक )
- संस्थापक - जलालुद्दीन फिरोज खिलजी
- अंतिम शासक - नासिरुद्दीन खुसरौ खां

क्र.	शासक	शासनकाल	विशेष
1	जलालुद्दीन फिरोज खिलजी	1290 ई. – 1296 ई.	<ul style="list-style-type: none"><li>▪ कैकुबाद व क्युमर्स की हत्या कर शासक बना  </li><li>▪ दिल्ली सल्तनत का सबसे वृद्ध शासक ( 70 वर्ष )</li><li>▪ हिन्दू जनता के प्रति उदार दृष्टिकोण रखने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक</li></ul>
2	अलाउद्दीन खिलजी	1296 ई. – 1316 ई.	<ul style="list-style-type: none"><li>▪ विश्वविजय का स्वप्न</li><li>▪ द्वितीय सिकंदर ( सिकंदर – ए – शाही )</li><li>▪ अलाउद्दीन खिलजी अनपढ़ था  </li></ul>
3	शहाबुद्दीन उमर	1316 ई.	
4	कुतुबुद्दीन मुबारकशाह	1316 ई. – 1320 ई.	
5	नासिरुद्दीन खुसरौ खां	1320 ई.	<ul style="list-style-type: none"><li>▪ नासिरुद्दीन खुसरौ खां की हत्या कर गियासुद्दीन तुगलक ने तुगलक वंश की स्थापना किया  </li></ul>

### खिलजी वंश ( 1290 ई. – 1320 ई. )



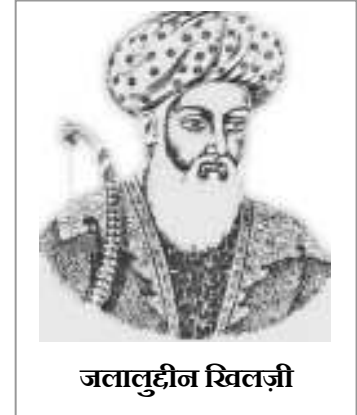
### जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ( 1290 ई. – 1296 ई. )

#### पारिवारिक परिचय

- पुत्र - कुंदुजका तुलक खां
- भतीजा व दामाद - अलाउद्दीन खिलजी

#### महत्वपूर्ण तथ्य

- दिल्ली सल्तनत का सबसे वृद्ध शासक : जलालुद्दीन खिलजी ( 70 वर्ष )
- हिन्दू जनता के प्रति उदार दृष्टिकोण रखने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक



तथ्य	विवरण
सैनिक	गियासुद्दीन बलबन ने सैनिक के रूप में नियुक्त किया था।
शाइस्ता खां	कैकुबाद ने जलालुद्दीन खिलजी को शाइस्ता खां की उपाधि से नवाज़ा।

#### घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
13 जून 1290	दिल्ली	कैकुबाद द्वारा निर्मित किलाखोरी ( कुलानढ़ी ) महल में राज्याभिषेक करवाया।
19 जुलाई 1296	दिल्ली	अलाउद्दीन खिलजी ने अपने चाचा जलालुद्दीन खिलजी की हत्या कर शासक बना।

### अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )

#### पारिवारिक परिचय

- पिता - मसूद
- चाचा व पालक - जलालुद्दीन खिलजी
- पुत्र - शिहाबुद्दीन उमर + कुतुबुद्दीन मुबारक शाह

#### महत्वपूर्ण तथ्य

- अलाउद्दीन खिलजी के पिता मसूद की अकाल मृत्यु हो जाने के उपरान्त चाचा जलालुद्दीन खिलजी ही उनके संरक्षक थे।
- अलाउद्दीन खिलजी अनपढ़ था।
- अलाउद्दीन खिलजी की प्रतिभा से प्रभावित होकर जलालुद्दीन खिलजी ने अपनी पुत्री का विवाह उससे किया।



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1294	देवगिरी	<b>देवगिरी अभियान</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>शासक - रामचंद्र देव</li> <li>सेनापति - अलाउद्दीन खिलजी</li> <li>सुल्तान - जलालुद्दीन खिलजी</li> <li>परिणाम - अपार धन लूट</li> </ul>
19 जुलाई 1296	दिल्ली	अलाउद्दीन खिलजी ने अपने चाचा जलालुद्दीन खिलजी की हत्या कर शासक बना।
21 अक्टूबर 1296	लाल महल (दिल्ली)	अलाउद्दीन खिलजी ने गियासुद्दीन बलबन द्वारा निर्मित <b>लाल महल</b> में अपना राज्याभिषेक करवाया।
4 जनवरी 1316	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"> <li>अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु</li> <li>मकबरा - जामा मस्जिद (दिल्ली)</li> </ul>

## मलिक काफूर (हजार दीनारी)

- वास्तविक नाम - नुसरत खां
  - प्रचलित नाम - मलिक काफूर (अलाउद्दीन खिलजी द्वारा)
  - उपनाम - हजार दीनारी
- गुजरात अभियान के दौरान अलाउद्दीन खिलजी ने मलिक काफूर को **1000 स्वर्ण दीनारों** में खरीदा था।  
इसलिए वह **हजार दीनारी** के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
- गुजरात अभियान - खम्भात बंदरगाह के आक्रमण के दौरान
  - अलाउद्दीन खिलजी का दक्षिण भारत अभियान का सेनापति
  - देवगिरी (1307) - मलिक काफूर का प्रथम आक्रमण



मलिक काफूर

## अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति

क्र.	अभियान	सेनापति
1	उत्तर भारत	उलूग खां + नुसरत खां आइनुलमुल्क मुल्तानी कमालुद्दीन कुर्ग
2	दक्षिण भारत	मलिक काफूर
3	मंगोल आक्रमण	गियासुद्दीन तुगलक

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### अलाउद्दीन खिलजी का उत्तर भारत का अभियान

क्र.	वर्ष	अभियान	शासक	खिलजी नेतृत्व
1	1298	गुजरात ( अहमदाबाद )	कर्णदेव + कमलादेवी ( पत्नी )	उलूग खां + नुसरत खां
2	1299	जैसलमेर	दूदा + तिलक सिंह	
3	1301	रणथम्भौर	हम्मीरदेव ( चौहान वंश )	
4	1303	मेवाड़ ( चित्तौड़ )	रत्नदेव + पद्मावती ( पत्नी )	अलाउद्दीन खिलजी
5	1305	मालवा	महलकदेव	आइनुलमुल्क मुल्तानी
6	1308	सिवाना	शीतलदेव ( परमार वंश )	कमालुद्दीन कुर्ग
7	1311	जातौर	कृष्णदेव ( कान्हदेव )	

### अलाउद्दीन खिलजी का दक्षिण भारत का अभियान

क्र.	वर्ष	अभियान	शासक	खिलजी नेतृत्व
1	1296	देवगिरी	रामचंद्रदेव ( यादव वंश )	अलाउद्दीन खिलजी
2	1307	देवगिरी	रामचंद्रदेव	मलिक काफूर
3	1309	तेलंगाना ( वारंगल )	प्रताप रूद्र देव II ( काकतीय वंश )	
4	1310	द्वारसमुद्र	वीर बल्लाल III ( होयसल वंश )	
5	1311	पाण्ड्य ( मदुरै )	वीर पाण्ड्य	
6	1313	देवगिरी	शंकरदेव ( सिंहण III )	

### गुजरात अभियान ( 1298 )

- सेनापति - उलूग खां + नुसरत खां
- शासक - कर्णदेव + कमलादेवी ( पत्नी )
- परिणाम - कमलादेवी से विवाह किया |
- मलिक काफूर ( हजार दीनारी )

गुजरात अभियान के दौरान नुसरत खां ने मलिक काफूर को 1000 स्वर्ण दीनारों में खरीदा था इसलिए वह हजार दीनारी के नाम से प्रसिद्ध हुआ |

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## रणथम्भौर अभियान ( 1301 )

- सेनापति - उलूग खां + नुसरत खां
- शासक - हमीरदेव ( चौहान वंश )
- कारण - रणथम्भौर जीतना इसलिए जरूरी था, क्योंकि बिना रणथम्भौर जीते पुरे राजस्थान पर अधिकार नहीं किया जा सकता था |
- परिणाम - हमीरदेव ने पराजित किया तथा उलूग खां मारा गया | बाद में स्वयं अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर पर आक्रमण कर जीता |

## चित्तौड़ अभियान ( 1303 )

- नेतृत्व - अलाउद्दीन खिलजी
- शासक - रत्नदेव + पद्मावती ( पत्नी )
- कारण - पद्मावती को प्राप्त करना
- वर्णन - पद्मावत : मलिक मोहम्मद जायसी
- जौहर प्रथा  
रत्नदेव की हार व मृत्यु की खबर सुनकर पद्मावती ने जौहर प्रथा का अनुसरण कर स्वयं को अग्निकुण्ड में डाल दिया |
- खिज्रबाद - चित्तौड़ को जीतकर उसका नाम अपने पुत्र खिज्र खां के नाम पर खिज्रबाद रखा |
- स्वजाइन - उल - फ़तह
  - लेखक - अमीर खुसरो
  - वर्णन - चित्तौड़ विजय



पद्मावती

## तैलंगाना अभियान ( 1309 )

- राजधानी - वारंगल
- शासक - प्रताप रुद्र देव II ( काकतीय वंश )
- नेतृत्व - मलिक काफूर
- आत्मसमर्पण  
प्रताप रुद्र देव II ने मलिक काफूर से बिना युद्ध किये स्वयं की सोने की मूर्ति बनवाकर उसमें सोने की जंजीर पहनाकर भेंट कर आत्मसमर्पण किया |
- कोहिनूर का हीरा - प्रताप रुद्र देव II ने मलिक काफूर को कोहिनूर का हीरा भेंट दिया |  
प्रताप रुद्र देव II ने मलिक काफूर से बिना युद्ध किये स्वयं की सोने की मूर्ति बनवाकर उसमें सोने की जंजीर पहनाकर भेंट कर आत्मसमर्पण किया |
- काकतीय वंश - अन्नमदेव अपने भाई प्रताप रुद्र देव II के आत्मसमर्पण का विरोध कर बस्तर आकर काकतीय वंश की स्थापना किये |

## पाण्ड्य अभियान ( 1311 )

- शासक - वीर पाण्ड्य ( पाण्ड्य वंश )
- नेतृत्व - मलिक काफूर
- परिणाम - वीर पाण्ड्य भागता रहा | अंततः मलिक काफूर धन लूटकर वापस लौट गया |



## रानी पद्मावती

- वास्तविक नाम - रानी पद्मिनी
- पति - राणा रत्नदेव

### पद्मावत ( 1540 )

- रचना - 1540
- लेखक - मलिक मोहम्मद जायसी
- वर्णन
  - रानी पद्मावती की सुन्दरता का बखान
  - पद्मावत के अनुसार अलाउद्दीन खिलजी द्वारा चित्तौड़ पर आक्रमण करने का प्रमुख कारण रानी पद्मावती को प्राप्त करना था।
  - जब अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ के किले का घेरा डाला था और उसने शर्त रखी कि यदि वह रानी पद्मावती की एक झलक देख लेगा तो वह वापस चला जाएगा। राणा रत्नदेव ने शर्त स्वीकार कर लिया।
  - अलाउद्दीन खिलजी को किले में लाया गया तथा एक दर्पण के द्वारा उसे रानी पद्मावती की झलक दिखाई गयी।



रानी पद्मावती

### फिल्म : पद्मावती

- प्रदर्शन - 1 दिसम्बर 2017
- आधार - रानी पद्मावती की वीरता पर आधारित फिल्म
- निर्देशक - संजय लीला भंसाली

## नासिरुद्दीन खुसरों खां : अंतिम शासक ( 1320 ई. )

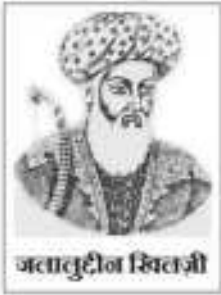
- उपाधि - पैगम्बर का सेनापति
- 8 सितम्बर 1320 - गियासुद्दीन तुगलक ने नासिरुद्दीन खुसरों खां की हत्या कर तुगलक वंश की स्थापना किया।



नासिरुद्दीन खुसरों खां

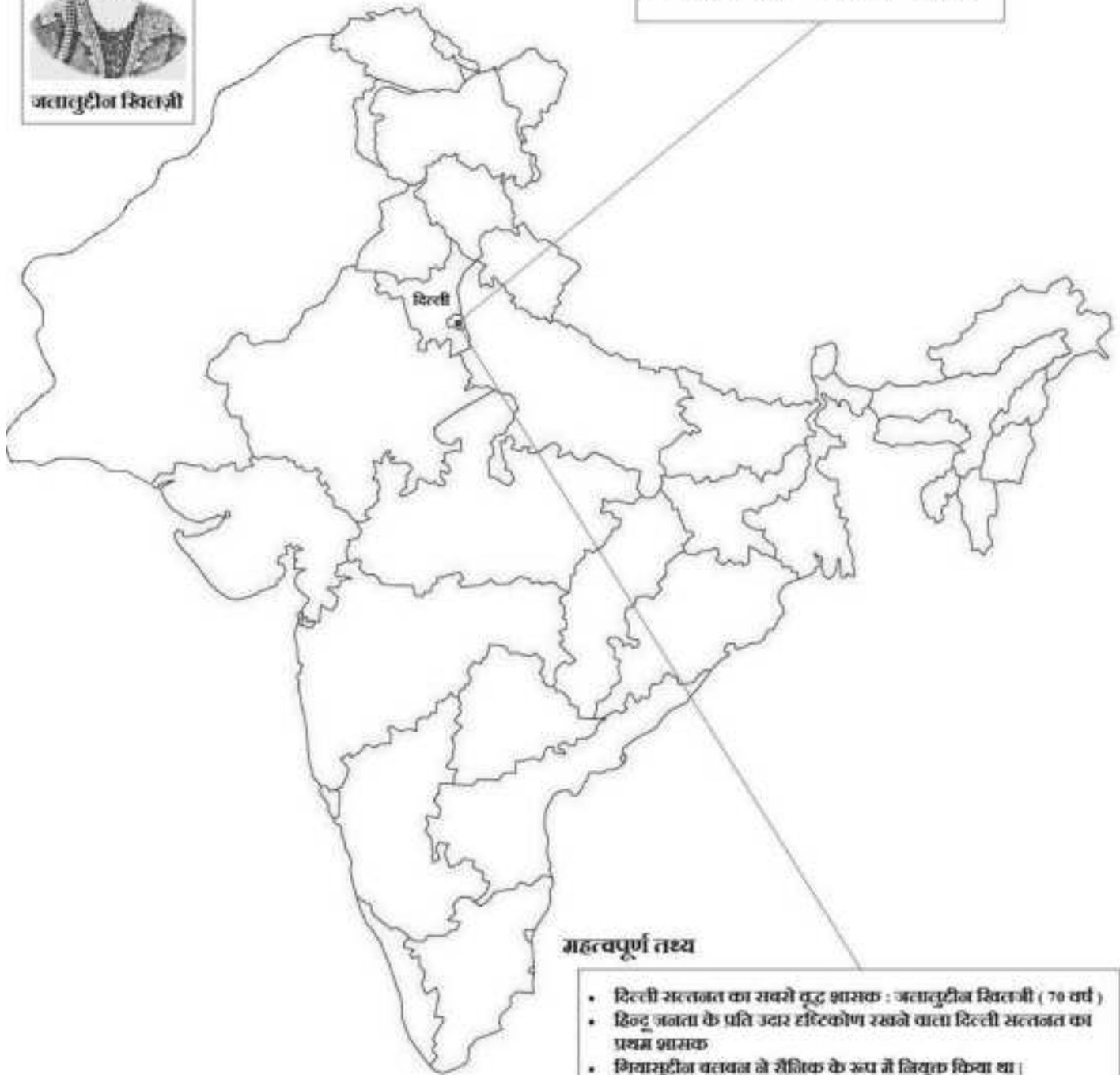
# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ( 1290 ई. – 1296 ई. )



## पारिवारिक परिचय

- पुत्र - कुटुंबका तुलक खां
- भतीजा व दामाद - जलालुद्दीन खिलजी

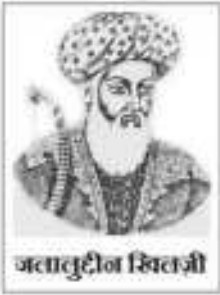


## महत्वपूर्ण तथ्य

- दिल्ली सल्तनत का सबसे बूढ़ा शासक : जलालुद्दीन खिलजी ( 70 वर्ष )
- हिन्दू जनता के प्रति उदार दृष्टिकोण रखने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक
- गियासुद्दीन बलबान ने सैनिक के रूप में नियुक्त किया था।
- शाहस्ता खां कैकुबाद ने जलालुद्दीन खिलजी को शाहस्ता खां की उपाधि से नवाजा।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ( 1290 ई. – 1296 ई. )



13 जुल 1290

कैकुबाद द्वारा निर्मित किलाखोरी ( कुत्तानगरी )महल में राज्याभिषेक कराया।

19 जुलाई 1296

अलाउद्दीन खिलजी ने अपने चाचा जलालुद्दीन खिलजी की हत्या कर शासक बना।

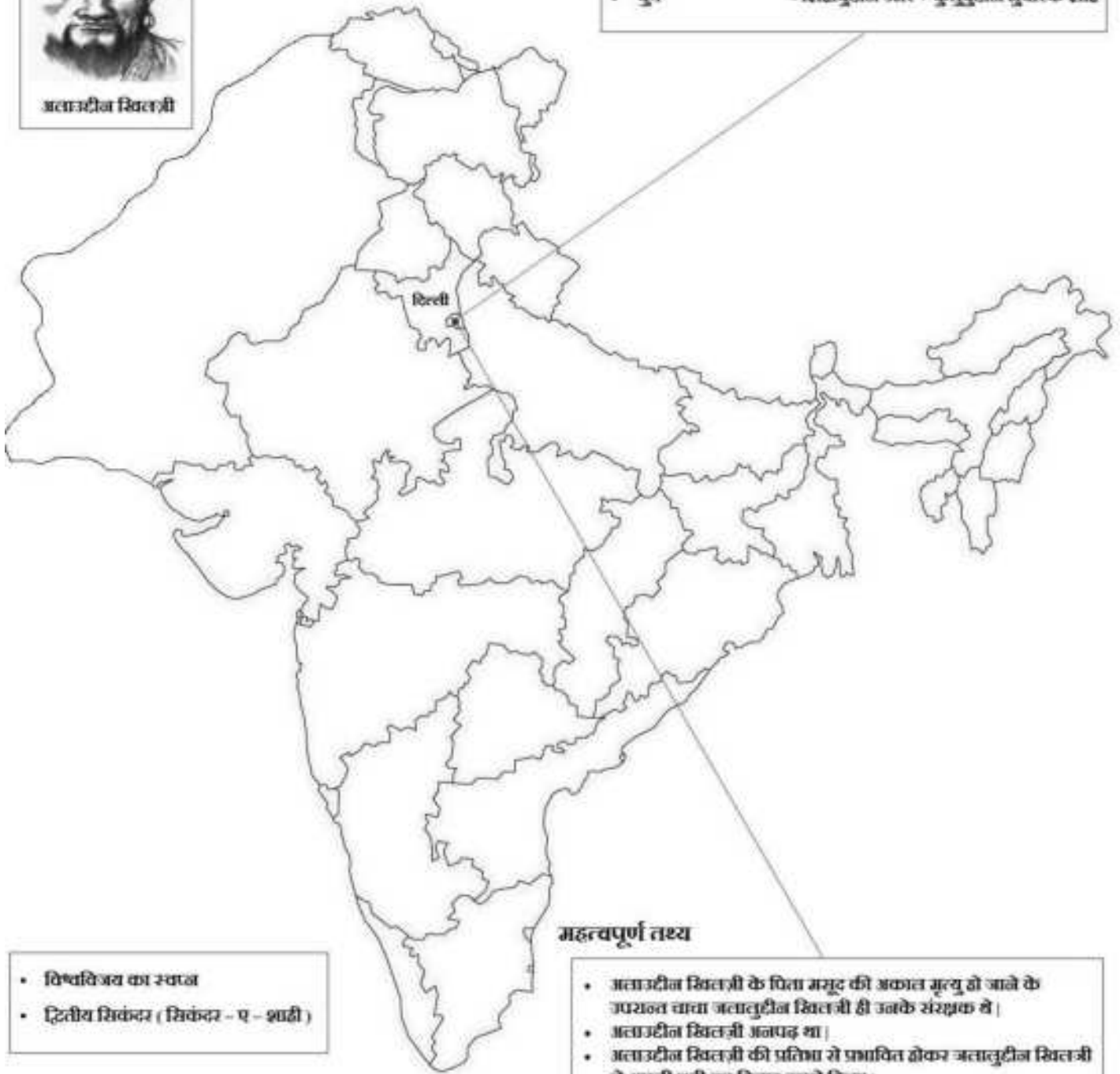
# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )



## पारिवारिक परिवार

- |               |   |
|---------------|---|
| • पिता        | - असूद                                    |
| • चाचा व पालक | - अलाउद्दीन खिलजी                         |
| • पुत्र       | - शिहाउद्दीन उमर + कुतुबुद्दीन मुबारक शाह |



- विजयनगर का स्थापन
- द्वितीय सिकंदर ( सिकंदर - प - शाही )

## महत्वपूर्ण तथ्य

- अलाउद्दीन खिलजी के पिता असूद की अकाल मृत्यु हो जाने के उपरान्त चाचा अलाउद्दीन खिलजी ही उनके संरक्षक थे।
- अलाउद्दीन खिलजी अनपढ़ था।
- अलाउद्दीन खिलजी की प्रतिभा से प्रभावित होकर अलाउद्दीन खिलजी ने अपनी पुत्री का विवाह उससे किया।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )



19 जुलाई 1296

अलाउद्दीन खिलजी ने अपने चाचा जलानुद्दीन खिलजी की हत्या कर शासक बना।

21 अक्टूबर 1296

अलाउद्दीन खिलजी ने गियासुद्दीन बलबान द्वारा निर्मित लाल महल में अपना राज्याभिषेक करवाया।

देवगिरी

देवगिरी अभियान ( 1294 )

- शासक - रामचंद्र देव
- सेनापति - अलाउद्दीन खिलजी
- सूत्राज - जलानुद्दीन खिलजी
- परिणाम - अपार धन लूट

4 जनवरी 1316

- अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु
- संकचर - जामा मस्जिद ( दिल्ली )

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )

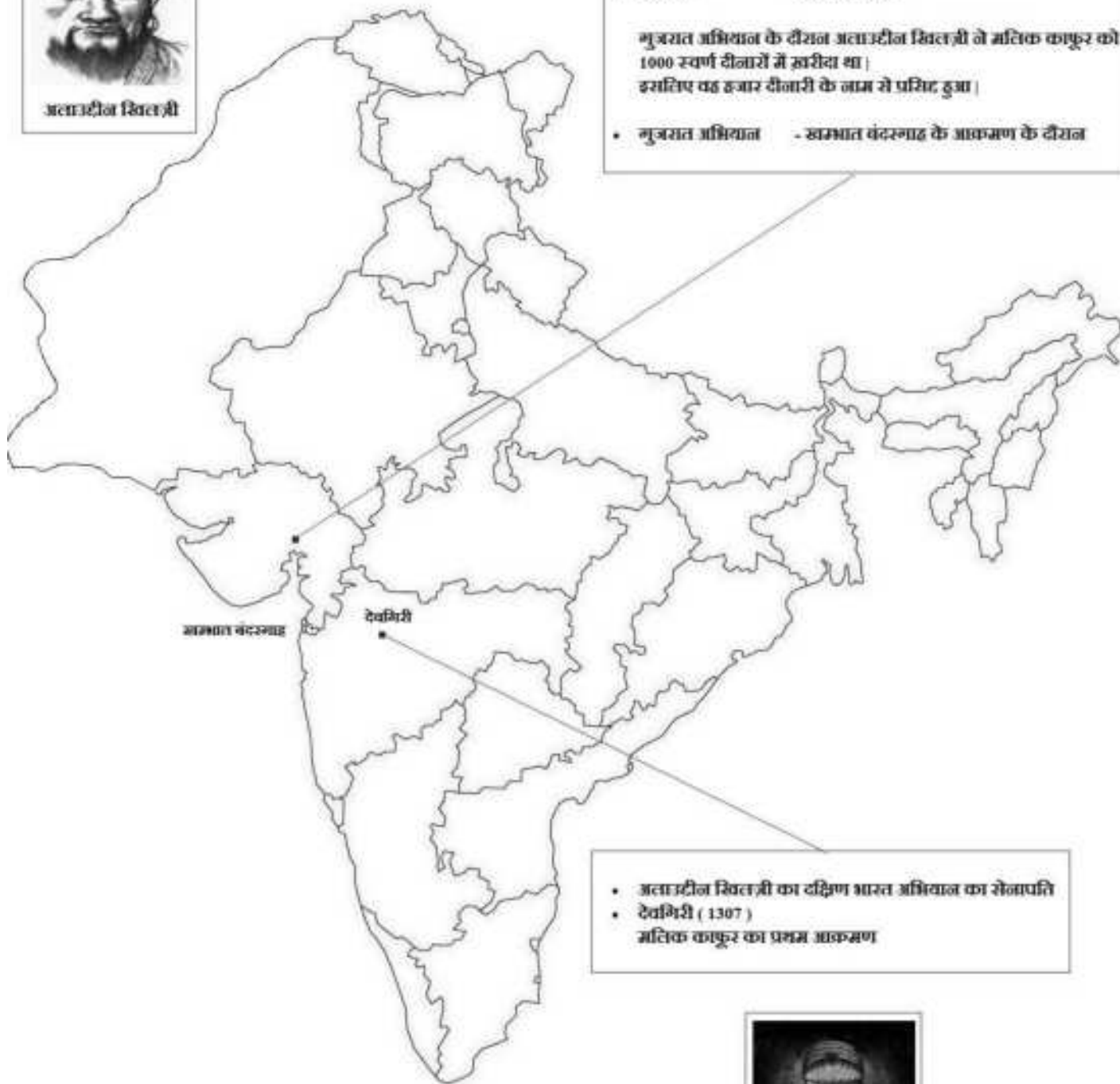


मलिक काफूर ( हजार दीनारी )

- वास्तविक नाम - मुसस्त खां
- प्रचलित नाम - मलिक काफूर ( अलाउद्दीन खिलजी द्वारा )
- उपनाम - हजार दीनारी

मुजरात अभियान के दौरान अलाउद्दीन खिलजी ने मलिक काफूर को 1000 स्वर्ण दीनारों में खरीदा था।  
इसलिए वह हजार दीनारी के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

- मुजरात अभियान - स्वभावतः वंदरगढ़ के आक्रमण के दौरान



- अलाउद्दीन खिलजी का दक्षिण भारत अभियान का सेनापति
- देवगिरी ( 1307 )  
मलिक काफूर का प्रथम आक्रमण

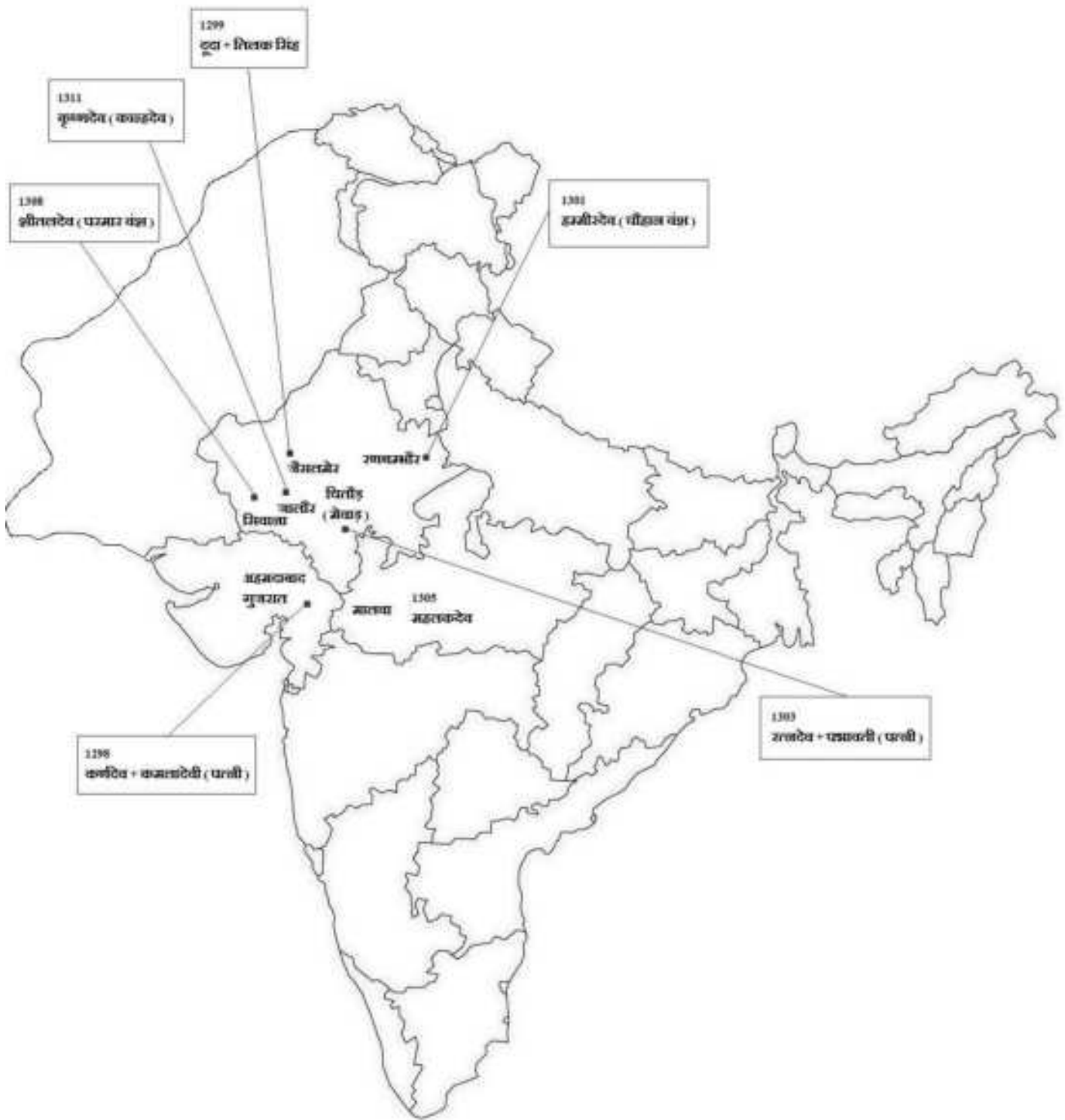


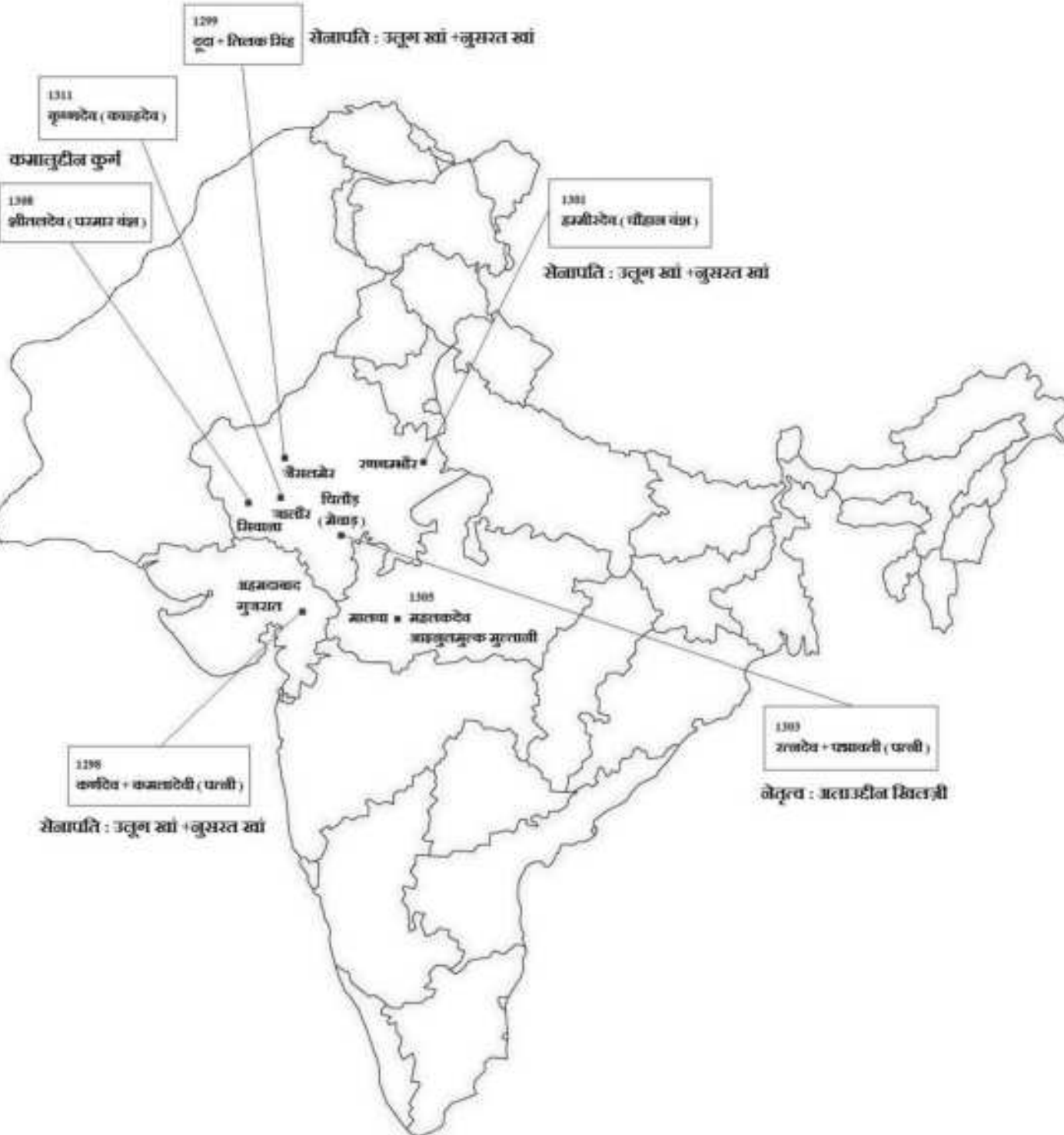
मलिक काफूर

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )

अलाउद्दीन खिलजी का उत्तर भारत का अभियान







# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )

अलाउद्दीन खिलजी का उत्तर भारत का अभियान



रणथम्भौर अभियान ( 1301 )

- सेनापति - उत्तुंग खां + जुसुसत खां
- शासक - हमीरदेव ( चौहान वंश )
- कारण - रणथम्भौर जीतना इसलिए जरूरी था, क्योंकि यहाँ रणथम्भौर जीते पुरे राजस्थान पर अधिकार नहीं किया जा सकता था।
- परिणाम - हमीरदेव ने पराजित किया तथा उत्तुंग खां मारा गया। बाद में स्वयं अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर पर आक्रमण कर जीता।

मुजसत अभियान ( 1299 )

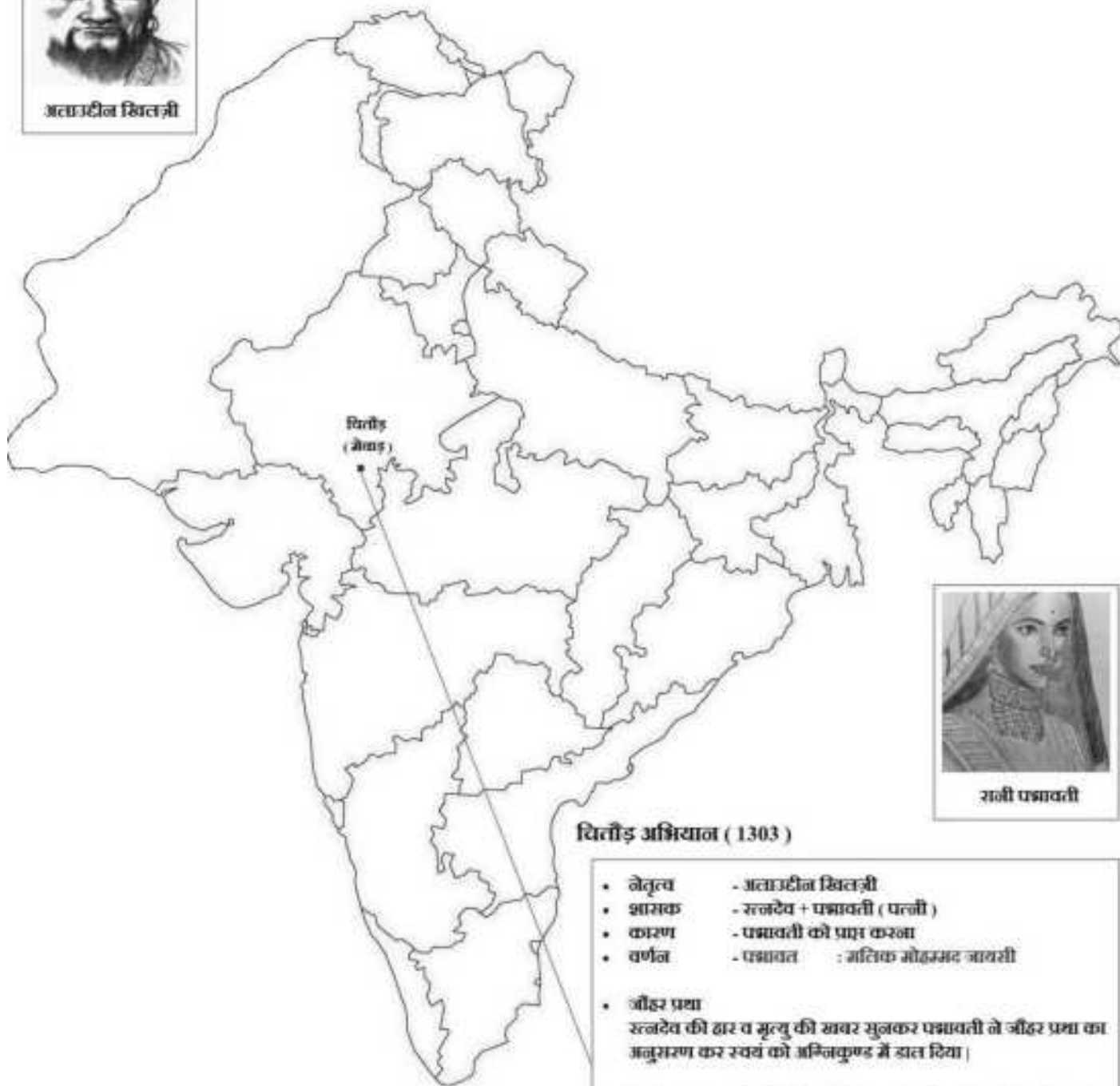
- सेनापति - उत्तुंग खां + जुसुसत खां
- शासक - कर्णदेव + कमलादेवी ( पत्नी )
- परिणाम - कमलादेवी से विवाह किया।

- मलिक काफूर ( हजार दीनारी )  
मुजसत अभियान के दौरान अलाउद्दीन खिलजी ने मलिक काफूर को 1000 स्वर्ण दीनारों में खरीदा था इसलिए वह हजार दीनारी के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )

अलाउद्दीन खिलजी का उत्तर भारत का अभियान



चित्तौड़ अभियान ( 1303 )

- लेतृत्व - अलाउद्दीन खिलजी
- शासक - सलतुत + पद्मावती ( पत्नी )
- कारण - पद्मावती को प्राप्त करना
- वर्णन - पद्मावती : जलिक मोहम्मद जायसी
- जीह्र प्रथा - सलतुत की ठार व मृत्यु की खबर सुनकर पद्मावती ने जीह्र प्रथा का अनुसरण कर स्वयं को अग्निकुण्ड में डाल दिया।
- सिद्धवाद - चित्तौड़ को जीतकर उसका नाम अपने पुत्र सिद्ध सां के नाम पर सिद्धवाद रखा।
- स्वचाहल - उत्त - फुलह
  - लेखक - अमीर खुसरो
  - वर्णन - चित्तौड़ सिद्ध

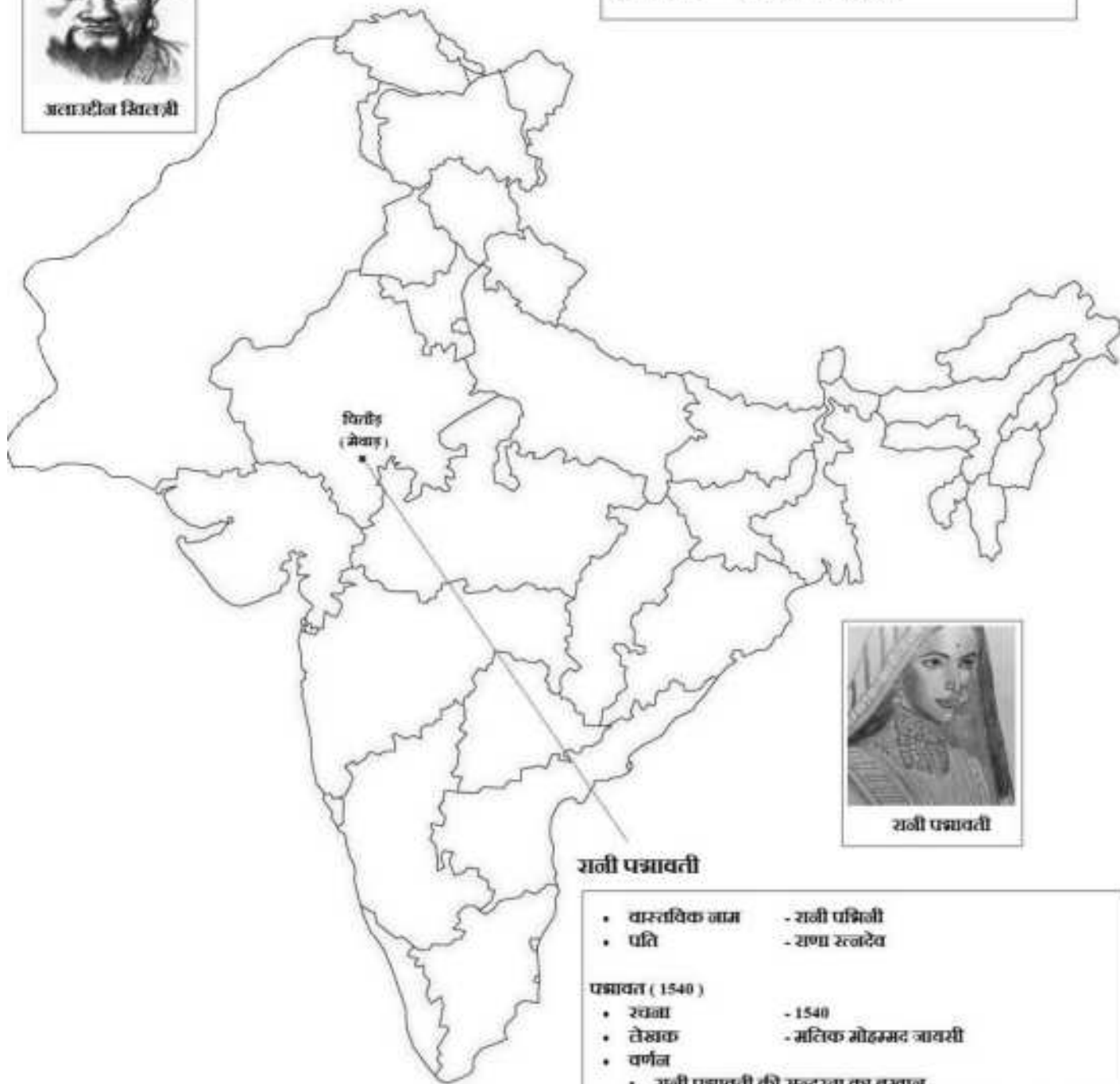
# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )



फिल्म : पद्मावती

- प्रदर्शन - 1 दिसम्बर 2017
- आधार - राजी पद्मावती की वीरता पर आधारित फिल्म
- निर्देशक - संजय लीला भंसाली



राजी पद्मावती

राजी पद्मावती

- वास्तविक नाम - राजी पद्मिनी
- पति - राणा रत्नदेव

पद्मावत ( 1540 )

- रचना - 1540
- लेखक - अलिक मोहम्मद जायसी
- वर्णन
  - राजी पद्मावती की सुन्दरता का वर्णन
  - पद्मावत के अनुसार अलाउद्दीन खिलजी द्वारा चित्तौड़ पर आक्रमण करने का प्रमुख कारण राजी पद्मावती को प्राप्त करना था।
  - जब अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ के किले का घेरा डाला था और उसने शर्त रखी कि यदि वह राजी पद्मावती की एक झलक देखा लेगा तो वह वापस चला जाएगा। राणा रत्नदेव ने शर्त स्वीकार कर लिया।
  - अलाउद्दीन खिलजी को किले में लाया गया तथा एक दर्जन के द्वारा उसे राजी पद्मावती की झलक दिखाई गयी।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )



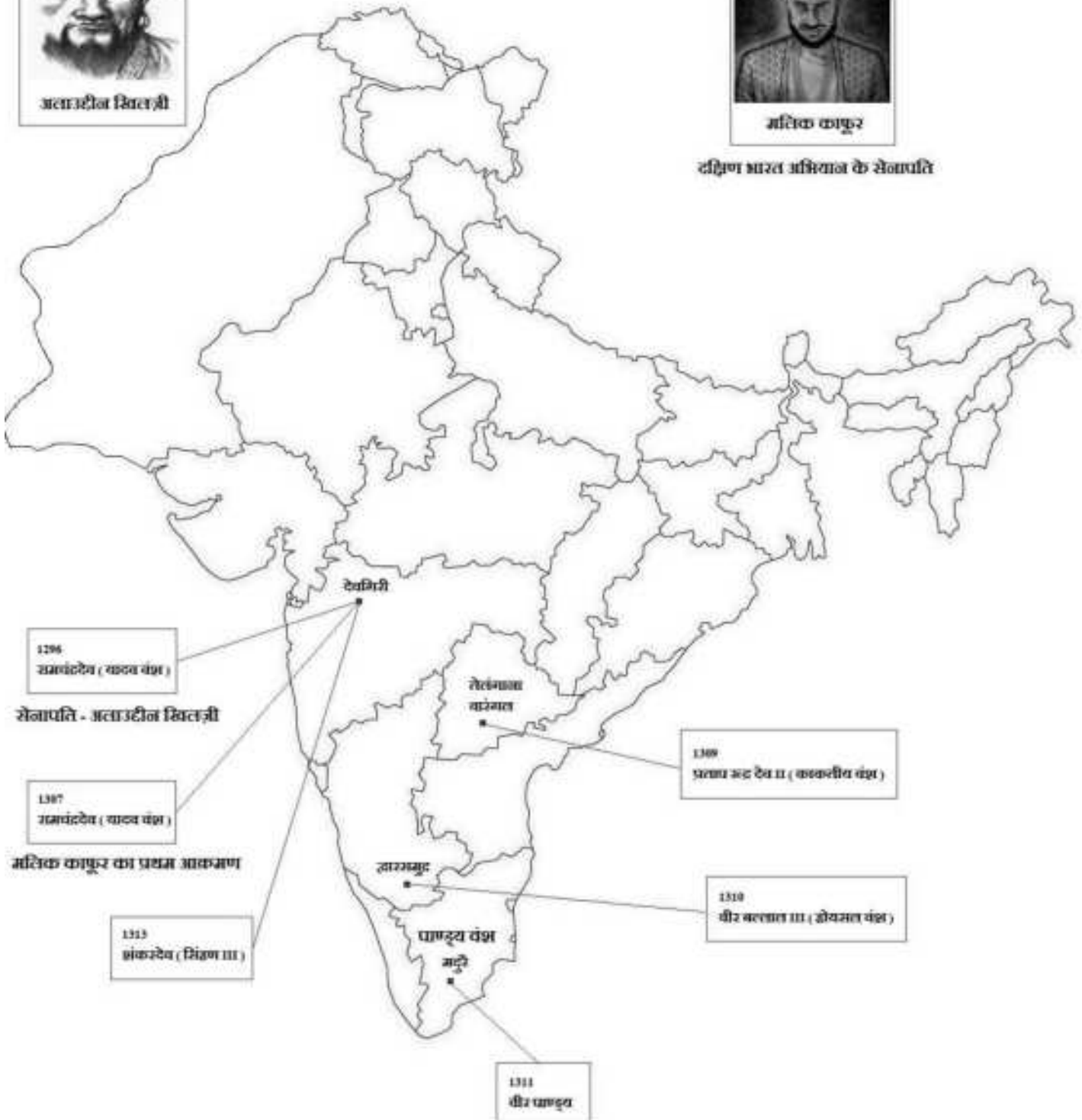
अलाउद्दीन खिलजी

अलाउद्दीन खिलजी का दक्षिण भारत का अभियान



मलिक काफूर

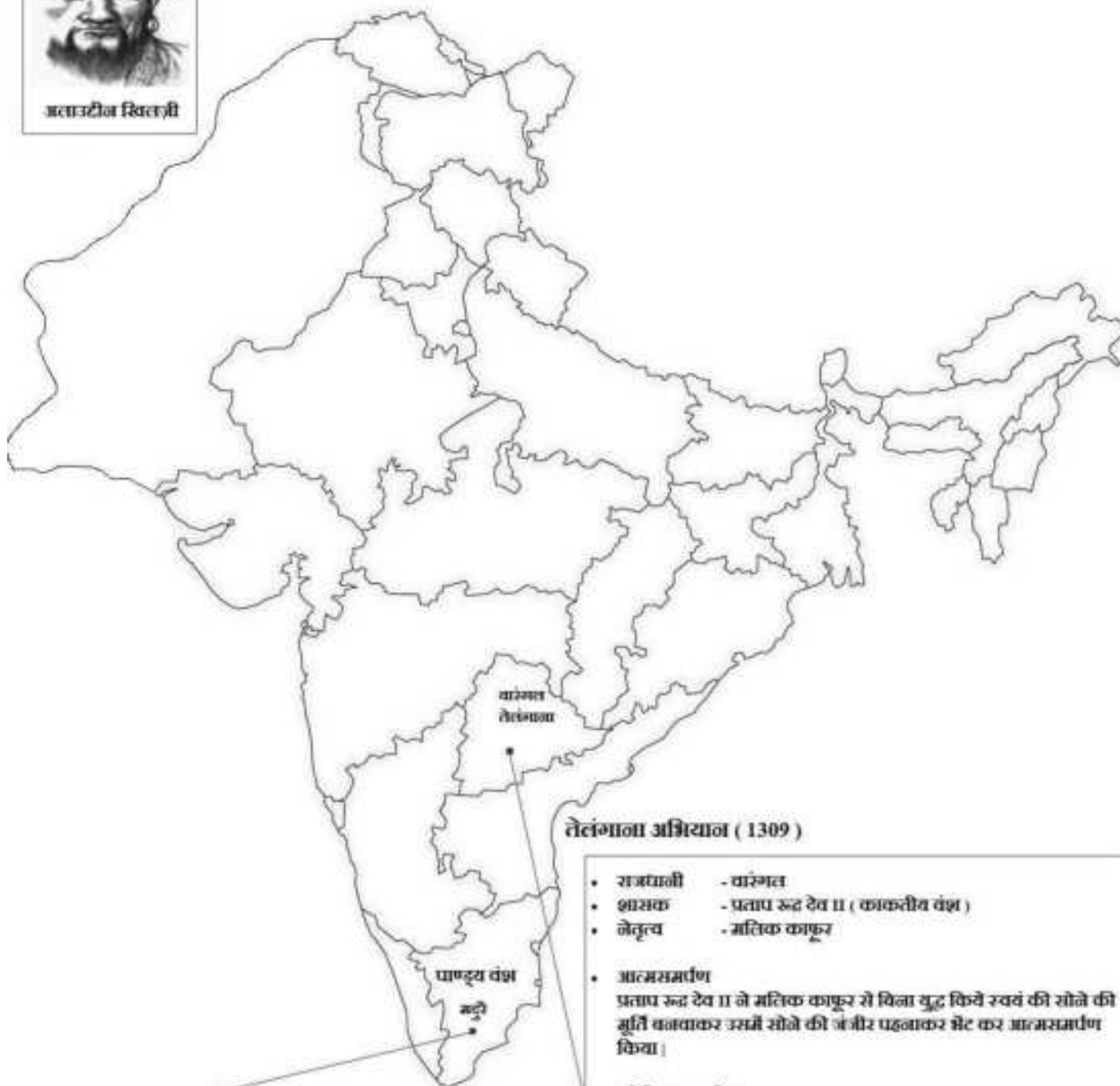
दक्षिण भारत अभियान के सेनापति



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन खिलजी ( 1296 ई. – 1316 ई. )

अलाउद्दीन खिलजी का दक्षिण भारत का अभियान



पाण्ड्य अभियान ( 1311 )

- शासक - वीर पाण्ड्य ( पाण्ड्य वंश )
- लेखक - मलिक काफूर
- परिणाम - वीर पाण्ड्य शरण्य रहा।  
अंततः मलिक काफूर धन लूटकर वापस लौट गया।

तेलंगाना अभियान ( 1309 )

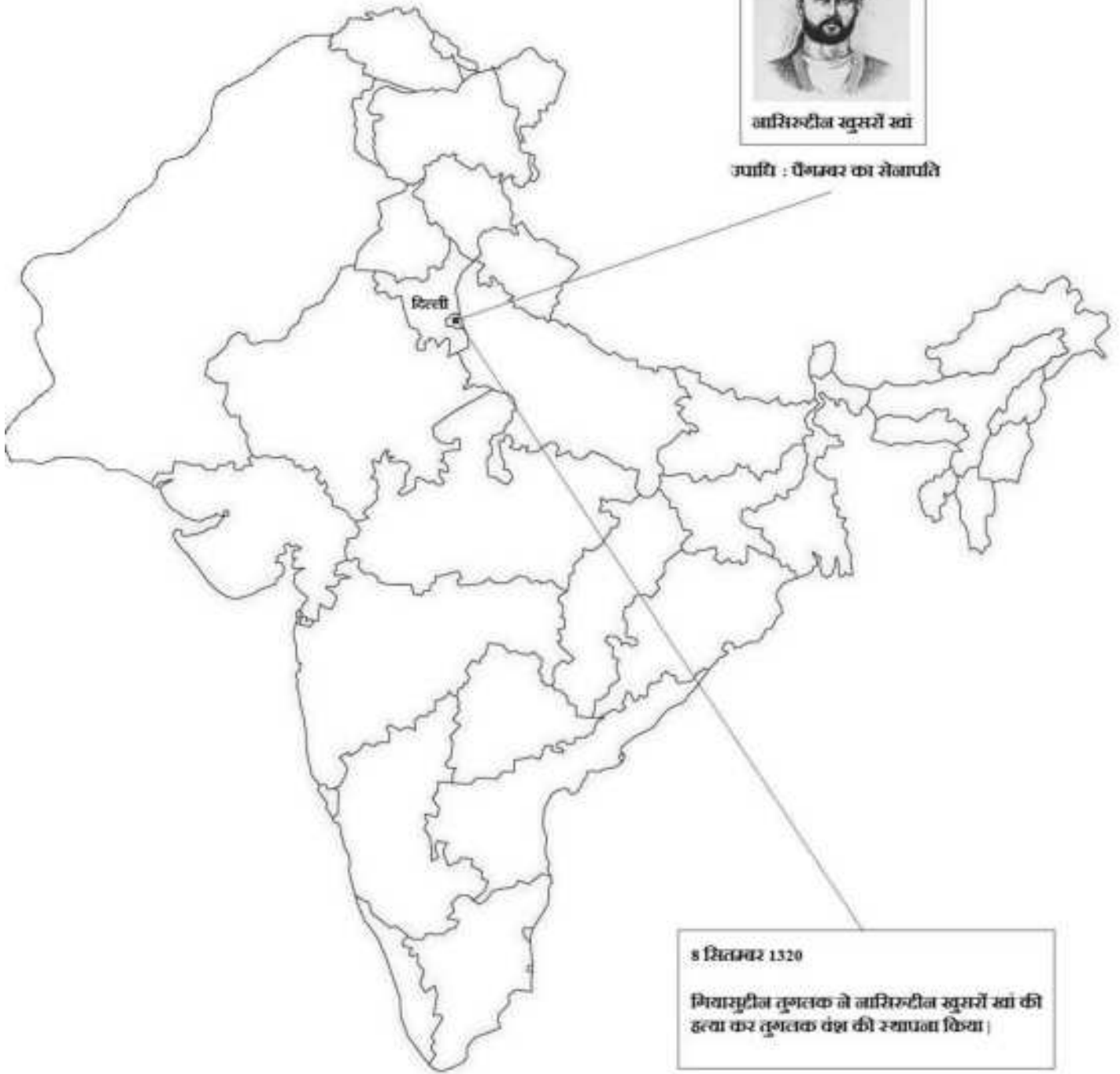
- राजवंशी - वारेन्स
- शासक - प्रताप रुद्र देव II ( काकतीय वंश )
- लेखक - मलिक काफूर
- आत्मसमर्पण  
प्रताप रुद्र देव II ने मलिक काफूर से पिला चूट किये स्वयं की सोले की मूर्ति बनवाकर उसमें सोले की जंजीर पहनाकर भेंट कर आत्मसमर्पण किया।
- कोट्टिनूर का हीरा  
प्रताप रुद्र देव II ने मलिक काफूर को कोट्टिनूर का हीरा भेंट दिया।  
प्रताप रुद्र देव II ने मलिक काफूर से पिला चूट किये स्वयं की सोले की मूर्ति बनवाकर उसमें सोले की जंजीर पहनाकर भेंट कर आत्मसमर्पण किया।
- काकतीय वंश  
अल्लमदेव अपने भाई प्रताप रुद्र देव II के आत्मसमर्पण का विरोध कर वस्तर आकर काकतीय वंश की स्थापना किये।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

लासिरुटीन खुसरौ खां : अंतिम शासक ( 1320 ई. )



उपाधि : पैगम्बर का सेनापति



8 सितम्बर 1320

गियासुद्दीन तुगलक ने लासिरुटीन खुसरौ खां की हत्या कर तुगलक वंश की स्थापना किया।

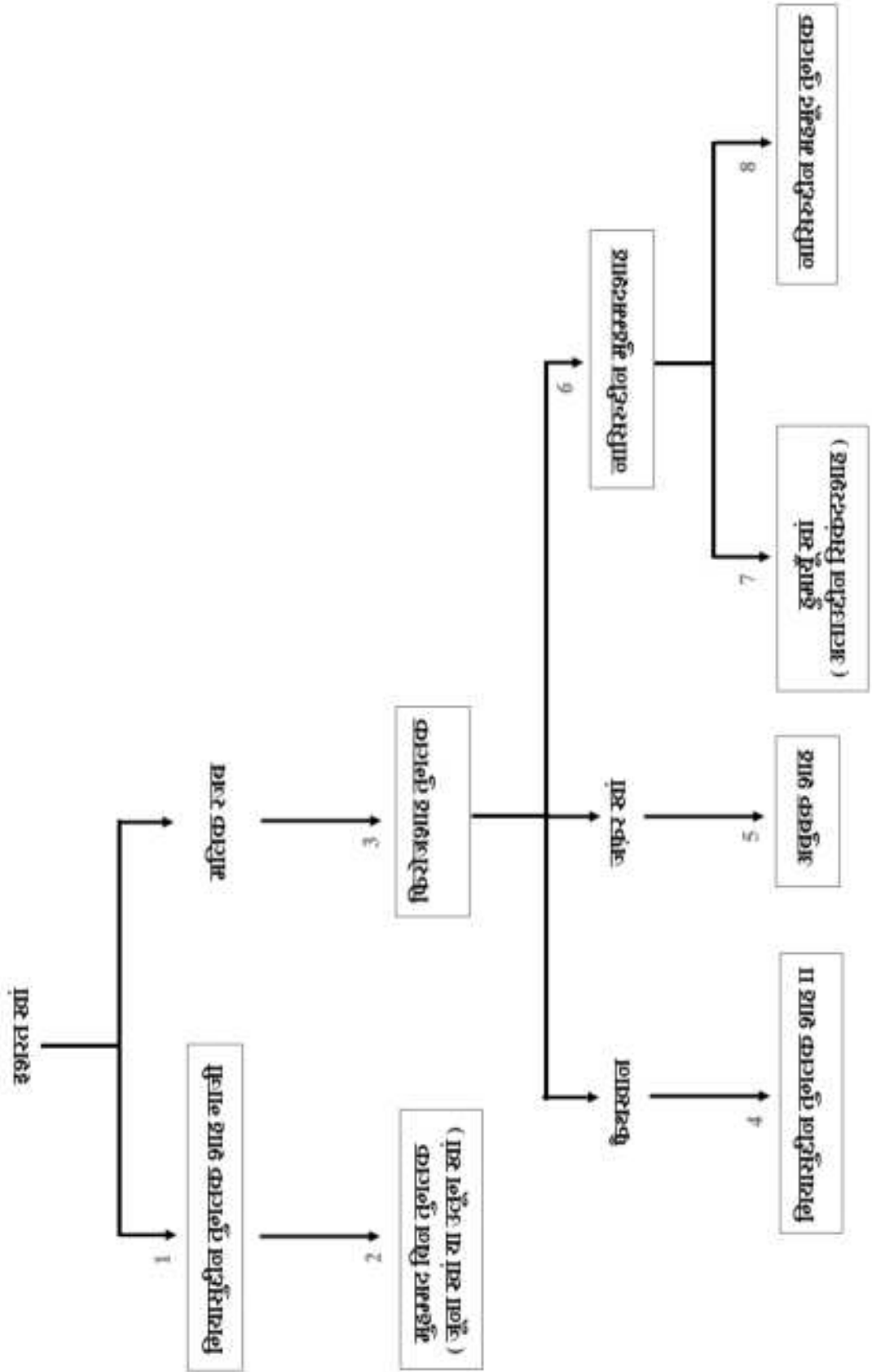
## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### तुगलक वंश ( 1320 ई. – 1414 ई. )

- दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक समय तक शासन करने वाला वंश ( 94 वर्ष )
- तुगलक वंश की उपाधि - तुगलक
- संस्थापक - गियासुद्दीन तुगलक शाह गाज़ी ( गाज़ी मलिक )
- अंतिम शासक - महमूदशाह

क्र.	शासक	शासनकाल	विशेष
1	गियासुद्दीन तुगलक शाह गाज़ी ( गाज़ी मलिक )	1320 ई. – 1325 ई.	▪ दिल्ली सल्तनत में <b>मलिक गाज़ी</b> की उपाधि धारण करने वाला प्रथम व एकमात्र सुलतान
2	मुहम्मद बिन तुगलक ( जूना खां या उलूग खां )	1325 ई. – 1351 ई.	▪ दिल्ली सल्तनत का सबसे बुद्धिमान सुलतान
3	फिरोजशाह तुगलक	1351 ई. – 1388 ई.	▪ दिल्ली सल्तनत का सबसे धार्मिक कट्टर सुलतान ▪ सल्तनत काल का अकबर ▪ सल्तनत काल का औरंगजेब ▪ सर्वाधिक स्थापत्यकला
4	गियासुद्दीन तुगलक शाह II	1388 ई. – 1389 ई.	अयोग्य शासक ( अल्पकालीन शासन )
5	अबुबक्र शाह	1389 ई. – 1390 ई.	
6	नासिरुद्दीन मुहम्मदशाह	1390 ई. – 1394 ई.	
7	हुमायूँ खां ( अलाउद्दीन सिकंदरशाह )	1394 ई. – 1394 ई.	
8	नासिरुद्दीन महमूद तुगलक	1394 ई. – 1414 ई.	▪ तैमूर का आक्रमण ( 1398 ) ▪ खिज़्र खां सैयद का आक्रमण ( 1414 )

## तुगलक वंश ( 1320 ई. – 1414 ई. )





## गियासुद्दीन तुगलक शाह गाज़ी ( 1320 ई. – 1325 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- माता - जाट वंश
- पुत्र - मुहम्मद बिन तुगलक ( जूना खां या उलूग खां )
- भाई - मलिक रजब



गियासुद्दीन तुगलक

### सामान्य परिचय

- अलाउद्दीन खिलजी का सेनापति
- गियासुद्दीन तुगलक एक भारतीय था।
- उपाधि - गाज़ी मलिक ( अलाउद्दीन खिलजी के द्वारा )
- गाज़ी - काफ़िरों का वध करने वाला
- तुर्क शाखा - करैना

### महत्वपूर्ण तथ्य

तथ्य	विवरण
मंगोल आक्रमण	<ul style="list-style-type: none"><li>शासक - अलाउद्दीन खिलजी</li><li>सेनापति - गियासुद्दीन तुगलक</li><li>गियासुद्दीन तुगलक ने 29 बार मंगोल आक्रमण को विफल किया।</li></ul>
गाज़ी मलिक	<ul style="list-style-type: none"><li>मंगोल को पराजित करने के कारण अलाउद्दीन खिलजी ने अपने सेनापति गियासुद्दीन तुगलक को गाज़ी मलिक की उपाधि दिया।</li></ul>
दाग व हुलिया प्रथा ( दाग व चेहरा प्रथा )	<ul style="list-style-type: none"><li>प्रणेत - अलाउद्दीन खिलजी</li><li>प्रभावशाली ढंग से लागू किया - गियासुद्दीन तुगलक</li></ul>
डाक – व्यवस्था	<ul style="list-style-type: none"><li>डाक – प्रणाली को पूर्णतः व्यवस्थित किया - गियासुद्दीन तुगलक</li><li>4 दिनों में ही हरकारे देवगिरी से दिल्ली तक समाचार पहुंचा देते थे।</li></ul>
“दिल्ली अभी दूर है” ( हनूज देहली दूर अस्त )	<ul style="list-style-type: none"><li>नासिरुद्दीन खुसरो खां ने सूफी संत निजामुद्दीन औलिया को 5 लाख टका धार्मिक अनुदान दिए थे।</li><li>गियासुद्दीन तुगलक ने सूफी संत निजामुद्दीन औलिया से नासिरुद्दीन खुसरो खां द्वारा दिए गये 5 लाख टका वापस मांगे।</li><li>इस घटना से सूफी संत व सुल्तान के बीच विरोध बढ़ता गया।</li><li>बंगाल अभियान विजय के बाद गियासुद्दीन ने निजामुद्दीन औलिया को संदेश भेजा की उनके दिल्ली पहुँचने के पूर्व वह दिल्ली छोड़ दे।</li><li>निजामुद्दीन औलिया ने उत्तर दिया - “दिल्ली अभी दूर है”</li></ul>

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1320	दिल्ली	नासिरुद्दीन खुसरो खां की हत्या कर तुगलक वंश की स्थापना किया।
1325	अफगानपुर	मुहम्मद बिन तुगलक ने गियासुद्दीन तुगलक की हत्या कर सुल्तान बना।

**मुहम्मद बिन तुगलक : जूना खां ( उलूग खां ) ( 1325 ई. – 1351 ई. )**

## सामान्य परिचय

- पिता - गियासुद्दीन तुगलक
- चचेरा भाई - फिरोजशाह तुगलक
- वास्तविक नाम - जूना खां
- उपाधि - उलूग खां ( गियासुद्दीन तुगलक द्वारा )



मुहम्मद बिन तुगलक

## महत्वपूर्ण तथ्य

तथ्य	विवरण
बुद्धिमान शासक	दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान एवं शिक्षित शासक जो खगोल शास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विधायो में माहिर था।
मुख्य शासक	<ul style="list-style-type: none"><li>होली जैसे धार्मिक त्यौहारों में भाग लेने वाला प्रथम दिल्ली सुल्तान</li><li>दिल्ली सल्तनत में मुहम्मद बिन तुगलक पहला सुल्तान था जो हिन्दुओं के त्योहारों मुख्यतः होली में भाग लेता था। जिसके कारण बरनी ने उसकी कटु आलोचना की।</li></ul>
धर्म निरपेक्ष राष्ट्र	धार्मिक एवं न्यायिक मामलों से उलेमा का वर्चस्व समाप्त कर

## घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1325	दिल्ली	गियासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के बाद सुल्तान बना।
1333	दिल्ली	इब्नबतूता का भारत आगमन
1351	दिल्ली	स्वास्थ्य खराब होने से मृत्यु

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## इब्नबतूता ( 1333 ई. – 1346 ई. )

- इब्नबतूता मोरक्को मूल का अफ्रीकी यात्री था।
- रचना - किताब-उल-रेहला ( इब्नबतूता की यात्रा का वर्णन )
- इब्नबतूता मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल ( 1325 – 1351 ई. ) में भारत आया।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने इब्नबतूता को दिल्ली का काजी नियुक्त किया।
- 1342 ई. - सुल्तान का दूत बनाकर चीन भेजा।

## मुहम्मद बिन तुगलक का षडयंत्र ( 1325 ई. )

- स्थान - अफगानपुर
- षडयंत्र - गियासुद्दीन तुगलक की हत्या ( इब्नबतूता के अनुसार )
- तिरहुत विजय के पश्चात् दिल्ली लौटते समय जब अफगानपुर गाँव में विश्राम कर रहा था, लकड़ी की छत गिर जाने से गियासुद्दीन तुगलक की मृत्यु हो गयी।

## मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में स्थापित साम्राज्य

क्र.	साम्राज्य	स्थापना	राजधानी	संस्थापक
1	विजयनगर साम्राज्य	1336	विजयनगर ( कर्णाटक )	हरिहर प्रथम व बुक्का राय प्रथम
2	बहमनी साम्राज्य	3 अगस्त 1347	बीदर ( कर्णाटक )	अलाउद्दीन बहमन शाह

## विजयनगर ( कर्णाटक ) साम्राज्य की स्थापना ( 1336 ई. )

- स्थापना - 1336
- विघटन - 1646
- राजधानी - विजयनगर ( कर्णाटक )
- क्षेत्र - दक्षिण भारत
- संस्थापक - हरिहर प्रथम व बुक्का राय प्रथम नामक दो भाई

## बहमनी साम्राज्य ( 1347 ई. )

- स्थापना - 3 अगस्त 1347
- विघटन - 1518
- राजधानी - बीदर ( कर्णाटक )
- क्षेत्र - महाराष्ट्र
- संस्थापक - अलाउद्दीन बहमन शाह ( तुर्क अफगान सूबेदार )

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### बरनी के अनुसार मुहम्मद बिन तुगलक की 5 प्रमुख विफल योजनायें

क्र.	योजना	विवरण
1	दोआब क्षेत्र में कर वृद्धि	<ul style="list-style-type: none"><li>कारण - विद्रोह का दमन करना</li><li>परिणाम - असफल</li><li>कारण - अकाल पड़ना</li></ul>
2	राजधानी परिवर्तन ( 1327 )	<ul style="list-style-type: none"><li>1327 - राजधानी दिल्ली से देवगिरी ( दौलताबाद ) स्थानांतरण</li><li>कारण - मंगोल आक्रमण से सुरक्षा तथा देवगिरी का साम्राज्य के मध्य में होना</li><li>परिणाम - असफल</li><li>कारण - नियंत्रण रखना असंभव</li></ul>
3	सांकेतिक मुद्रा	<ul style="list-style-type: none"><li>घटना - मुहम्मद बिन तुगलक ने चांदी के सिक्कों के स्थान पर तांबे के सांकेतिक सिक्के चलाये और उसका मूल्य चांदी के सिक्के के बराबर रखा  </li><li>कारण - विश्व बाज़ार में चांदी की कमी</li><li>परिणाम - असफल</li><li>कारण - लोगों ने अपने घर में ही टकसाल बना लिया</li><li>मुहम्मद बिन तुगलक ने बाज़ार से सभी तांबे के सिक्के लेकर सरकारी खजाने से उनके बदले में चांदी के सिक्के दे दिए   इससे खजाना रिक्त हो गया  </li></ul>
4	खुरासान पर आक्रमण	<ul style="list-style-type: none"><li>योजना - खुरासान ( मध्य एशिया ) पर कब्ज़ा करना</li><li>कारण - खुरासान में अव्यवस्था</li><li>कार्य - इसके लिए अतिरिक्त सेना का गठन कर 1 वर्ष का वेतन पेशगी में दे दिया  </li><li>परिणाम - असफल</li><li>कारण - खुरासान में व्यवस्था कायम हो गयी  </li></ul>
5	कराचिल अभियान	<ul style="list-style-type: none"><li>कारण - विद्रोह का दमन करना</li><li>परिणाम - असफल</li><li>कारण - जन धन की हानि</li></ul>

### मुहम्मद बिन तुगलक के बारे में इतिहासकारों के कथन

क्र.	इतिहासकार	कथन
1	जियाउद्दीन बरनी	“पागल सुल्तान”
2	बदायुनी	मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु के बाद “राजा को प्रजा से और प्रजा को राजा से मुक्ति मिल गयी”
3	एलफिस्टन	“विरोधी गुणों का सम्मिश्रण”
4	डॉ. ईश्वरी प्रसाद	“दिल्ली सल्तनत का सबसे विद्वान सुल्तान”

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## फिरोजशाह तुगलक ( 1351 ई. – 1388 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - मलिक रजब
- पालक - गियासुद्दीन तुगलक + मुहम्मद बिन तुगलक
- चचेरा भाई - मुहम्मद बिन तुगलक
- मलिक रजब की मृत्यु के पश्चात् गियासुद्दीन तुगलक व मुहम्मद बिन तुगलक ने फिरोजशाह तुगलक का पालन पोषण किया।



फिरोजशाह तुगलक

### घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
22 मार्च 1351	थट्टा	उलेमा द्वारा फिरोजशाह तुगलक का राज्याभिषेक
1388	दिल्ली	फिरोजशाह तुगलक की मृत्यु

### कर प्रणाली

शासक	संख्या	कर	अर्थ
फिरोजशाह तुगलक	4	जजिया	गैर - मुस्लिमों से
		जकात	मुस्लिमों से
		खराज	भूमिकर
		खुगस	युद्ध में लूटा गया धन

### स्थापत्य

क्र.	स्थापत्य	विवरण
1	शहर	फिरोजशाह तुगलक द्वारा स्थापित 5 प्रमुख शहर (1) फतेहाबाद (2) फिरोजाबाद (3) फिरोजपुर (4) जौनपुर (5) हिसार
2	नहर	<ul style="list-style-type: none"><li>भारत में नहर प्रणाली का प्रारंभ - गियासुद्दीन तुगलक</li><li>नहरों का जाल ( सर्वाधिक नहरों का निर्माण ) - फिरोजशाह तुगलक</li><li>फिरोजशाह तुगलक द्वारा निर्मित 5 प्रमुख नहर (1) यमुना नदी से हिसार तक नहर (2) झौंसी से सिरमौर तक नहर (3) घग्घर से फिरोजाबाद तक नहर (4) यमुना से फिरोजाबाद तक नहर (5) सतलज से घग्घर तक नहर</li></ul>

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### सम्राट अशोक के वृहद स्तंभ लेख ( 7 )

क्र.	वृहद स्तंभ लेख	स्थान	विषयवस्तु
1	मेरठ स्तंभ लेख ( छोटी लता )	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"><li>• <b>फिरोजशाह तुगलक</b> यह स्तंभ लेख पहले मेरठ में था तथा बाद में <b>फिरोजशाह तुगलक</b> दिल्ली ले गया  </li><li>• <b>फर्रुखशियर</b> <b>फर्रुखशियर</b> के शासनकाल में बारूदखाने में विस्फोट के कारण यह स्तंभ खंडित हो गया  </li><li>• 1867 में इसे पुनर्स्थापित किया गया  </li></ul>
2	टोपरा स्तंभ लेख ( बड़ी लता )	दिल्ली	<ul style="list-style-type: none"><li>• इसमें अशोक के सातों स्तंभ अभिलेखों का वर्णन मिलता है  </li><li>• <b>फिरोजशाह तुगलक</b> यह स्तंभ लेख पहले <b>टोपराकला गाँव</b> ( यमुनानगर जिला , हरियाणा ) में था तथा बाद में <b>फिरोजशाह तुगलक</b> दिल्ली ले गया  </li></ul>
3	प्रयाग स्तंभ लेख ( रानी अभिलेख )	इलाहाबाद	<ul style="list-style-type: none"><li>• <b>अकबर</b> यह स्तंभ लेख पहले <b>कौशाम्बी</b> में था तथा बाद में <b>अकबर</b> ने इसे <b>इलाहाबाद की किले</b> में स्थापित किया  </li></ul>
4	लौरिया नंदनगढ़ स्तंभ लेख	लौरिया नंदनगढ़ ( पश्चिम चंपारण )	<ul style="list-style-type: none"><li>• <b>मयूर चित्र</b> इस स्तंभ पर मयूर चित्र है जो <b>मौर्य</b> और <b>मोरिय</b> जनपद से संबंध स्थापित करता है  </li></ul>
5	लौरिया अरेराज स्तंभ लेख	लौरिया अरेराज ( पश्चिम चंपारण )	
6	रामपुरवा स्तंभ लेख	बिहार	<ul style="list-style-type: none"><li>• <b>2 स्तंभ लेख</b> यहाँ से 2 स्तंभ लेख मिले हैं जिसमे एक लेखयुक्त है और दूसरा लेखविहीन है  </li><li>• <b>लेखयुक्त स्तंभ लेख ( सिंह : राष्ट्रपति भवन )</b> इसके शीर्ष पर सिंह की आकृति बनी है जिसे वर्तमान में राष्ट्रपति भवन में रखा गया है  </li><li>• <b>लेखविहीन स्तंभ लेख ( वृषभ )</b> एकमात्र स्तंभ लेख जिसके शीर्ष पर वृषभ की आकृति बनी है  </li></ul>

### नासिरुद्दीन महमूद तुगलक : अंतिम शासक ( 1394 ई. – 1413 ई. )

#### तैमूर का आक्रमण ( 1398 )

- शासक - नासिरुद्दीन महमूद तुगलक
- आक्रमणकारी - तैमूर लंग ( मध्य एशिया का आक्रमणकारी )
- सहयोगी - खिज़्र खां सैयद
- घटना - तैमूर लंग ने 15 दिनों तक दिल्ली में कत्लेआम किया ।
- परिणाम - वापस लौटते समय तैमूर लंग ने जीते गए क्षेत्र मुल्तान, लाहौर और दीपालपुर का शासन खिज़्र खां सैयद को सौंपा ।



नासिरुद्दीन महमूद तुगलक

#### खिज़्र खां सैयद का आक्रमण ( 1414 )

- शासक - नासिरुद्दीन महमूद तुगलक
- आक्रमणकारी - खिज़्र खां सैयद
- परिणाम - नासिरुद्दीन महमूद तुगलक की हत्या कर सैयद वंश की स्थापना ।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

गियासुद्दीन तुगलक शाह गाजी ( 1320 ई. – 1325 ई. )



गियासुद्दीन तुगलक

## पारिवारिक परिचय

- माता - जाट वंश
- पुत्र - मुहम्मद बिन तुगलक ( जूना खां या जसून खां )
- भाई - मलिक रजब

## सामान्य परिचय

- अलाउद्दीन खिलजी का सेनापति
- गियासुद्दीन तुगलक एक भारतीय था।
- उपाधि - गाजी मलिक ( अलाउद्दीन खिलजी के द्वारा )
- गाजी - कफिरों का वध करने वाला
- तुर्क शाखा - करीम



## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

गियासुद्दीन तुगलक शाह गाजी ( 1320 ई. – 1325 ई. )



गियासुद्दीन तुगलक

1325

मुहम्मद बिन तुगलक ने गियासुद्दीन तुगलक की इत्या कर सुल्तान बना।

1320

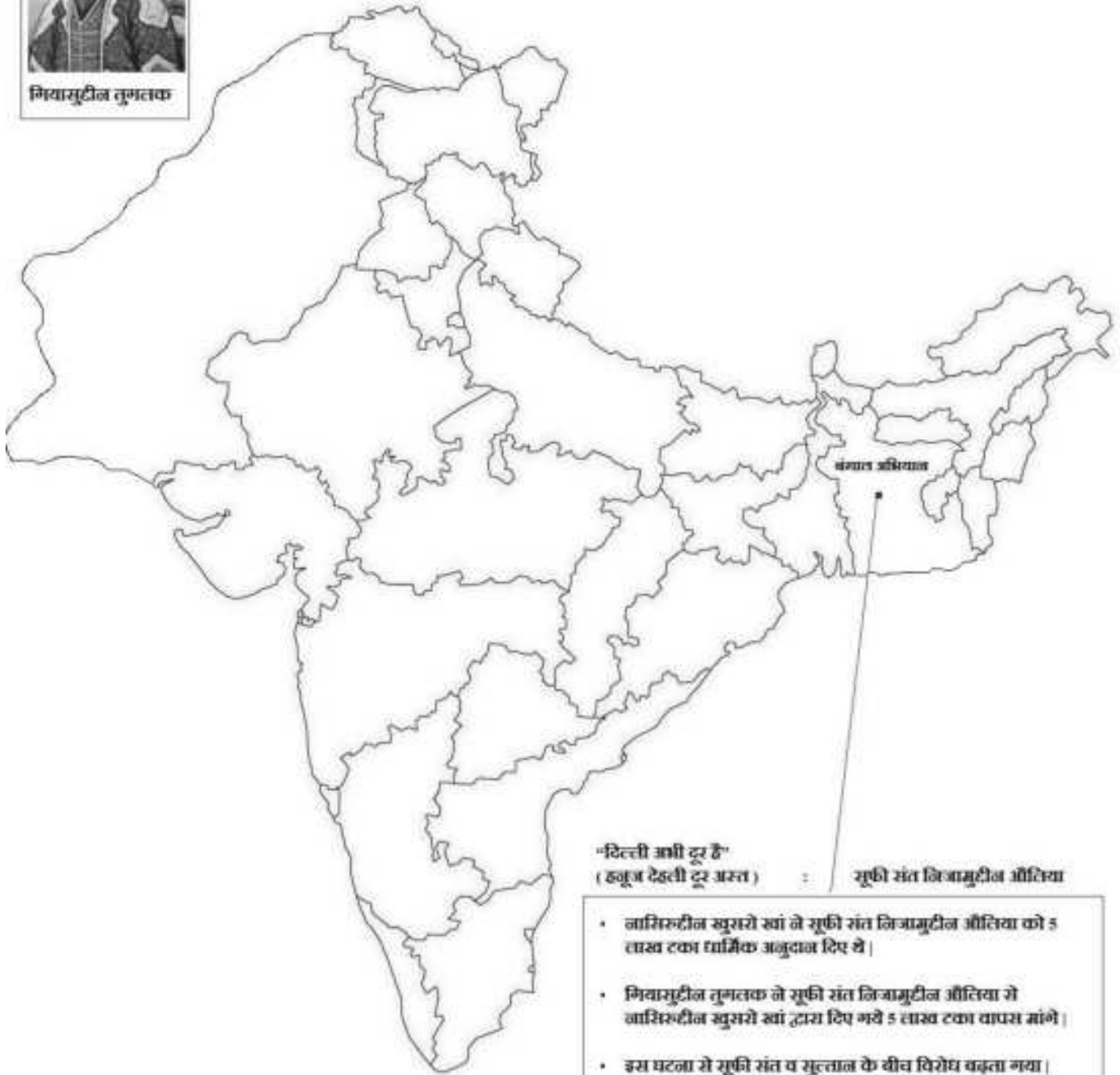
लामिस्टीन सुसरो सां की इत्या कर तुगलक वंश की स्थापना किया।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

गियासुद्दीन तुगलक शाह गाजी ( 1320 ई. - 1325 ई. )



गियासुद्दीन तुगलक



“दिल्ली अभी दूर है”

( हलूज देखती दूर अस्त )

:

सूफी संत निजामुद्दीन औलिया

- गियासुद्दीन खुररो खां ने सूफी संत निजामुद्दीन औलिया को 5 लाख टका धार्मिक अनुदान दिए थे।
- गियासुद्दीन तुगलक ने सूफी संत निजामुद्दीन औलिया से गियासुद्दीन खुररो खां टास दिए गये 5 लाख टका वापस मांगे।
- इस घटना से सूफी संत व सुल्तान के बीच विरोध बढ़ता गया।
- संग्राम अभियाण विजय के बाद गियासुद्दीन ने निजामुद्दीन औलिया को संदेश भेजा की उनके दिल्ली पहुँचने के पूर्व वह दिल्ली छोड़ दे।
- निजामुद्दीन औलिया ने उत्तर दिया - “दिल्ली अभी दूर है”

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

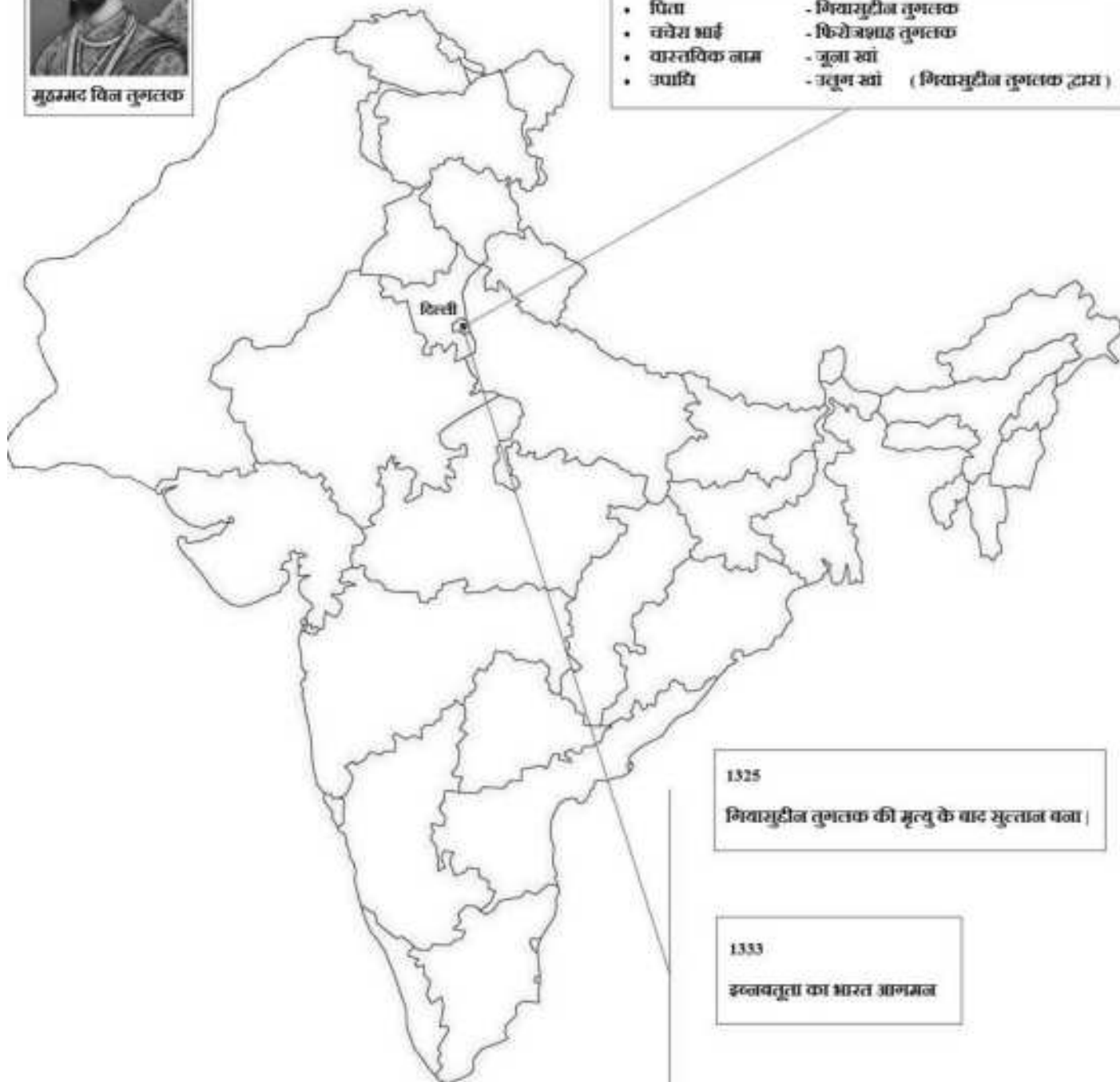
मुहम्मद बिन तुगलक : जूना खां (उलूग खां) ( 1325 ई. – 1351 ई. )



मुहम्मद बिन तुगलक

## सामान्य परिचय

- |                |   |
|----------------|---|
| • पिता         | - गियासुद्दीन तुगलक                     |
| • चचेरा भाई    | - फिरोजशाह तुगलक                        |
| • वास्तविक नाम | - जूना खां                              |
| • उपाधि        | - उलूग खां ( गियासुद्दीन तुगलक द्वारा ) |



1325

गियासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के बाद सुल्तान बना।

1333

इब्नबतूता का भारत आगमन

1351

स्वास्थ्य खराब होने से मृत्यु

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

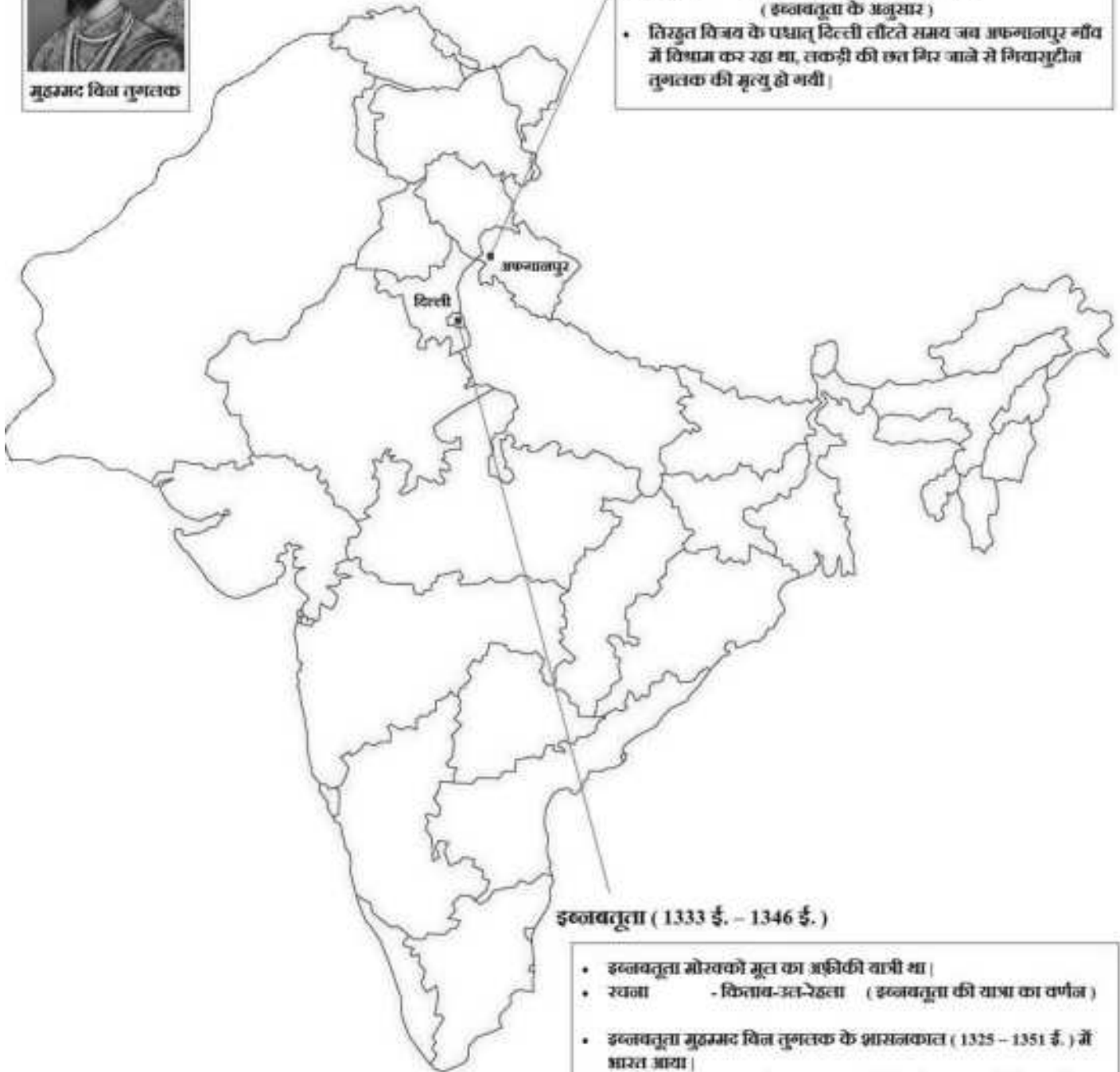
मुहम्मद बिन तुगलक : जूना खां ( उत्तूग खां ) ( 1325 ई. - 1351 ई. )



मुहम्मद बिन तुगलक

मुहम्मद बिन तुगलक का पड़यंत्र ( 1325 ई. )

- स्थान - अफगानपुर
- पड़यंत्र - गियासुद्दीन तुगलक की हत्या ( इब्नबतूता के अनुसार )
- तिरहुत विजय के पश्चात् दिल्ली लौटते समय जब अफगानपुर गाँव में विधाम कर रहा था, सकड़ी की छत गिर जाने से गियासुद्दीन तुगलक की मृत्यु हो गयी।



इब्नबतूता ( 1333 ई. - 1346 ई. )

- इब्नबतूता मोरक्को मूल का अफ्रीकी यात्री था।
- स्थान - किताब-अल-इक़्ता ( इब्नबतूता की यात्रा का वर्णन )
- इब्नबतूता मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल ( 1325 - 1351 ई. ) में भारत आया।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने इब्नबतूता को दिल्ली का काजी नियुक्त किया।
- 1342 ई. - सुल्तान का दूत बनाकर चीन भेजा।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

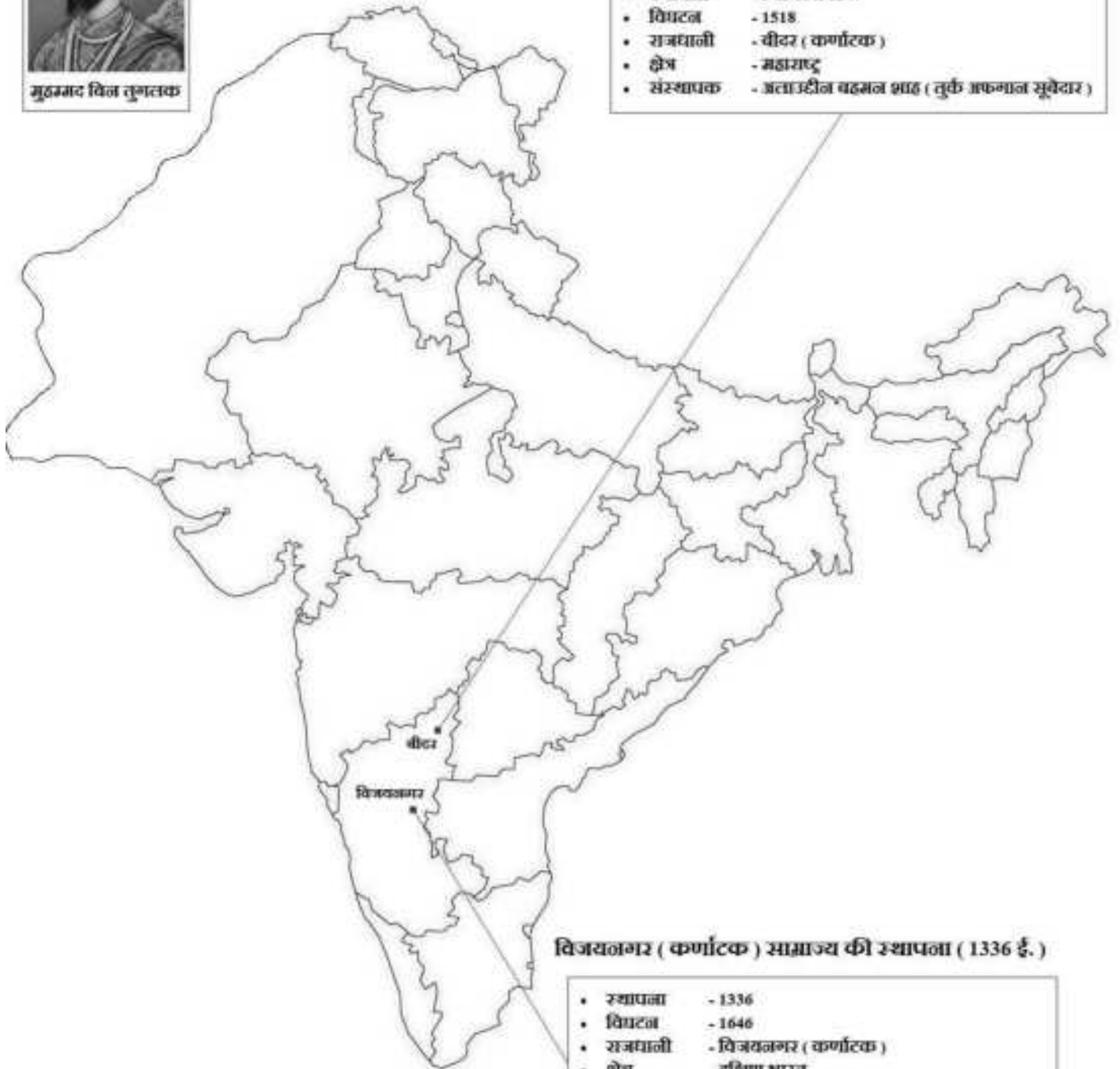
मुहम्मद बिन तुगलक : जूना खां (उलूग खां) ( 1325 ई. – 1351 ई. )



मुहम्मद बिन तुगलक

बहमनी साम्राज्य ( 1347 ई. )

- स्थापना - 3 अगस्त 1347
- विघटन - 1518
- राजधानी - बीदर ( कर्नाटक )
- क्षेत्र - महाराष्ट्र
- संस्थापक - अलाउद्दीन बहमन शाह ( तुर्क अफगान सूबेदार )



विजयनगर ( कर्नाटक ) साम्राज्य की स्थापना ( 1336 ई. )

- स्थापना - 1336
- विघटन - 1646
- राजधानी - विजयनगर ( कर्नाटक )
- क्षेत्र - दक्षिण भारत
- संस्थापक - हरिहर प्रथम व बुक्का राय प्रथम नामक दो भाई

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

मुहम्मद बिन तुगलक : जूना खां ( उलूग खां ) ( 1325 ई. – 1351 ई. )



मुहम्मद बिन तुगलक

दोआब क्षेत्र में कर

- कारण - विद्रोह का दमन करना
- परिणाम - असफल
- कारण - अकाल पड़ना

राजधानी परिवर्तन ( 1327 )

- 1327 - राजधानी दिल्ली से देवगिरी ( दौलताबाद ) स्थानांतरण
- कारण - मंगोल आक्रमण से सुरक्षा तथा देवगिरी का साम्राज्य के मध्य में होना
- परिणाम - असफल
- कारण - निर्यात रखना असंभव

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

मुहम्मद बिन तुगलक : जूना खां ( उलूग खां ) ( 1325 ई. – 1351 ई. )



मुहम्मद बिन तुगलक

कसाविल ( मध्य एशिया )

खुरसाना पर आक्रमण

खुरसान ( मध्य एशिया )

- योजना - खुरसान ( मध्य एशिया ) पर कब्जा करना
- कारण - खुरसान में अव्यवस्था
- कार्य - इसके लिए अतिरिक्त सेना का गठन कर 1 वर्ष का पैतल पेशवा में दे दिया ।
- परिणाम - असफल
- कारण - खुरसान में व्यवस्था कायम हो गयी ।

कसाविल अभियान

- कारण - विद्रोह का दमन करना
- परिणाम - असफल
- कारण - जल धन की कमी

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

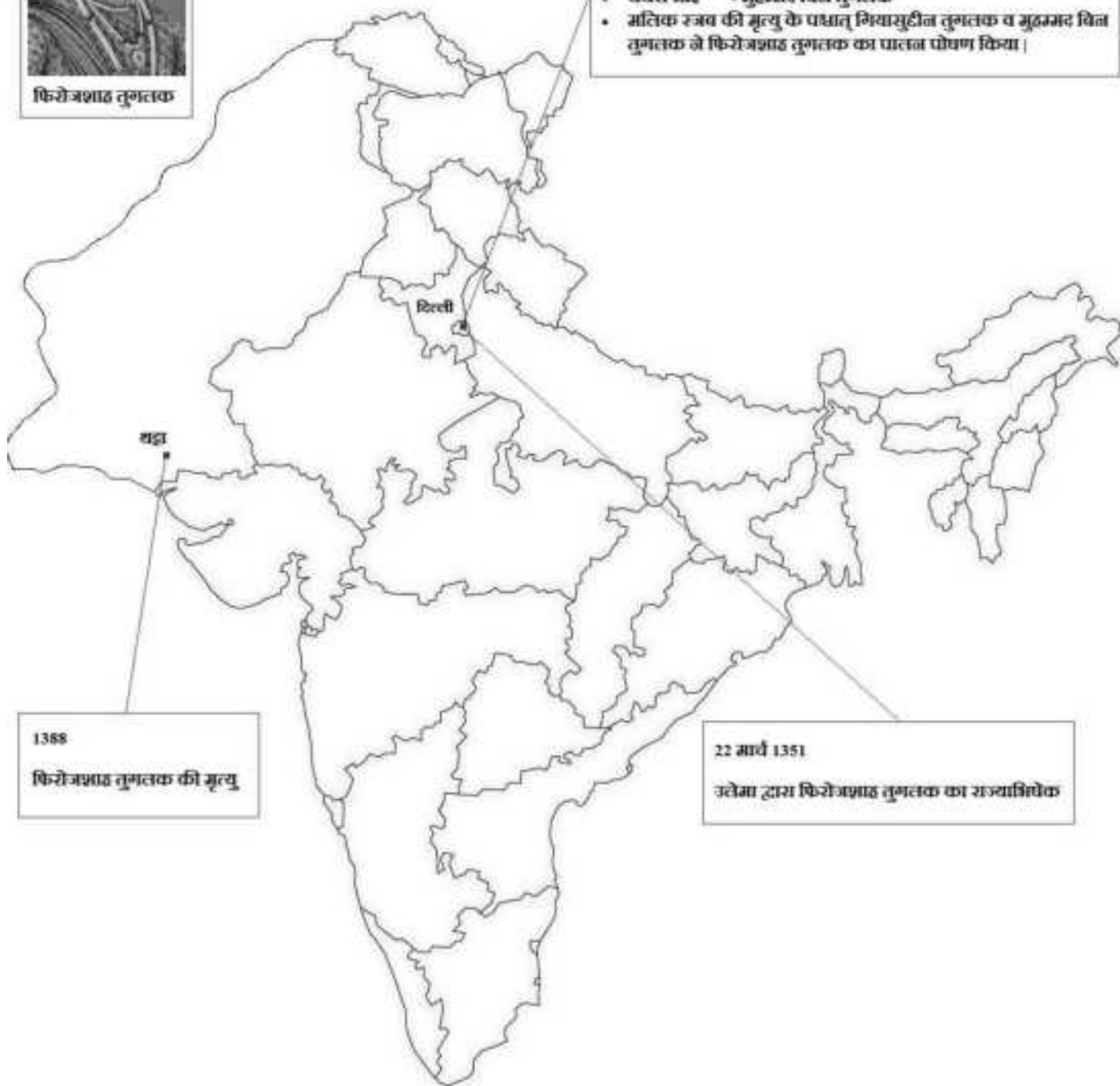
फिरोजशाह तुगलक ( 1351 ई. – 1388 ई. )



फिरोजशाह तुगलक

## पारिवारिक परिचय

- पिता - अलिक रजव
- पातक - गियासुद्दीन तुगलक + मुहम्मद बिन तुगलक
- चचेरा भाई - मुहम्मद बिन तुगलक
- अलिक रजव की मृत्यु के पश्चात् गियासुद्दीन तुगलक व मुहम्मद बिन तुगलक ने फिरोजशाह तुगलक का पालन पोषण किया।





# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---

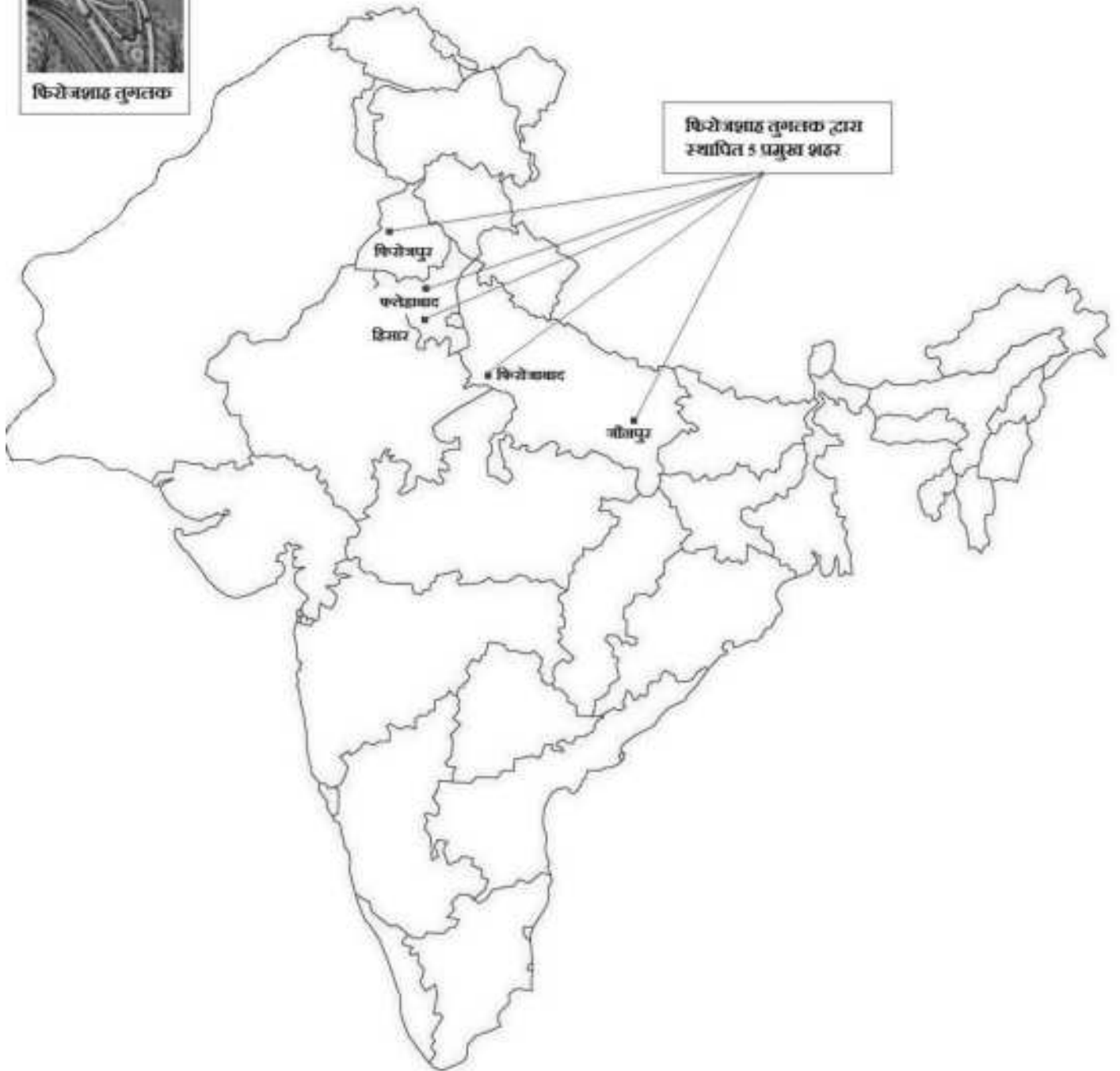
फिरोजशाह तुगलक ( 1351 ई. – 1388 ई. )

---



फिरोजशाह तुगलक

फिरोजशाह तुगलक द्वारा  
स्थापित 5 प्रमुख शहर



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## अशोक के स्तंभ लेख

- अशोक ने कुल लेख प्राप्त स्तंभों पर अस्कीर्ण करवाया जिसे स्तंभ लेख कहते हैं।
- अशोक के स्तंभ लेखों के 1 वर्ग।

1. बृहद स्तंभ लेख
2. लघु स्तंभ लेख

## बृहद स्तंभ लेख

- अशोक के बृहद स्तंभ लेख की संख्या : 7
- 7 बृहद स्तंभ लेख 6 भिन्न-भिन्न स्थलों से प्राप्त हुए हैं।

## दिल्ली - जैसल स्तंभ लेख

- प्रथम खोजा गया बृहद स्तंभ लेख : दिल्ली - जैसल स्तंभ लेख
  - खोज वर्ष : 1750 ई.
  - खोजकर्ता : विलियम स्मिथ
- दिल्ली - जैसल स्तंभ लेख में अशोक के सातों स्तंभ लेखों का वर्णन मिलता है। जबकि शेष स्थलों से प्राप्त स्तंभ लेखों में 6 स्तंभ लेखों का वर्णन मिलता है।

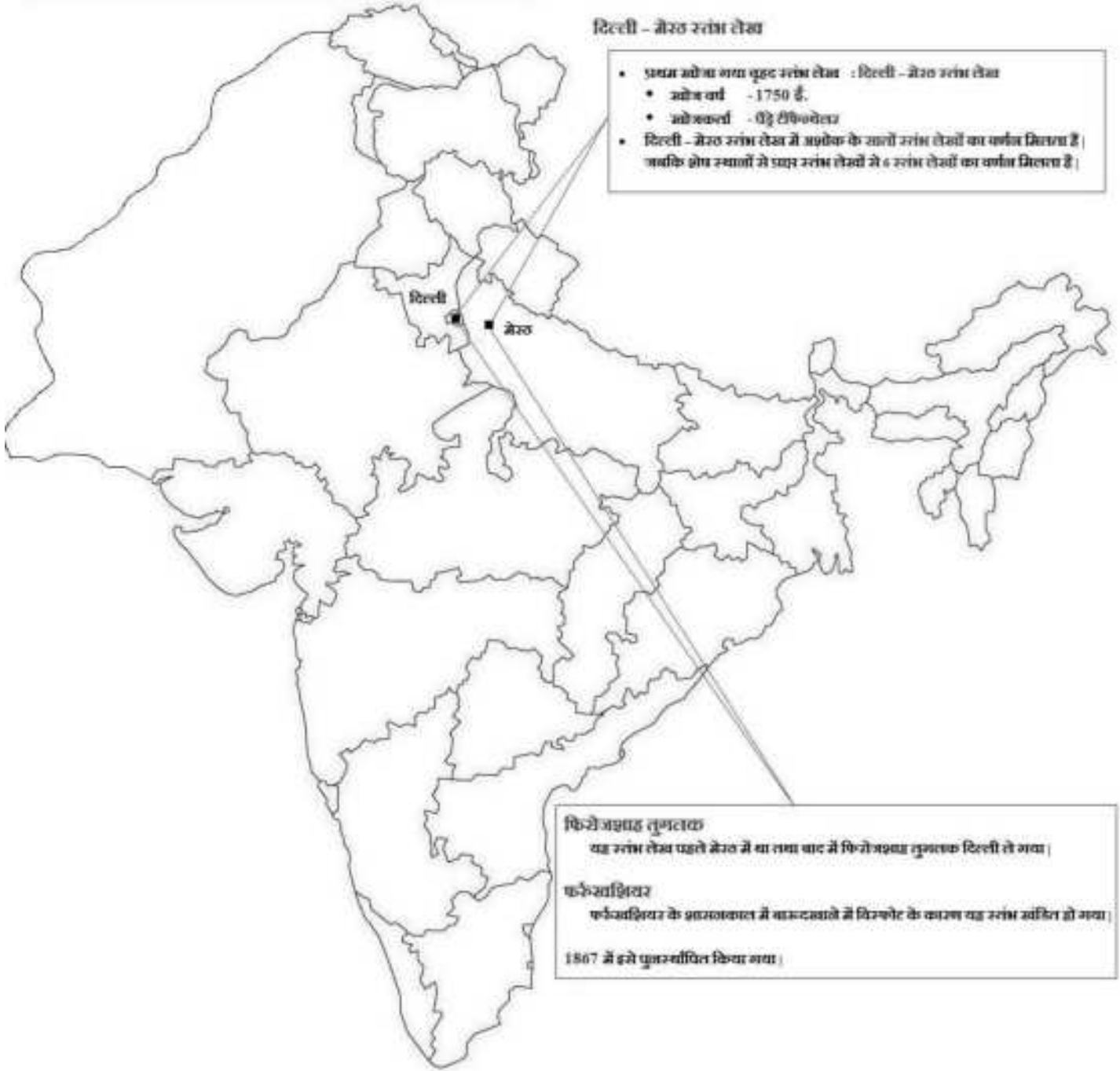
## फिरोजशाह तुगलक

यह स्तंभ लेख पहले जैसल में था तथा बाद में फिरोजशाह तुगलक दिल्ली ले गया।

## फर्ग्युसॉनियर

फर्ग्युसॉनियर के प्रसंगानुसार में वास्तविकता में विस्फोट के कारण यह स्तंभ खंडित हो गया।

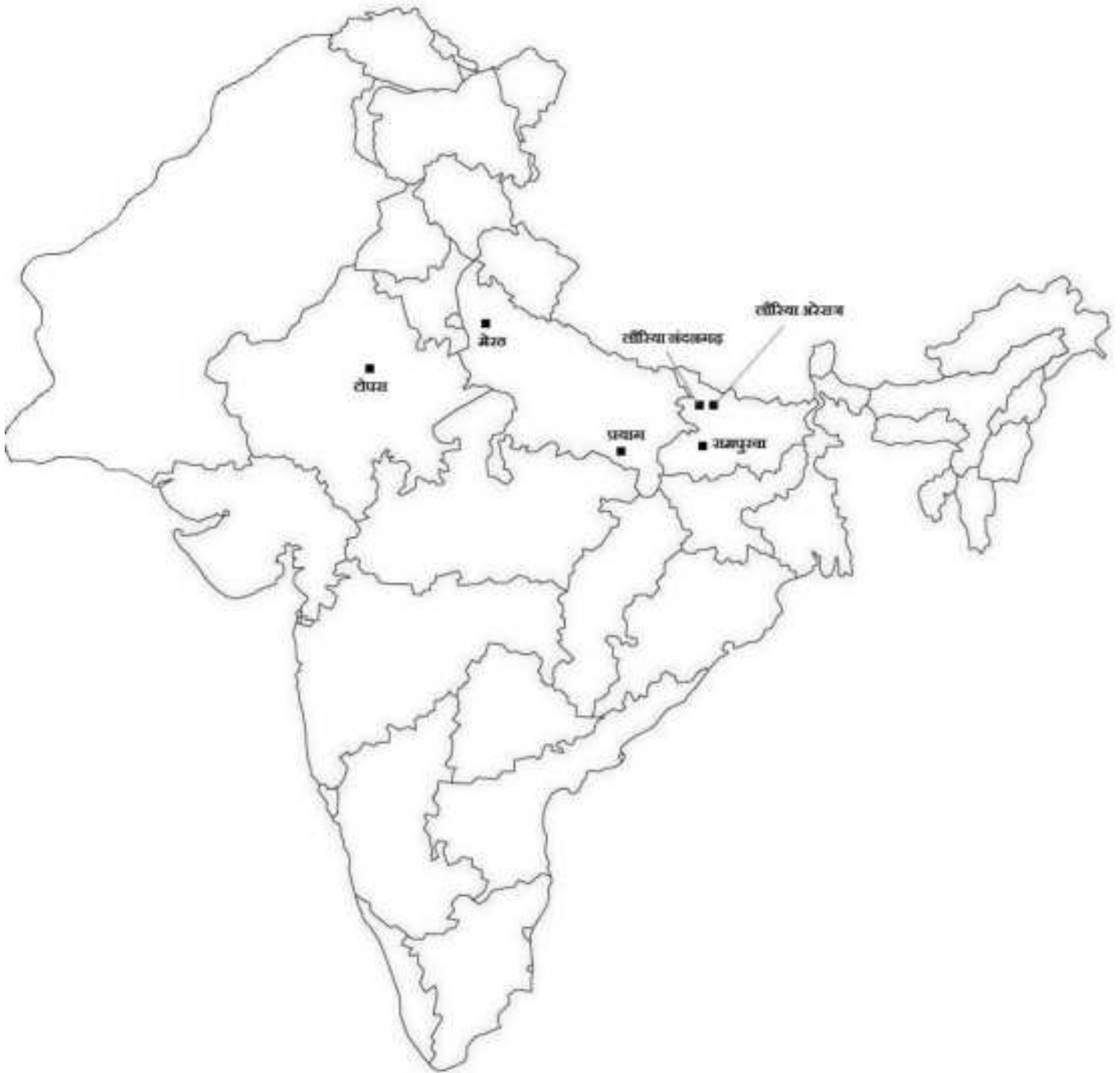
1867 में इसे पुनर्स्थापित किया गया।



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## बृहद स्तंभ लेख

- भारतीय के बृहद स्तंभ लेख की संख्या : 7
- 7 बृहद स्तंभ लेख 6 शिल – शिल स्तंभों से प्राप्त हुए हैं।



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

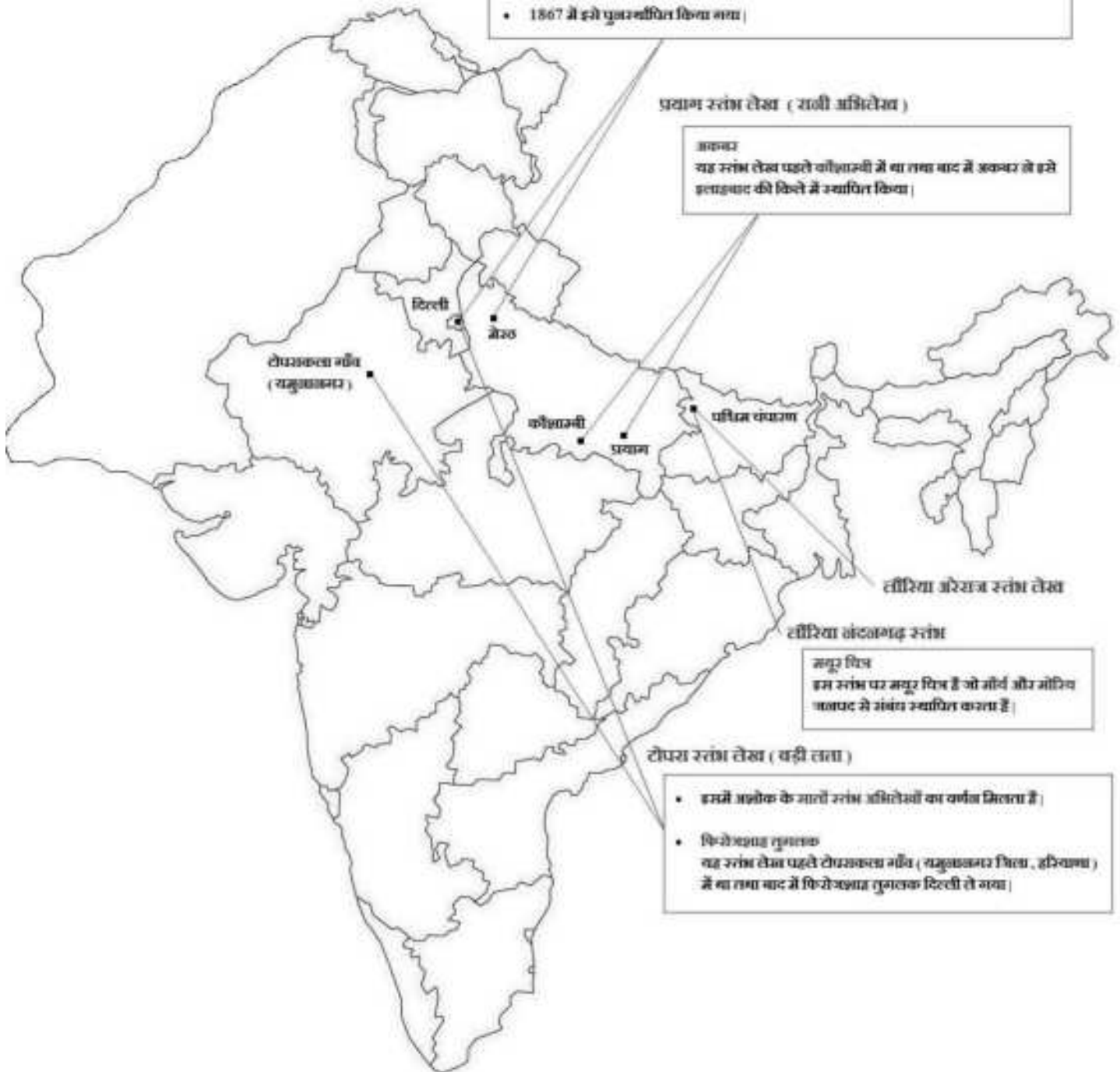
## बृहद स्तंभ लेख

### मेरु स्तंभ लेख ( छोटी तला )

- फिरोजशाह तुगलक  
यह स्तंभ लेख पहले मेरु में था तथा बाद में फिरोजशाह तुगलक दिल्ली ले गया।
- फरिश्तशियर  
फरिश्तशियर के शासनकाल में सऊदनाले में फिरफोट के कबरन यह स्तंभ स्थित हो गया।
- 1867 में इसे पुनरुत्थित किया गया।

### प्रयाग स्तंभ लेख ( यानी अभिलेख )

अकबर  
यह स्तंभ लेख पहले कौशांबी में था तथा बाद में अकबर ले इसे इलाहाबाद की किले में स्थापित किया।

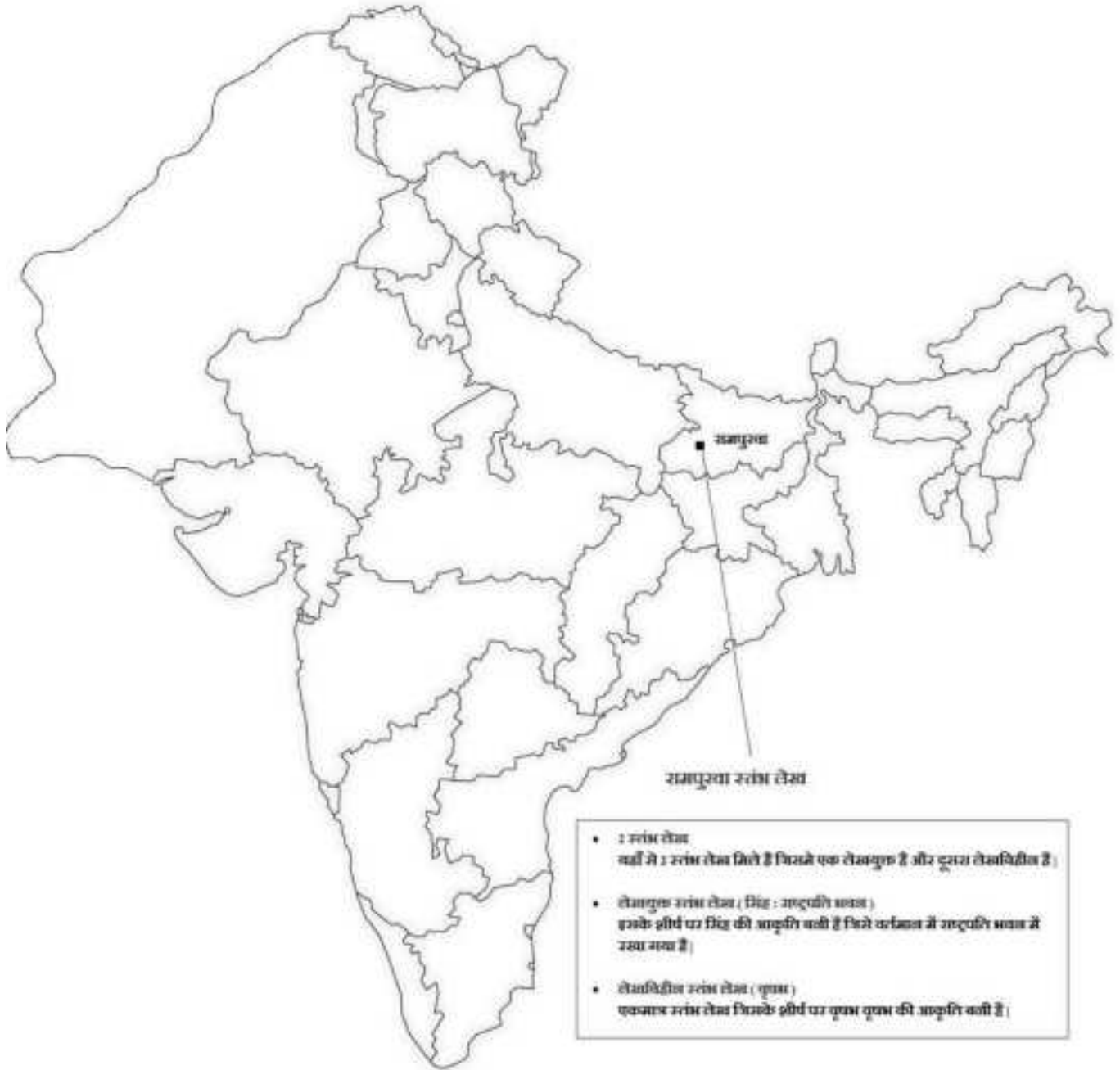


### टोपरा स्तंभ लेख ( बड़ी तला )

- इसमें अशोक के मार्वी स्तंभ अभिलेखों का वर्णन मिलता है।
- फिरोजशाह तुगलक  
यह स्तंभ लेख पहले टोपराकला गौव ( यमुनाकनर गिला , हरियाणा ) में था तथा बाद में फिरोजशाह तुगलक दिल्ली ले गया।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## चूहद स्तंभ लेख



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

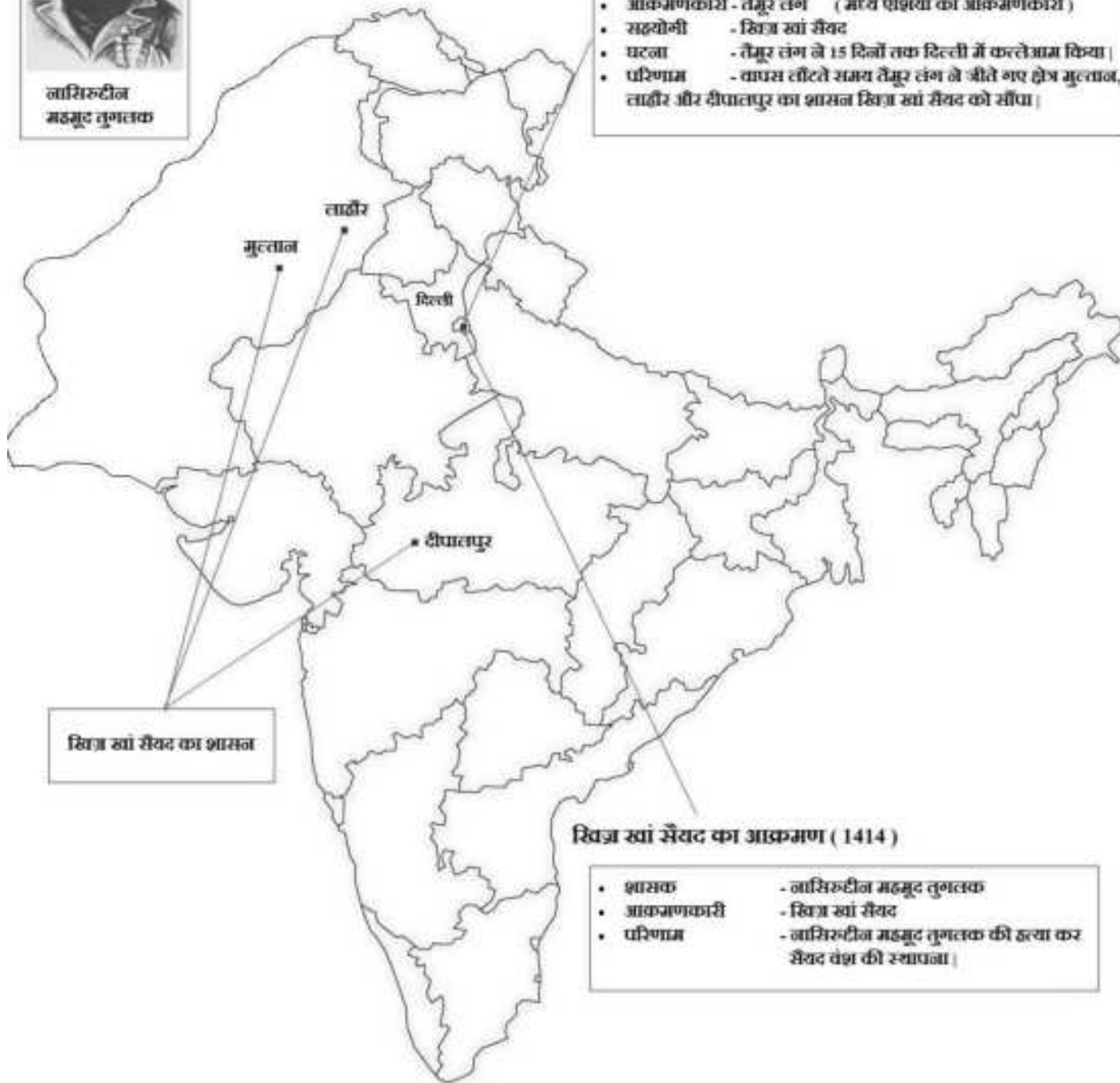
नासिरुद्दीन महमूद तुगलक : अंतिम शासक ( 1394 ई. – 1413 ई. )



नासिरुद्दीन  
महमूद तुगलक

तैमूर का आक्रमण ( 1398 )

- शासक - नासिरुद्दीन महमूद तुगलक
- आक्रमणकारी - तैमूर लंग ( मध्य एशिया का आक्रमणकारी )
- सहयोगी - खिज़्र खां सैयद
- घटना - तैमूर लंग ने 15 दिनों तक दिल्ली में कत्लेआम किया।
- परिणाम - वापस लौटते समय तैमूर लंग ने जीते गए क्षेत्र मुल्तान, लाहौर और दीपावपुर का शासन खिज़्र खां सैयद को सौंपा।



खिज़्र खां सैयद का शासन

खिज़्र खां सैयद का आक्रमण ( 1414 )

- शासक - नासिरुद्दीन महमूद तुगलक
- आक्रमणकारी - खिज़्र खां सैयद
- परिणाम - नासिरुद्दीन महमूद तुगलक की हत्या कर सैयद वंश की स्थापना।

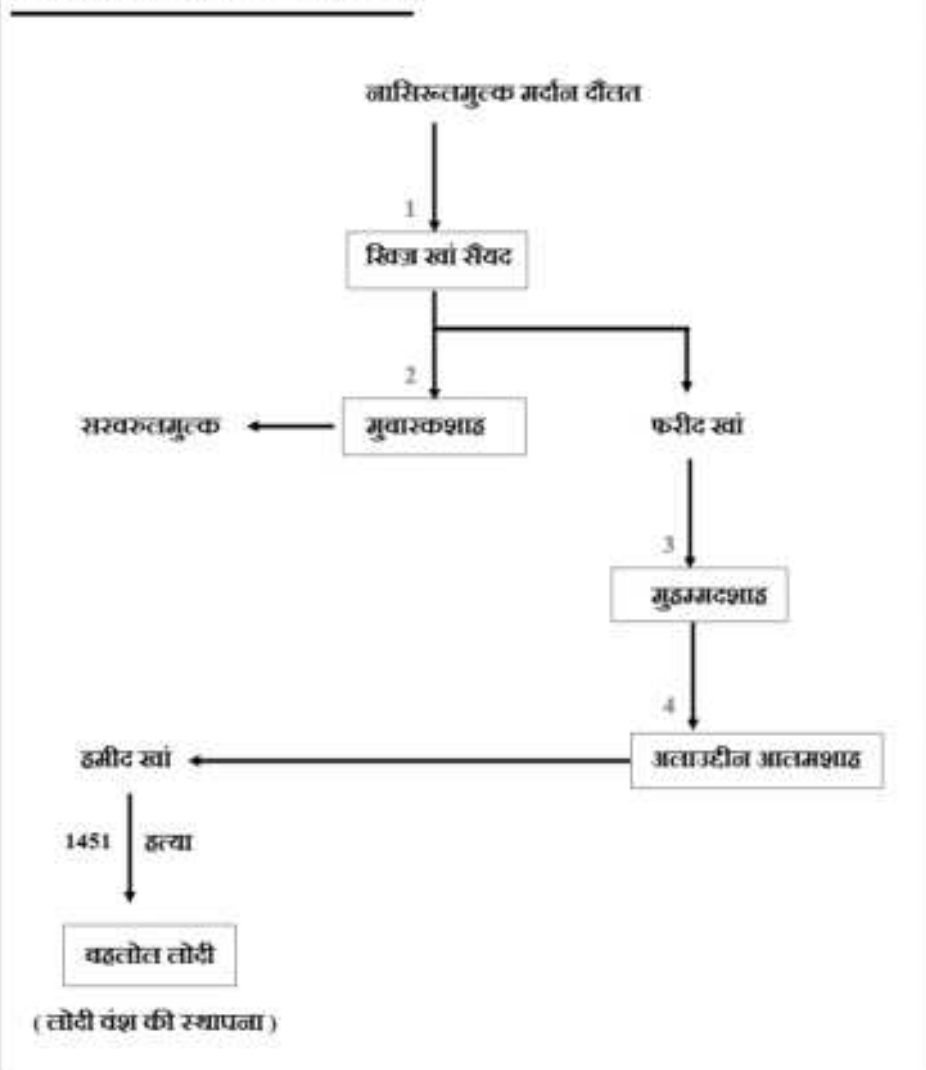
## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### सैयद वंश ( 1414 ई. – 1451 ई. )

- सैयद वंश स्वयं को इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगम्बर मुहम्मद का वंशज मानते थे।
- दिल्ली सल्तनत में शासन करने वाला एकमात्र शिया वंश
- संस्थापक - खिज़्र खां सैयद
- अंतिम शासक - अलाउद्दीन आलमशाह

क्र.	शासक	शासनकाल	विशेष
1	खिज़्र खां सैयद	1414 ई. – 1421 ई.	▪ रैयत – ए – आला की उपाधि धारण किया।
2	मुबारकशाह	1421 ई. – 1434 ई.	▪ सैयद वंश का सबसे महान शासक ▪ सैयद वंश में सुल्तान की उपाधि धारण करने वाला प्रथम शासक
3	मुहम्मदशाह	1434 ई. – 1443 ई.	▪ सैयद वंश का अयोग्य शासक
4	अलाउद्दीन आलमशाह	1443 ई. – 1451 ई.	▪ सैयद वंश का सर्वाधिक अयोग्य शासक

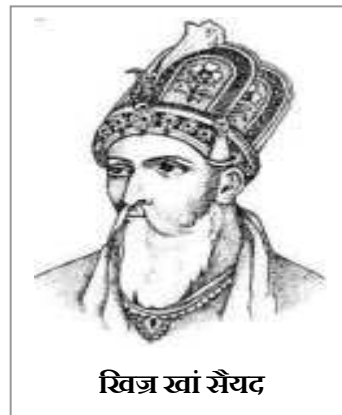
### सैयद वंश ( 1414 ई. – 1451 ई. )



### खिज़्र खां सैयद ( 1414 ई. – 1421 ई. )

#### पारिवारिक परिचय

- पिता - नासिरुलमुल्क मर्दान दौलत
- पुत्र - मुबारकशाह + फरीद खां



खिज़्र खां सैयद

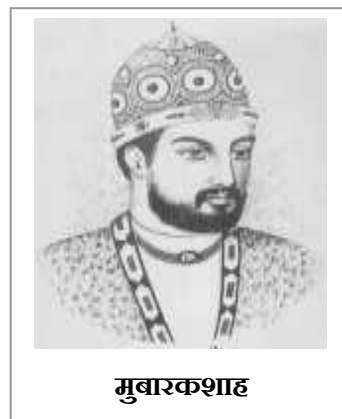
#### महत्वपूर्ण तथ्य

तथ्य	विवरण
रैयत - ए - आला	<ul style="list-style-type: none"><li>• खिज़्र खां ने सुल्तान की उपाधि धारण नहीं की।</li><li>• उसने रैयत - ए - आला की उपाधि धारण किया।</li></ul>
तुगलक नामयुक्त सिक्का	<ul style="list-style-type: none"><li>• सिक्कों पर तुगलक शासकों का नाम उत्कीर्ण करवाया।</li></ul>
तैमूर की अधीनता	<ul style="list-style-type: none"><li>• तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया तथा खिज़्र खां सैयद ने उसकी सहायता की तथा उसकी अधीनता स्वीकार किया।</li><li>• तैमूर के पुत्र एवं उत्तराधिकारी शाहरुख को नियमित कर भेजते रहे।</li></ul>

### मुबारकशाह ( 1421 ई. – 1434 ई. )

#### पारिवारिक परिचय

- पिता - खिज़्र खां सैयद
- भतीजा - मुहम्मदशाह
- वजीर ( मंत्री ) - सरवरुलमुल्क



मुबारकशाह

#### महत्वपूर्ण तथ्य

- मुबारकशाह - सैयद वंश का सबसे महान शासक

तथ्य	विवरण
रैयत - ए - आला	<ul style="list-style-type: none"><li>• मुबारकशाह ने रैयत - ए - आला की उपाधि धारण नहीं किया।</li><li>• उसने सुल्तान की उपाधि धारण किया।</li></ul>
तुगलक नामयुक्त सिक्का	<ul style="list-style-type: none"><li>• मुबारकशाह ने सिक्कों से तुगलक शासकों के नाम हटवाया।</li></ul>
वाहिया - बिन - अहमद सरहिंदी	<ul style="list-style-type: none"><li>• मुबारकशाह के समकालीन इतिहासकार</li><li>• रचना : तारीख - ए - मुबारकशाही</li></ul>



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

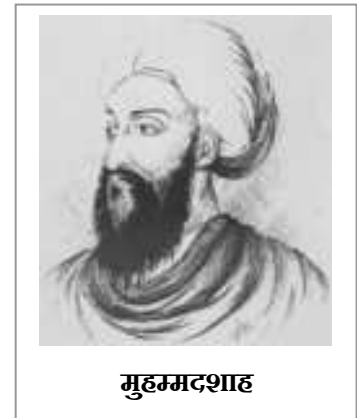
## घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1421	दिल्ली	सुल्तान की उपाधि धारण कर राज्याभिषेक करवाया
1433	हरियाणा	मुबारकबाद शहर बसाया
19 फरवरी 1434	दिल्ली	सरवरुलमुल्क ने धोखे से सिद्धपाल नामक व्यक्ति द्वारा हत्या करवाया

## मुहम्मदशाह ( 1434 ई. – 1443 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - फरीद खां
- चाचा - मुबारकशाह
- वजीर ( मंत्री ) - सरवरुलमुल्क



### महत्वपूर्ण तथ्य

- मुहम्मद शाह - एक अयोग्य शासक
- सरवरुलमुल्क - शासन का वास्तविक नियंत्रण सरवरुलमुल्क के पास था |

### मुहम्मदशाह द्वारा उपाधियाँ

क्र.	प्राप्तकर्ता	उपाधि	विशेष
1	सरवरुलमुल्क	खान – ए – जहाँ	मुबारकशाह के हत्यारे
2	मीरनसद	मुईन – उल – मुल्क	
3	कमाल खां	कमाल – उल – मुल्क	
4	बहलोल लोदी	खान – ए – खाना	मुल्तान के सूबेदार ( अफगान सरदार )

## घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1434	दिल्ली	मुबारकशाह की हत्या के बाद शासक बना
1443	दिल्ली	स्वास्थ्य खराब होने से मृत्यु

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

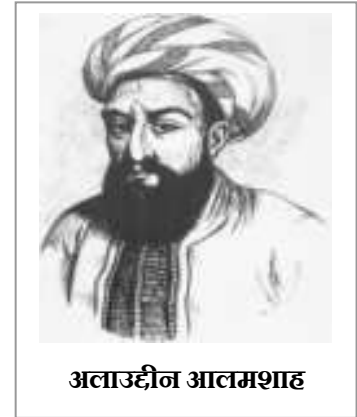
## अलाउद्दीन आलमशाह ( 1443 ई. – 1451 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - मुहम्मदशाह
- वजीर ( मंत्री ) - हमीद खां

### महत्वपूर्ण तथ्य

- सैयद वंश का सर्वाधिक अयोग्य शासक
- सैयद वंश का अंतिम शासक
- इसके समय में एक कहावत लोकप्रिय हुई :  
“देखो शाह – ए – आलम का राज्य दिल्ली से पालम तक”

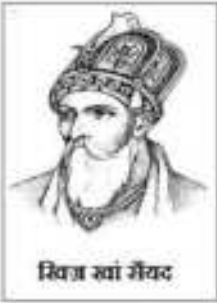


### घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1443	दिल्ली	अलाउद्दीन आलमशाह शासक बना
1447	बदायूं ( उत्तरप्रदेश )	अलाउद्दीन आलमशाह राज्य का त्यागकर बदायूं चला और कभी दिल्ली वापस नहीं आया
1451	दिल्ली	बहलोल लोदी ने हमीद खां की हत्या कर लोदी वंश की स्थापना किया
	हरियाणा	नरेला का युद्ध
1456	बदायूं ( उत्तरप्रदेश )	अलाउद्दीन आलमशाह की मृत्यु

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

खिज़्र खां सैयद ( 1414 ई. – 1421 ई. )



## पारिवारिक परिचय

- पिता - लसिरुतमुल्क मदीन दौलत
- पुत्र - मुवास्कशाह

## इरयत - प - आला

- खिज़्र खां ने मुल्तान की उपाधि धारण नहीं की।
- उसने रैयत - प - आला की उपाधि धारण किया।

## तुगलक नामयुक्त सिक्का

## तैमूर की अधीनता

- तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया तथा खिज़्र खां सैयद ने उसकी सहायता की तथा उसकी अधीनता स्वीकार किया।
- तैमूर के पुत्र एवं उत्तराधिकारी शहरोस को नियमित कर भेजते रहे।

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

मुबारकशाह ( 1421 ई. – 1434 ई. )



## पारिवारिक परिचय

- |           |                 |
|-----------|-----------------|
| • पिता    | - शिखर खां सैयद |
| • भतीजा   | - मुहम्मदशाह    |
| • सेनापति | - सखरुलमुहक     |

## रैखत - प - आला

- मुबारकशाह ने रैखत - प - आला की उपाधि धारण नहीं किया।
- उसने मुल्तान की उपाधि धारण किया।

## तुगलक नामयुक्त सिक्का

मुबारकशाह ने सिक्कों से तुगलक शासकों के नाम दटवाया।

## वाहिया - खिल - अहमद सरहिंदी

- मुबारकशाह के समकालीन इतिहासकार
- रचना : तारीख - प - मुबारकशाही

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

मुबारकशाह ( 1421 ई. - 1434 ई. )

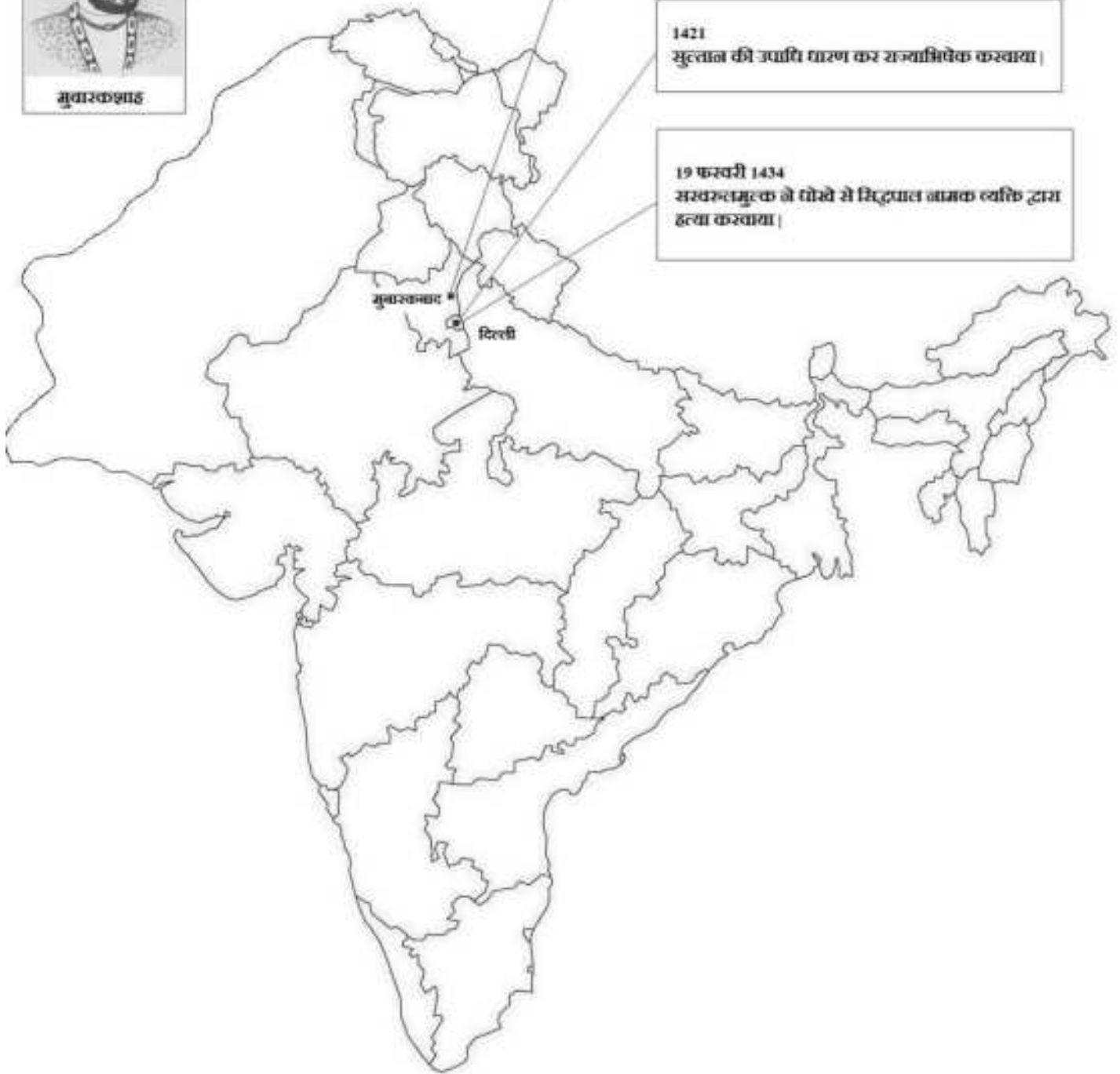


मुबारकशाह

1433  
मुबारकनाद शहर बसाया।

1421  
सुल्तान की उपारी धारण कर राज्याभिषेक कराया।

19 फरवरी 1434  
सख्तनामूक ने घोड़े से सिट्पात नामक व्यक्ति द्वारा  
हत्या कराया।



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

मुहम्मदशाह ( 1434 ई. – 1443 ई. )



## पारिवारिक परिचय

- पिता - फरीद खां
- चाचा - मुबारकशाह
- वजीर (मंत्री) - सय्यरुतमुल्क

- मुहम्मद शाह - एक अत्यन्त शासक
- सय्यरुतमुल्क - शासन का वास्तविक नियंत्रण

## मुहम्मदशाह द्वारा उपाधियाँ

प्राप्तकर्ता	उपाधि	विशेष
सय्यरुतमुल्क	खान - प - जही	मुबारकशाह के हत्यारे
मीरनसद	मुईन - उत - मुल्क	
कजात खां	कजात - उत - मुल्क	
बहलोल लोदी	खान - प - खाना	मुल्तान के सूबेदार ( अफगान सरदार )

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

---

मुहम्मदशाह ( 1434 ई. – 1443 ई. )



मुहम्मदशाह

1434

मुबारकशाह की हत्या के बाद शासक बना।

1443

स्वास्थ्य खराब होने से मृत्यु

दिल्ली

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन आलमशाह ( 1443 ई. - 1451 ई. )



## पारिवारिक परिवार

- पिता - मुहम्मदशाह
- वजीर ( मंत्री ) - इजीद खां

- सैयद वंश का सर्वाधिक अयोग्य शासक
- सैयद वंश का अंतिम शासक
- इसके समय में एक कहावत लोकप्रिय हुई :  
"देखो शाह - ए - आलम का राज्य दिल्ली से पालम तक"



## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

अलाउद्दीन आलमशाह ( 1443 ई. – 1451 ई. )



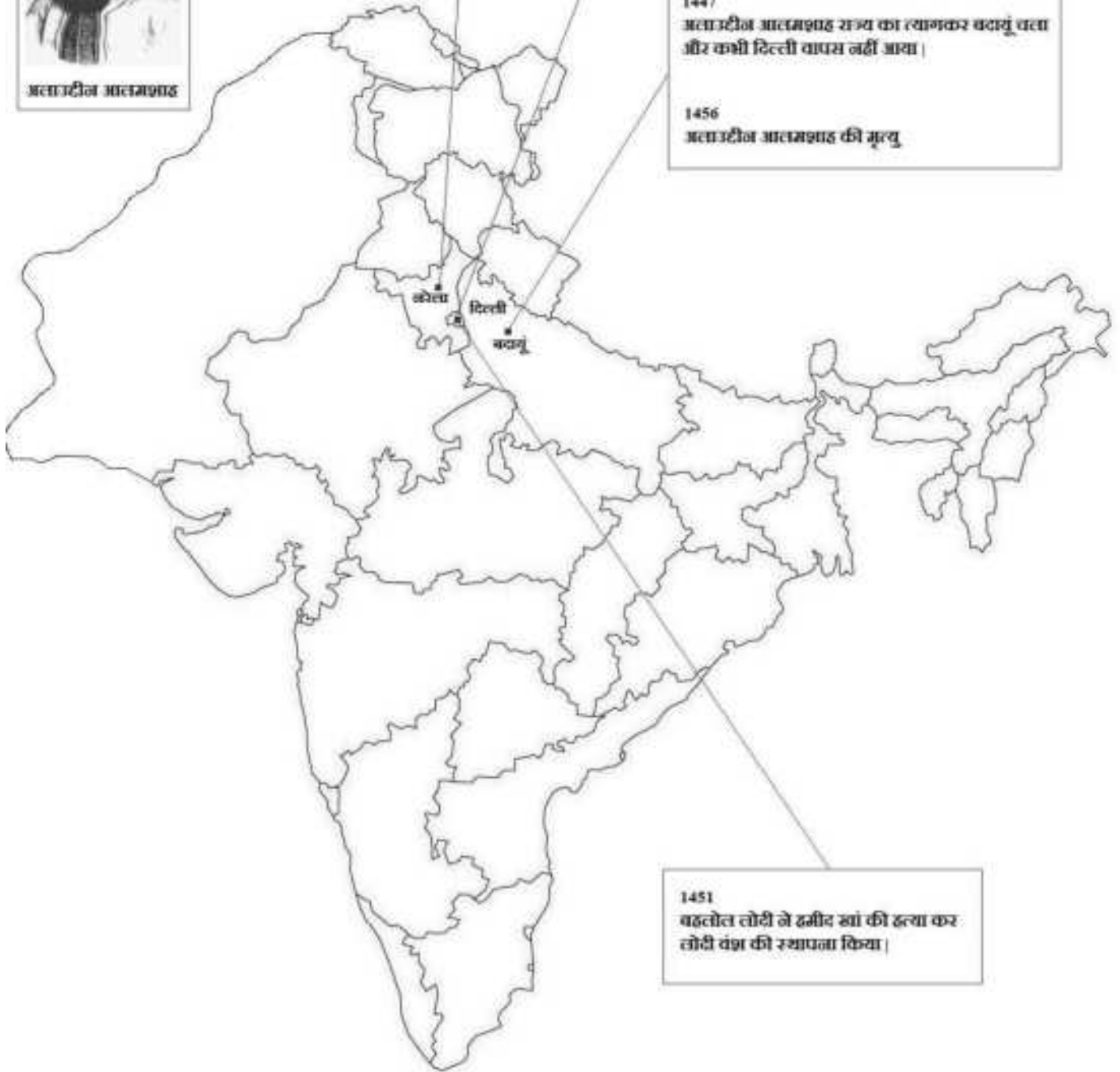
1451  
लखनौ का युद्ध

1443  
अलाउद्दीन आलमशाह शासक बना।

1447  
अलाउद्दीन आलमशाह राज्य का त्यागकर बदायूँ चला  
और कभी दिल्ली वापस नहीं आया।

1456  
अलाउद्दीन आलमशाह की मृत्यु

1451  
बहलोल लोदी ने हमीद खां की हत्या कर  
लोदी वंश की स्थापना किया।



## लोदी वंश ( प्रथम अफगान शासन ) ( 1451 ई. – 1526 ई. )

- दिल्ली सल्तनत पर शासन करने वाला प्रथम अफगान वंश
- दिल्ली सल्तनत पर शासन करने वाला अंतिम वंश
- संस्थापक - बहलोल लोदी
- अंतिम शासक - इब्राहीम लोदी

क्र.	शासक	शासनकाल	विशेष
1	बहलोल लोदी	1451 ई. – 1489 ई.	<ul style="list-style-type: none"> <li>दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक समय ( 38 वर्ष ) तक शासन करने वाला शासक</li> </ul>
2	निजाम खां सिकंदर लोदी	1489 ई. – 1517 ई.	<ul style="list-style-type: none"> <li>लोदी वंश का सर्वश्रेष्ठ शासक</li> </ul>
3	इब्राहीम लोदी	1517 ई. – 1526 ई.	<ul style="list-style-type: none"> <li>पानीपत का प्रथम युद्ध ( 21 अप्रैल 1526 )</li> <li>रणभूमि में वीरगति को प्राप्त होने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक</li> <li>दिल्ली सल्तनत व लोदी वंश का अंतिम शासक</li> </ul>

### लोदी वंश ( प्रथम अफगान शासन ) ( 1451 ई. – 1526 ई. )

मतिक बहराम

मतिक काला

मतिक सुल्तानशाह

1

बहलोल लोदी

जैवन्द ( सुनार की पुत्री )

2

निजाम खां सिकंदर लोदी

आलम खां

दौलत खां

3

इब्राहिम लोदी

जलाल खां

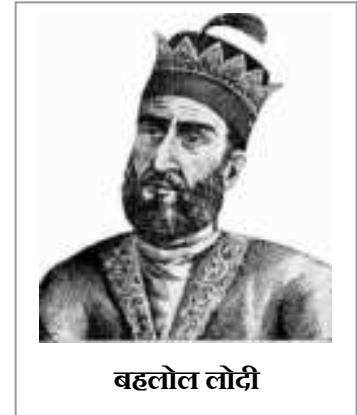
( दिल्ली )

( जौनपुर )

## बहलोल लोदी ( 1517 ई. – 1526 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पितामह - मलिक बहराम
- पिता - मलिक काला
- चाचा - मलिक सुल्तानशाह ( पालक )
- पत्नी - जैबनद ( सुनार की पुत्री )
- पुत्र - निजाम खां सिकंदर लोदी



### महत्वपूर्ण तथ्य

- दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक समय ( 38 वर्ष ) तक शासन करने वाला शासक
- बहलोल लोदी राजदरबार में न बैठकर, अपने दरबारियों के बीच बैठता था |

### घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
1451	हरियाणा	नरेला का युद्ध
19 अप्रैल 1451	दिल्ली	बहलोल लोदी का राज्याभिषेक
12 जून 1489	ग्वालियर	ग्वालियर अभियान से लौटते समय लू लगने से मृत्यु

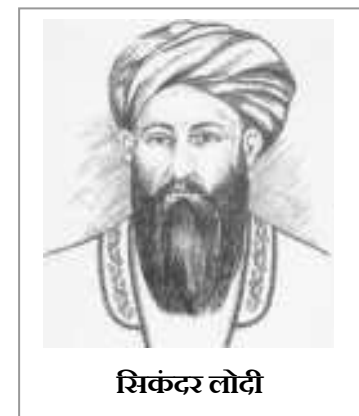
### नरेला का युद्ध ( 1451 )

- बहलोल लोदी Vs महमूदशाह ( अलाउद्दीन आलमशाह का दामाद )
- विजेता - बहलोल लोदी
- नरेला - पानीपत के पास स्थित एक स्थल
- बीबी राजी - अलाउद्दीन आलमशाह की पुत्री

## सिकंदर लोदी ( 1489 ई. – 1517 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - बहलोल लोदी
- माता - जैबनद ( सुनार की पुत्री )
- पुत्र - इब्राहिम लोदी + जलाल खां
- वास्तविक नाम - निजाम खां



# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## महत्वपूर्ण तथ्य

- लोदी वंश का सर्वश्रेष्ठ शासक

कार्य	विवरण
गज – ए – सिकंदरी	भूमि मापन हेतु पैमाना
गुलरुखी	फ़ारसी कविता का लेखन

## घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
16 जुलाई 1489	दिल्ली	सिकंदर लोदी का राज्याभिषेक
1504	आगरा	आगरा शहर बसाया
1506	आगरा	आगरा को अपनी उपराजधानी बनाया
21 नवम्बर 1513	दिल्ली	गले की बीमारी से मृत्यु

## आगरा शहर

- स्थापना - 1504
- संस्थापक - सिकंदर लोदी
- 1506 - सिकंदर लोदी की उपराजधानी ( पहली बार आगरा राजधानी बना )
- 1526 - बाबर की उपराजधानी ( दूसरी बार आगरा राजधानी बना )

## इब्राहिम लोदी ( 1517 ई. – 1526 ई. )

### पारिवारिक परिचय

- पिता - सिकंदर लोदी
- भाई - जलाल खां
- वास्तविक नाम - निजाम खां

## महत्वपूर्ण तथ्य

- सिकंदर की मृत्यु के बाद गृह युद्ध से बचने के लिए अफगान – अमीरों ने दिल्ली में इब्राहिम लोदी तथा जौनपुर में जलाल खां को शासक बनाया ।
- रणभूमि में वीरगति को प्राप्त होने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक
- दिल्ली सल्तनत व लोदी वंश का अंतिम शासक



इब्राहिम लोदी

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## घटनाक्रम

वर्ष	स्थान	घटना
12 नवम्बर 1517	दिल्ली	इब्राहिम लोदी का राज्याभिषेक
1518	खातोली	खातोली का युद्ध
21 अप्रैल 1526	पानीपत	पानीपत का प्रथम युद्ध

## खातोली का युद्ध ( 1518 )

- इब्राहिम लोदी Vs राणा सांगा
- विजेता - राणा सांगा ( मेवाड़ का शासक )

## पानीपत का प्रथम युद्ध ( 21 अप्रैल 1526 )

- इब्राहिम लोदी Vs बाबर ( राणा सांगा + आलम खां + दौलत खां )
- विजेता - बाबर
- परिणाम - रणभूमि में बहलोल लोदी की मृत्यु  
- दिल्ली सल्तनत एवं लोदी वंश का अंत तथा मुगल साम्राज्य का प्रारंभ
- सहयोग - इस युद्ध में मेवाड़ का शासक **राणा सांगा** , इब्राहिम लोदी का चाचा **आलम खां** व **दौलत खां लोदी** ने बाबर को सहयोग किया |
- **चांदी का सिक्का** - इस जीत के बाद काबुल के प्रत्येक परिवार को चांदी का एक-एक सिक्का भेंट में दिया गया |
- **कलन्दर** - इस दानशीलता के कारण बाबर को **कलन्दर** की उपाधि दी गयी |
- **तोप** - पानीपत के प्रथम युद्ध में पहली बार बाबर ने **तोप** का प्रयोग किया तथा **तुलगमा युद्ध नीति** ( घुड़सवार सेना ) अपनाया |
- बाबर के दो प्रमुख तोप संचालक - **उस्ताद अली + मुस्तफा**

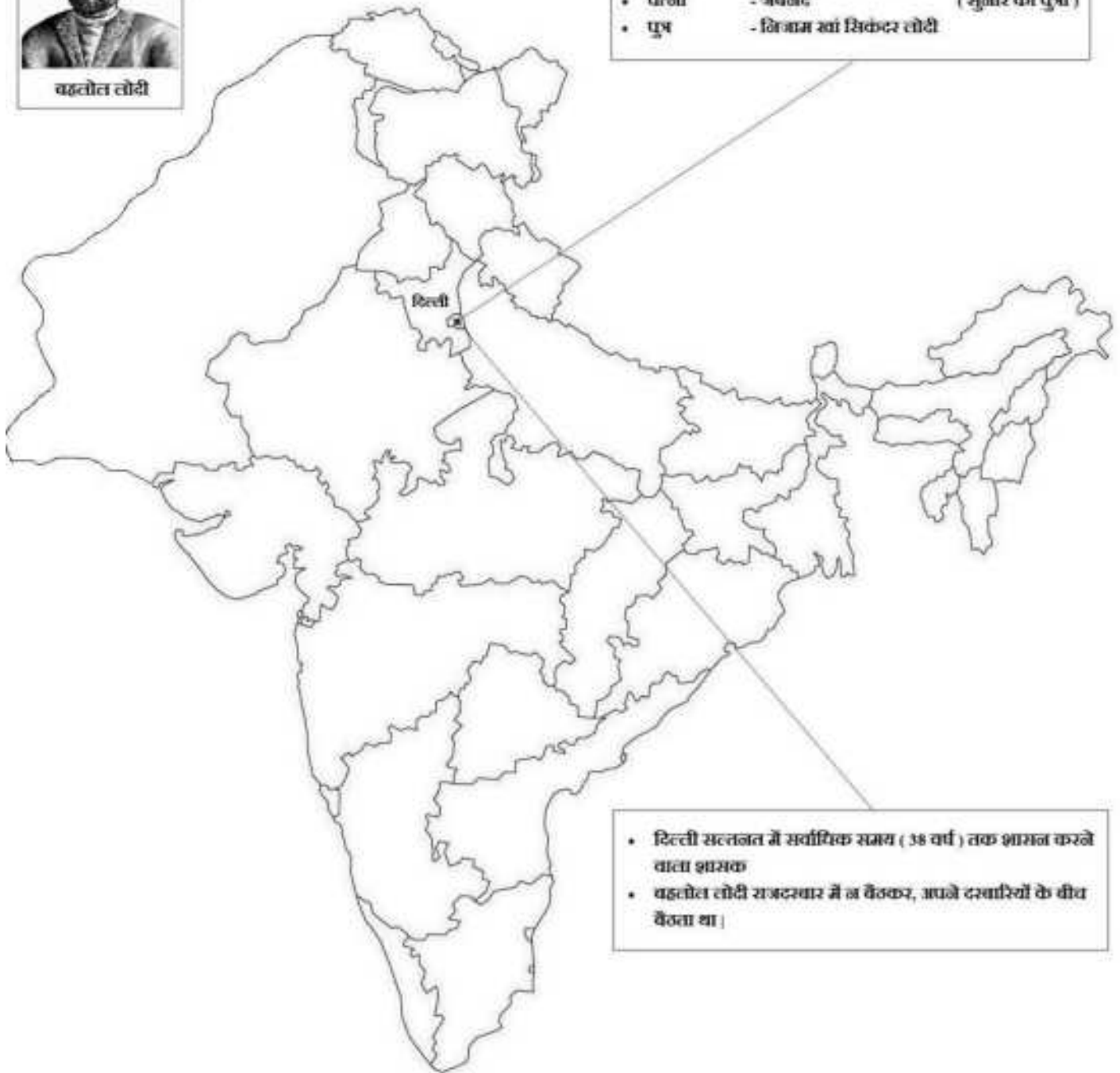
# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

**बहलोल लोदी ( 1517 ई. – 1526 ई. )**



## पारिवारिक परिचय

- |          |                         |                       |
|----------|-------------------------|-----------------------|
| • पितामह | - मलिक बहादुर           |                       |
| • पिता   | - मलिक काला             |                       |
| • चाचा   | - मलिक सुल्तानशाह       | ( पालक )              |
| • पत्नी  | - बैबलद                 | ( सुल्तान की पुत्री ) |
| • पुत्र  | - निजाम खां सिकंदर लोदी |                       |



- दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक समय ( 38 वर्ष ) तक शासन करने वाला शासक
- बहलोल लोदी राजदरबार में ल बैठकर, अपने दरबारियों के बीच बैठता था ।

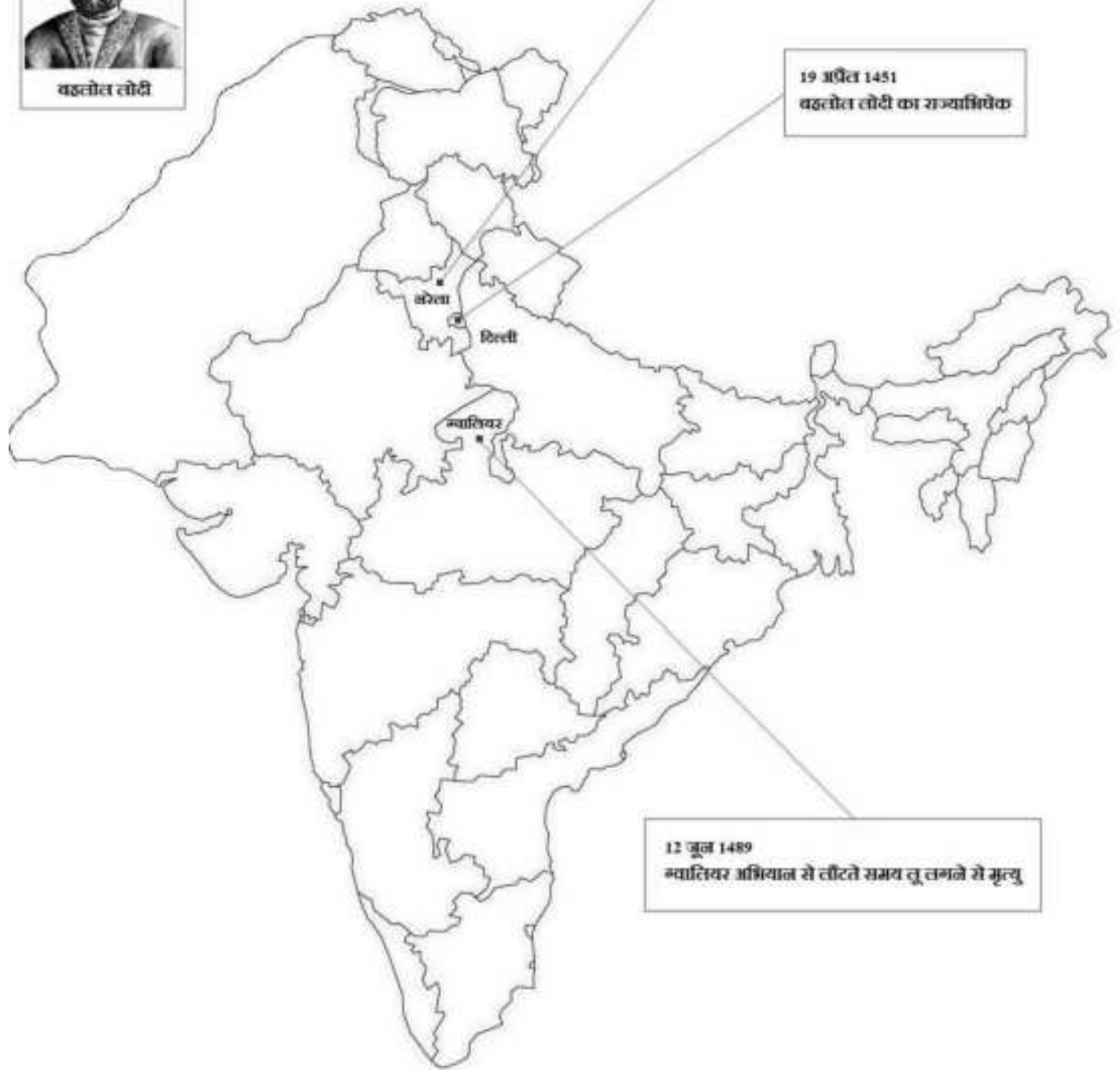
# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

बहलोल लोदी ( 1517 ई. – 1526 ई. )



लोदी का युद्ध ( 1451 )

19 अप्रैल 1451  
बहलोल लोदी का राज्याभिषेक



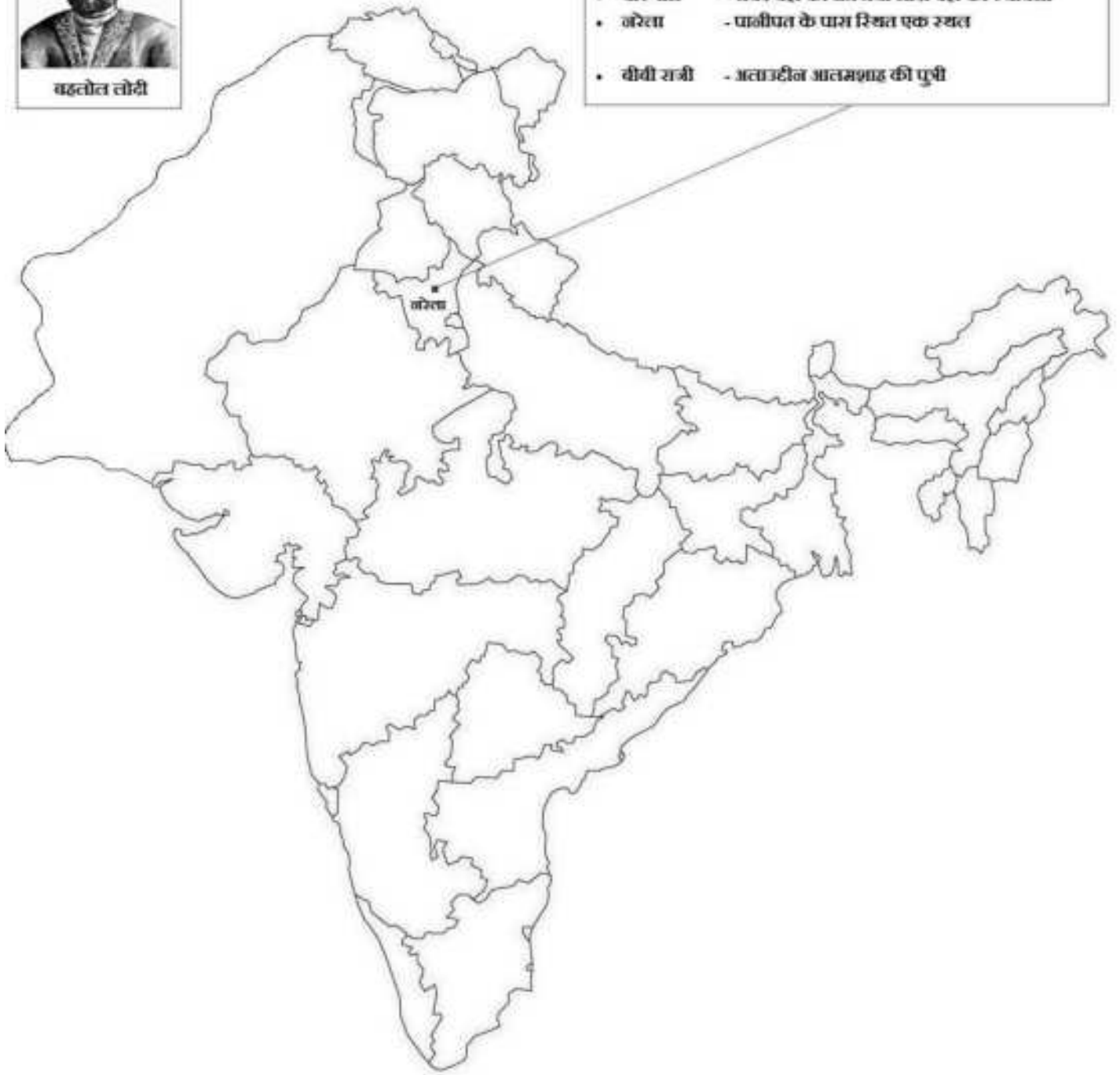
# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

बहलोल लोदी ( 1517 ई. - 1526 ई. )



जरेला का युद्ध ( 1451 )

- बहलोल लोदी vs महमूदशह ( अलाउद्दीन आलमशह का दायाद )
- विजेता - बहलोल लोदी
- परिणाम - सिख वंश का अंत तथा लोदी वंश की स्थापना
- जरेला - पालीपट के पास स्थित एक स्थल
- बीबी सत्री - अलाउद्दीन आलमशह की पत्नी





# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

सिकंदर लोदी ( 1489 ई. - 1517 ई. )



## पारिवारिक परिचय

- पिता - बहलोल लोदी
- माता - जैवलद ( सुलार की पुत्री )
- पुत्र - इब्राहिम लोदी + जलाल खां
- वास्तविक नाम - निजाम खां

## लोदी वंश का सर्वश्रेष्ठ शासक

कार्य	विवरण
गज - प - सिकंदरी	भूमि मापन हेतु पैमाना
मूलरखी	फारसी कविता का लेखन

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

सिकंदर लोदी ( 1489 ई. – 1517 ई. )



16 जुलाई 1489  
सिकंदर लोदी का राज्याभिषेक

21 नवम्बर 1513  
गले की बीमारी से मृत्यु

आगरा शहर ( 1504 )

- स्थापना - 1504
- संस्थापक - सिकंदर लोदी
- 1506 - सिकंदर लोदी की उपसभ्याली  
( पहली बार आगरा सभ्याली बना )
- 1526 - बाबर की उपसभ्याली  
( दूसरी बार आगरा सभ्याली बना )

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

इब्राहिम लोदी ( 1517 ई. – 1526 ई. )



## पारिवारिक परिचय

- |                |               |
|----------------|---------------|
| • पिता         | - सिकंदर लोदी |
| • भाई          | - जलाल खां    |
| • वास्तविक ताम | - लिजाम खां   |

- सिकंदर की मृत्यु के बाद मूठ युद्ध से बचने के लिए अफगान - अजीरो ने दिल्ली में इब्राहिम लोदी तथा बीजपुर में जलाल खां को शासक बनाया।
- रणभूमि में वीरगति को प्राप्त होने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक
- दिल्ली सल्तनत व लोदी वंश का अंतिम शासक

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

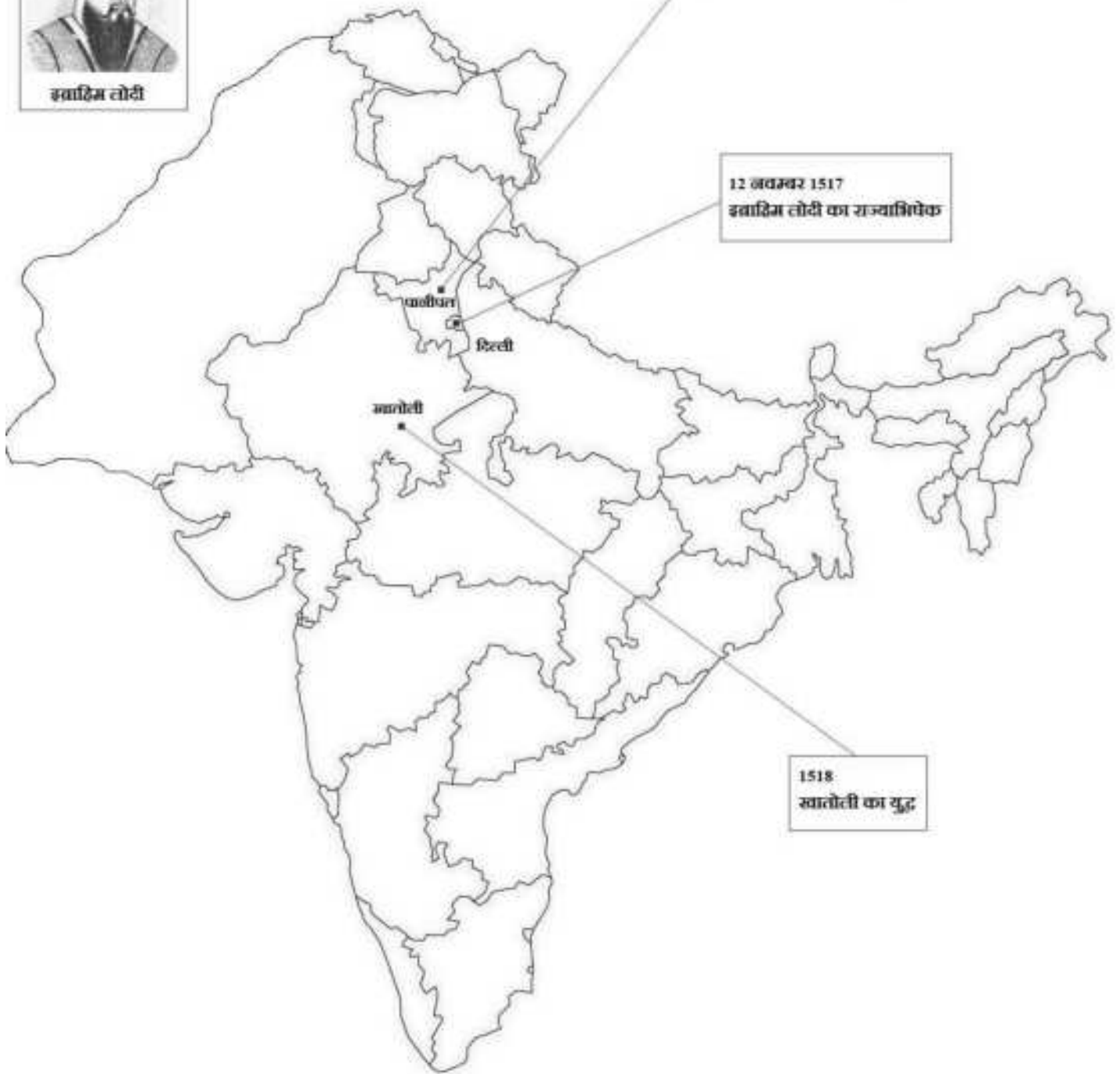
इब्राहिम लोदी ( 1517 ई. – 1526 ई. )



21 अप्रैल 1526  
पालीघाट का प्रथम युद्ध

12 नवम्बर 1517  
इब्राहिम लोदी का राज्याभिषेक

1518  
खातोली का युद्ध



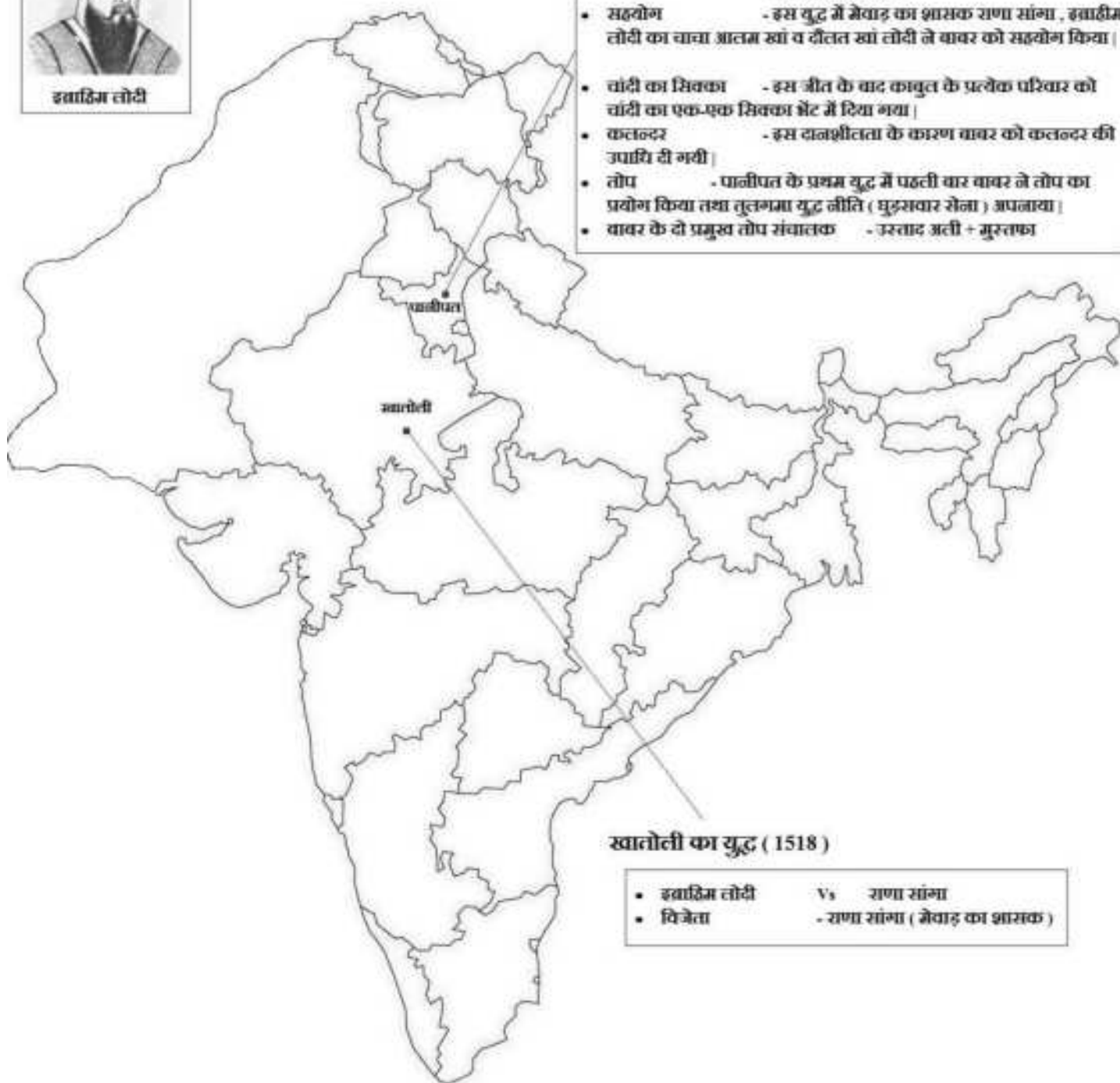
# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

**इब्राहिम लोदी ( 1517 ई. – 1526 ई. )**



**पानीपत का प्रथम युद्ध ( 21 अप्रैल 1526 )**

- इब्राहिम लोदी Vs बाबर ( राणा सांगा + आलम खां + दौलत खां )
- विजेता - बाबर
- परिणाम - रणभूमि में बहलोल लोदी की मृत्यु  
- दिल्ली सल्तनत एवं लोदी वंश का अंत तथा मुगल साम्राज्य का प्रारंभ
- सहयोग - इस युद्ध में मेवाड़ का शासक राणा सांगा, इब्राहिम लोदी का चाचा आलम खां व दौलत खां लोदी ने बाबर को सहयोग किया।
- चांदी का सिक्का - इस जीत के बाद काबुल के प्रत्येक परिवार को चांदी का एक-एक सिक्का भेंट में दिया गया।
- कलन्दर - इस दानशीलता के कारण बाबर को कलन्दर की उपाधि दी गयी।
- तोप - पानीपत के प्रथम युद्ध में पहली बार बाबर ने तोप का प्रयोग किया तथा तुलना युद्ध नीति ( घुड़सवार सेना ) अपनाया।
- बाबर के दो प्रमुख तोप संचालक - उस्ताद अली + मुस्तफा



**स्वातोली का युद्ध ( 1518 )**

- इब्राहिम लोदी Vs राणा सांगा
- विजेता - राणा सांगा ( मेवाड़ का शासक )

## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### सल्तनत कालीन शासन एवं प्रशासन

#### सल्तनत कालीन केन्द्रीय प्रशासन

क्र.	प्रधान		विभाग / कार्यालय	
1	सुल्तान	शासक	सल्तनत	साम्राज्य
2	वजीर	प्रधानमंत्री / वित्त मंत्री राजस्व विभाग का प्रमुख	दीवान - ए - विजारत	प्रधानमंत्री कार्यालय
3	रसातल - ए - खास	विदेश मंत्री	दीवान - ए - रसातल	विदेश विभाग
4	अर्ज - ए - मुमालिक	रक्षा मंत्री	दीवान - ए - अर्ज	सैन्य विभाग
5	वरिद - ए - खास	शाही पत्र व्यवहार का प्रमुख	दीवान - ए - इंशा	शाही सचिवालय ( शाही पत्र व्यवहार )

#### सल्तनत कालीन प्रमुख अधिकारी

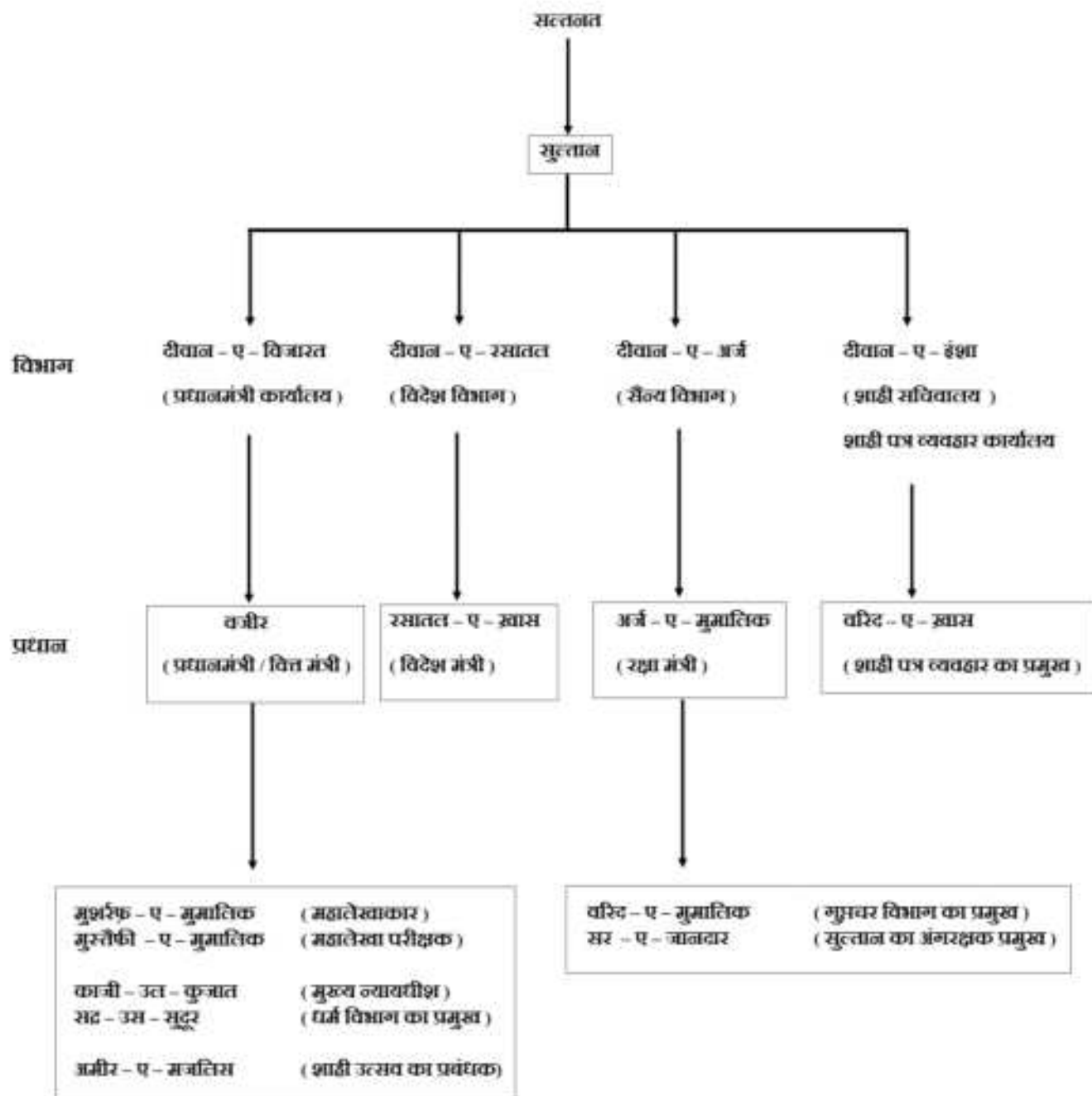
क्र.	अधिकारी	कार्य
1	काजी - उल - कुजात	मुख्य न्यायाधीश
2	सद - उस - सुदूर	धर्म विभाग का प्रमुख
3	अमीर - ए - मजलिस	शाही उत्सव का प्रबंधक
4	वरिद - ए - मुमालिक	गुप्तचर विभाग का प्रमुख
5	सर - ए - जानदार	सुल्तान का अंगरक्षक प्रमुख
6	मुशरफ़ - ए - मुमालिक	महालेखाकार
7	मुस्तौफी - ए - मुमालिक	महालेखा परीक्षक

#### प्रमुख विभाग

क्र.	शासक	विभाग	अर्थ
1	गियासुद्दीन बलबन	दीवान - ए - अर्ज	सैन्य विभाग
2	जलायुद्दीन खिलजी	दीवान - ए - बकूफ	कार्य व्यय विभाग
3	अलाउद्दीन खिलजी	दीवान - ए - रियासत	बाज़ार नीति
		दीवान - ए - मुस्तखराज	राजस्व विभाग
4	मुहम्मद बिन तुगलक	दीवान - ए - अमीरकोही	कृषि विभाग
5	फिरोज शाह तुगलक	दीवान - ए - बंदगान	दासों की देखभाल के लिए
		दीवान - ए - खैरात	बेरोजगार कार्यालय ( दान विभाग )
		दीवान - ए - इस्कफ़ाक	पेंशन विभाग
		दीवान - ए - इमारत	लोक निर्माण विभाग
		दार - उल - शफा	खैराती अस्पताल

# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## सत्तनत कातीन केन्द्रीय प्रशासन

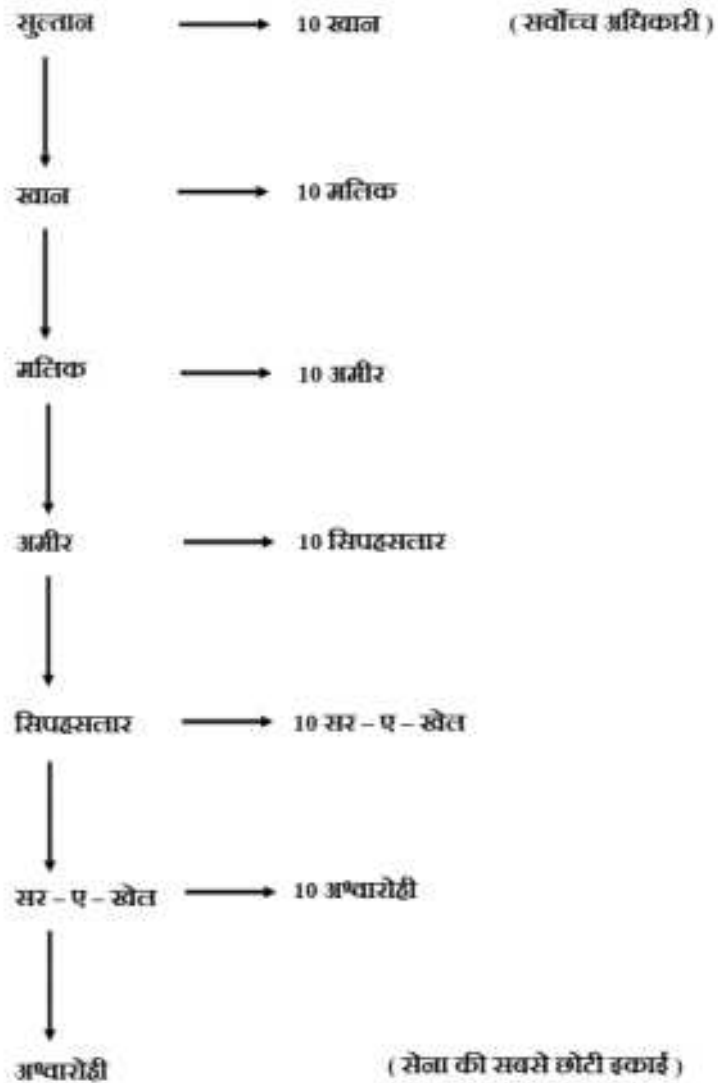


## MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

### सैन्य व्यवस्था ( सैनिक इकाई )

क्र.	सैन्य अधिकारी	प्रधान	विशेष
1	सुल्तान	10 खान का प्रधान	सर्वोच्च अधिकारी
2	खान	10 मलिक का प्रधान	
3	मलिक	10 अमीर का प्रधान	
4	अमीर	10 सिपहसलार का प्रधान	
5	सिपहसलार	10 सर - ए - खेल का प्रधान	
6	सर - ए - खेल	10 अश्वारोही का प्रधान	
7	अश्वारोही		सेना की सबसे छोटी इकाई

### सैन्य व्यवस्था ( सैनिक इकाई )





# MEDIEVAL HISTORY OF INDIA

## कर प्रणाली

क्र.	शासक	कर	अर्थ	विवरण
1	अलाउद्दीन खिलजी	जजिया	गैर - मुस्लिमों से	<ul style="list-style-type: none"> <li>गैर - मुस्लिम कर</li> <li>गैर - धार्मिक कर</li> </ul>
		जकात	मुस्लिमों से	<ul style="list-style-type: none"> <li>मिल्कियत पर लगने वाला कर</li> <li>कुल आय का 2.5 % या 1/40 वां भाग</li> </ul>
		खराज	भूमिकर	<ul style="list-style-type: none"> <li>हिन्दुओं पर लागू भूमिकर</li> <li>उपज का 50% भूमिकर</li> </ul>
		अश्व	भूमिकर	<ul style="list-style-type: none"> <li>मुसलमानों पर लागू भूमिकर</li> <li>उत्पादकता का 1/10 वां भाग</li> </ul>
		उस्र	सिंचाई कर	
		घरी	गृहकर	
		चरी	चराई कर	<ul style="list-style-type: none"> <li>दुधारू पशुओं पर</li> </ul>
		खुगस या खुम्स	युद्ध में लूटा गया धन	<ul style="list-style-type: none"> <li>1/5 भाग खजाने का तथा 4/5 भाग सैनिकों का होता था।</li> </ul>
2	फिरोजशाह तुगलक	हाब - ए - शर्ब	सिंचाई कर	
		जजिया		<ul style="list-style-type: none"> <li>ब्राह्मणों पर</li> </ul>
3	सिकंदर लोदी			<ul style="list-style-type: none"> <li>अन्न के ऊपर कर हटाया</li> </ul>

## जजिया कर

- जजिया एक गैर मुस्लिम तथा गैर धार्मिक कर था।
- सर्वप्रथम जजिया कर यहूदियों एवं ईसाईयों से वसूल किया गया।
- प्रारंभ में ब्राह्मण, लूले, लंगड़े, अंधे जजिया कर से मुक्त थे।

क्र.	वर्ष	शासक	विवरण
1	712	मुहम्मद बिन कासिम	<ul style="list-style-type: none"> <li>भारत में जजिया कर का प्रारंभ</li> <li>हिन्दुओं पर जजिया कर लगाने वाला प्रथम शासक</li> </ul>
2	1351	फिरोजशाह तुगलक	<ul style="list-style-type: none"> <li>ब्राह्मणों पर जजिया कर लगाने वाला प्रथम शासक</li> </ul>
3	1564	अकबर	<ul style="list-style-type: none"> <li>जजिया कर को समाप्त करने वाला प्रथम शासक</li> </ul>
4	1674	औरंगजेब	<ul style="list-style-type: none"> <li>जजिया कर को पुनः लागू करने वाला शासक</li> <li>औरंगजेब ने मेवाड़ ( विर्ताड़ ) को जजिया कर से मुक्त रखा था।</li> </ul>
5	1713	फर्रुखशियर	<ul style="list-style-type: none"> <li>जजिया कर को समाप्त कर दिया।</li> </ul>
6	1717		<ul style="list-style-type: none"> <li>जजिया कर को पुनः लागू कर दिया।</li> </ul>
7	1719	मुहम्मद शाह	<ul style="list-style-type: none"> <li>जजिया कर को समाप्त कर दिया।</li> </ul>